MOU Holder and Distributors
RN
METALS Pvt. Ltd
Distributors of SAIL & VSP products in Telangana
Stockist of MS Beams MS Channel, MS Angle, MS Plates, TMT Bars
A-23/5 & 6, APIE, BALANAGAR, HYD.-500 037
040-23774718, 040-23774719, 9160111471

खबरें जो सोच बदल दे
शुभ लाभ
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र

MINI SO
Please visit store nearest to you at these locations :
IRRUMMANZIL (L&T MALL)
MOOSARAMBAGH (L&T MALL)
KOMPALLY (TNR PLAZA)

Postal Regd.No. HQ/SD/523/2026-28 । शनिवार, 05 सितंबर, 2026 । हैदराबाद और नई दिल्ली से प्रकाशित । Epaper : https://epaper.shubhlabhdaily.com । संपादक : गोपाल अग्रवाल । पृष्ठ : 10 । मूल्य-8 रु.। वर्ष-8 । अंक-245

प्रकट भए नंदलाल

15 लाख भक्तों ने किए दर्शन, नाथद्वारा में 21 तोपों की सलामी

मथुरा/नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। देशभर के मंदिरों में शुक्रवार को जन्माष्टमी का पर्व श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। रात 12 बजे मथुरा-वृंदावन से लेकर जगन्नाथ पुरी और द्वारका तक भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का 5253वां जन्मोत्सव मनाया गया।

राजस्थान के नाथद्वारा में भगवान श्रीकृष्ण को 21 तोपों की सलामी दी गई। वहीं, मथुरा स्थित श्रीकृष्ण जन्मभूमि, द्वारका के द्वारकाधीश मंदिर, दिल्ली के इस्कॉन मंदिर और जयपुर के गोविंद देव जी मंदिर में मंगला आरती का आयोजन किया गया।

मथुरा में शाम 6 बजे तक 15 लाख से अधिक श्रद्धालु दर्शन कर चुके थे। यहां देश-विदेश से करीब 50 लाख श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना जताई गई। काशी के इस्कॉन मंदिर में भी श्रद्धालुओं की करीब एक किलोमीटर लंबी कतार लगी रही।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मुख्य गर्भगृह में विराजमान 'लला' यानी बाल कृष्ण के दर्शन कर विशेष पूजा-अर्चना की। वह काफी देर तक गर्भगृह की छटा और बाल गोपाल के मनोहारी स्वरूप को निहारते रहे।

अहमदाबाद में 300 ड्रोन से दिखाई कृष्ण लीला

अहमदाबाद के इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी को लेकर विशेष तैयारियां की गईं। इस बार 300 ड्रोन के जरिए भगवान श्रीकृष्ण की विभिन्न लीलाओं का मनोहारी प्रदर्शन किया गया।

वहीं, बिहार के पटना स्थित इस्कॉन मंदिर में जन्माष्टमी के मौके पर 108 चांदी के कलशों से भगवान श्रीकृष्ण का अभिषेक किया गया। मंदिर की भव्य सजावट के लिए अलग-अलग प्रकार के करीब 8 टन फूल मंगाए गए थे।

जम्मू में उमड़ा श्रद्धालुओं का सैलाब

जम्मू में श्री रघुनाथ मंदिर और रानी पार्क स्थित भगवान श्रीकृष्ण के प्रसिद्ध मंदिर में पूजा-अर्चना के लिए भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। 'हरे राम, हरे कृष्ण' के जयकारों के बीच श्रद्धालुओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की।

फगवाड़ा में श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाई जन्माष्टमी

पंजाब के फगवाड़ा में जन्माष्टमी का पर्व धार्मिक श्रद्धा, उत्साह और उल्लास के साथ मनाया गया। शहर के विभिन्न मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर दिनभर श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रमों का आयोजन किया गया।

सिंधु जल संधि : लद्दाख में पहला रॉक चेक डैम

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। सिंधु जल संधि को लेकर पाकिस्तान लगातार भारत पर सवाल उठाता रहा है, लेकिन भारत ने उसकी आपत्तियों को दरकिनार करते हुए सिंधु नदी के जल संसाधनों के स्थानीय उपयोग की दिशा में कदम बढ़ाना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में लद्दाख से एक महत्वपूर्ण खबर सामने आई है। लेह जिले के उप्शी क्षेत्र में भारत ने सिंधु नदी पर अपना पहला रॉक चेक डैम तैयार किया है।

खास बात यह है कि यह डैम सीमेंट या कंक्रीट से नहीं, बल्कि बड़े-बड़े प्राकृतिक पत्थरों को जोड़कर तैयार किया गया है। इस चेक डैम के कारण सिंधु नदी के पानी का स्तर करीब 10 फीट तक ऊपर उठ गया है, जिससे अब पानी को सिंचाई के लिए उपयोग करना आसान हो गया है। लद्दाख के किसानों के सामने लंबे समय से एक बड़ी विडंबना रही है। दुनिया की प्रमुख नदियों में शामिल सिंधु नदी उनके आसपास बहती है, लेकिन उसका पानी खेतों तक पहुंचाना आसान नहीं था। कई इलाकों में सिंधु गहरी घाटियों के बीच काफी नीचे बहती है। ऐसे में विशेषकर वसंत ऋतु में बुआई के दौरान पंपों के जरिए नदी से पानी निकालना कठिन होता था।

नतीजा यह था कि सिंधु नदी के बेहद करीब होने के बावजूद किसानों के खेत पानी के लिए तरसते रहते थे। पानी की कमी का सीधा असर खेती पर पड़ता था और स्थानीय किसानों की आर्थिक मुश्किलें भी बढ़ती थीं।

अब उप्शी में तैयार किए गए रॉक चेक डैम से इस स्थिति में बदलाव की उम्मीद जगी है। पानी का स्तर ऊपर उठने के बाद उसे नहरों के माध्यम से खेतों तक पहुंचाना आसान हो गया है।

उप्शी में बनाया गया नया चेक डैम करीब 40 मिलियन लीटर यानी 4 करोड़ लीटर पानी जमा करने की क्षमता रखता है। ▶8पर

कार्टून कॉर्नर

मौसम हैदराबाद

अधिकतम : 32°
न्यूनतम : 24°

यूक्रेन का युद्धविराम प्रस्ताव

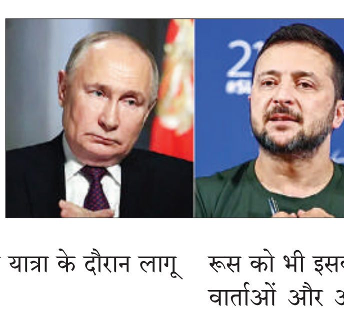

कीव, 04 सितंबर (एजेंसियां)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने शुक्रवार को रूस के सामने अस्थायी युद्धविराम का प्रस्ताव रखा। यह प्रस्ताव अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के दूतों की मॉस्को और कीव यात्रा के दौरान लागू करने की पेशकश की गई है।

ट्रंप के दूत जारेड कुशनर और स्टीव विटकॉफ शनिवार को मॉस्को और रविवार को कीव का दौरा करेंगे। इस दौरान वे रूस-यूक्रेन युद्ध को समाप्त करने के लिए संभावित शांति समझौते पर चर्चा करेंगे। जेलेंस्की ने टेलीग्राम पर पोस्ट कर कहा कि अमेरिकी राष्ट्रपति की टीम से मिली जानकारी के अनुसार स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर मॉस्को जाएंगे और रविवार को कीव पहुंचेंगे।

उन्होंने बताया कि यूक्रेनी राजनयिकों ने कीव दौरे की तैयारियों को लेकर बैठक की। इसमें फैसला लिया गया कि रूसी हवाई क्षेत्र का सामान्य संचालन बनाए रखा जाएगा, ताकि अमेरिकी दूत सुरक्षित तरीके से पहुंच सकें।जेलेंस्की ने कहा, हमारी तरफ से कोई हवाई हमला नहीं होगा और रूस को भी इसका अनुकरण करना होगा। उन्हें इन वार्ताओं और अमेरिकी दौरे से जुड़ी रसद संबंधी समस्याओं के समाधान के लिए आवश्यक समय तक चुप्पी बनाए रखनी होगी।

जेलेंस्की ने जोर देकर कहा कि यूक्रेन अमेरिकी दूतों की सुरक्षा की परवाह करता है, रूस की नहीं। उन्होंने कहा कि उनका देश युद्ध खत्म करने के लिए वास्तविक विकल्प चाहता है, जो साढ़े चार साल से चल रहा है।

जेलेंस्की ने लिखा कि अब देखा जाएगा कि स्टीव विटकॉफ और जारेड कुशनर के पास क्या प्रस्ताव हैं और मॉस्को उन्हें क्या जवाब देता है।

स्वतंत्र हिरासत में

कबूलनामे के बाद पुलिस की कार्रवाई

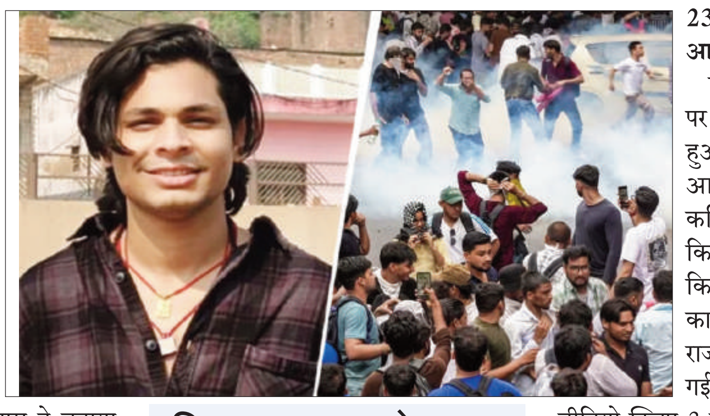

नई दिल्ली, 04 सितंबर (एजेंसियां)। कॉकरोच जनता पार्टी (सीजेपी) के प्रदर्शन के दौरान जंतर-मंतर पर निशु आजाद के पिता संजय आजाद के साथ हुई मारपीट का मुद्दा शुक्रवार को दिनभर गरमाया रहा। आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज के कथित कबूलनामे के बाद दिल्ली पुलिस ने उसे उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर से हिरासत में लिया। सीजेपी प्रवक्ता सौरव दास ने बताया कि स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ आपराधिक डराने-धमकाने की धारा भी जोड़ी गई है।

उन्होंने कहा कि दिल्ली पुलिस ने निशु के पिता संजय जी की पहले से दर्ज प्राथमिकी में स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम के तहत आरोप लगाए हैं। इसमें जान से मारने की धमकी देने के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 351(3) भी जोड़ी गई है। उन्होंने कहा, जल्द ही स्वतंत्र भारद्वाज पर हत्या के प्रयास या गैर-इरादतन हत्या के प्रयास की धारा भी जोड़ी जाएगी। हमारे वकील अभी पुलिस स्टेशन में हैं और पुलिस से उनके वादे को पूरा करने के लिए फॉलो-अप कर रहे हैं। वह उन्हें गंभीर चोट पहुंचाने वाली धारा भी जोड़ने के लिए मना रहे हैं, ताकि मामला और सख्त हो सके।

मामले में नाम आने के बाद केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान ने कहा कि उनका स्वतंत्र भारद्वाज से कोई संबंध नहीं है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उन्होंने इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ आधिकारिक शिकायत की है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने की मांग की।

23 जून को हुआ था संजय आजाद पर हमला

निशु के पिता संजय आजाद पर 23 जून 2026 को हमला हुआ था। इस मामले के आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज ने कथित तौर पर यह स्वीकार किया कि उसी ने अपराध किया है। इसके बाद पुलिस कार्रवाई को लेकर देशभर में राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई। स्वतंत्र भारद्वाज का वीडियो क्लिप 3 सितंबर 2026 को वायरल हुआ, जिसके बाद निशु को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी का समर्थन मिला।इसके बाद 4 सितंबर को सीजेपी के नेता दिल्ली के संसद मार्ग थाने पहुंचे और आरोपी को गिरफ्तार करने की मांग पर अड़ गए।

निशु आजाद ने राहुल गांधी से मांगी मदद

इस मामले में देशभर में चर्चा इसलिए और ज्यादा होने लगी क्योंकि आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज ने वीडियो में भाजपा के बड़े नेताओं से संरक्षण मिलने का दावा किया था। उसने केंद्रीय मंत्री चिराग पासवान और दिल्ली सरकार में मंत्री कपिल मिश्रा को अपना बड़ा भाई बताया। उसने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को भी अपना बड़ा भाई बताया, जिसके बाद विपक्ष ने इस मुद्दे को लेकर भाजपा पर आरोप लगाए कि वह गुंडों को संरक्षण दे रही है।

निशु आजाद ने 3 सितंबर को दिल्ली पुलिस पर सवाल खड़ा करते हुए सोशल मीडिया पर वीडियो पोस्ट किया, जिसमें उन्होंने कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से मदद मांगी थी।

वहीं, स्वतंत्र भारद्वाज का पॉडकास्ट वीडियो वायरल होने के बाद सीजेपी ने 3 सितंबर को दिल्ली पुलिस की कार्रवाई पर गंभीर सवाल उठाए। ▶8पर

चिराग पासवान ने पल्ला झाड़ा,भारद्वाज के खिलाफ दर्ज कराई शिकायत

पटना, 04 सितंबर (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री और लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास के नेता चिराग पासवान ने स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ शिकायत दर्ज कराई है। यह मामला एक छात्रा के पिता की कथित पिटाई से जुड़ा है। दरअसल, आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज ने एक पॉडकास्ट में चिराग पासवान से संपर्क का दावा किया था। इसके बाद उन्होंने पूरे मामले पर सफाई दी है। चिराग ने कहा कि उनका स्वतंत्र भारद्वाज से कोई निजी रिश्ता नहीं है। उन्होंने दिल्ली पुलिस से मामले की निष्पक्ष जांच की मांग की है।चिराग पासवान ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में रहने वाले नेताओं से कई लोग मिलते हैं। कोई अपनी समस्या लेकर आता है तो कोई अपनी बात रखने आता है। ▶8पर

नेपाल में तबाही के बाद अलर्ट, चीनी सीमा पर लगेंगे अर्ली वार्निंग सिस्टम

काठमांडू

26 अगस्त को भोटेकोसी नदी में आई अप्रत्याशित बाढ़ ने नेपाल के सीमावर्ती क्षेत्रों में भारी तबाही मचाई थी। इस आपदा ने न सिर्फ संपत्ति को नुकसान पहुंचाया, बल्कि मानवीय जीवन के लिए भी गंभीर खतरा पैदा कर दिया था। सैलाब की प्रचंडता को रोकना तो शायद संभव नहीं था, लेकिन अगर समय रहते प्रभावी चेतावनी जारी की जाती, तो कई बहुमूल्य जानें बचाई जा सकती थीं।

इस भयावह अनुभव से सबक लेते हुए, नेपाल सरकार ने अपनी आपदा चेतावनी प्रणाली को अभूतपूर्व रूप से मजबूत करने की दिशा में तेजी से कदम बढ़ाए हैं। देश का राष्ट्रीय आपदा जोखिम न्यूनीकरण एवं प्रबंधन प्राधिकरण अब चीन से लगी अपनी उत्तरी हिमालयी सीमा पर अत्याधुनिक अर्ली वार्निंग सिस्टम स्थापित कर रहा है। इन नए सिस्टम में भूकंपीय सेंसर, रिमोट कैमरे और वीसेट (वेरी स्माल अपर्चर टर्मिनल) जैसी आधुनिक तकनीकें शामिल होंगी। नेपाल में पहले से मौजूद निगरानी तंत्र मुख्य रूप से नदियों के जलस्तर में धीरे-धीरे होने वाली वृद्धि का पता लगाने के लिए डिज़ाइन किए गए थे। हालांकि, ग्लेशियर टूटने या अचानक आई बाढ़ जैसे तीव्र और अप्रत्याशित घटनाओं का पता लगाने में ये प्रभावी साबित नहीं हुए।

भोटेकोसी में आई बाढ़ ने पुराने चार हाइड्रोलाजिकल मानीटरिंग सिस्टम को भी क्षतिग्रस्त कर दिया था, जिससे अधिकारियों को यह समझने में काफी समय लग गया कि चेतावनी तंत्र काम नहीं कर रहा है। इस घटना में, बाढ़ के सीमा पार पहुंचने के लगभग 38 मिनट बाद ही सार्वजनिक चेतावनी जारी की जा सकी थी, तब तक जान-माल का भारी नुकसान हो चुका था। बाद में, लगभग छह लाख लोगों को अलर्ट संदेश भेजे गए थे। नए सिस्टम में वीसेट की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण होगी। यह एक उपग्रह-आधारित संचार व्यवस्था है, जो मोबाइल नेटवर्क, इंटरनेट या फाइबर लाइनों के नष्ट होने की स्थिति में भी आपदा प्रबंधन अधिकारियों और संबंधित एजेंसियों के बीच संपर्क बनाए रखने में मदद कर सकती है।

भूकंपीय सेंसर जमीन में होने वाले कंपन, चट्टानों के खिसकने और संभावित भूस्खलन की तत्काल जानकारी प्रदान करेंगे, जबकि रिमोट कैमरे ऊंचाई वाले पहाड़ी इलाकों में ग्लेशियरों, झीलों और नदियों की निरंतर निगरानी करेंगे। इन उपकरणों से प्राप्त सभी महत्वपूर्ण सूचनाएं वीसेट के माध्यम से सीधे आपदा प्रबंधन केंद्रों तक पहुंचाई जाएंगी। नेपाली अधिकारी वर्तमान में हेलीकाप्टरों से हिमालयी क्षेत्रों का व्यापक सर्वे कर रहे हैं और उन रणनीतिक स्थानों की पहचान की जा रही है जहां इन महत्वपूर्ण निगरानी उपकरणों को स्थापित किया जाएगा। विशेषज्ञों का मानना है कि हिमालयी क्षेत्र में ग्लेशियर झील फटने, बड़े पैमाने पर भूस्खलन और अचानक बाढ़ का खतरा लगातार बना हुआ है।

न्यूज़ ब्रीफ

पोखरा में कार फेवाताल में गिरी, बिहार के दो युवकों की मौत, दो घायल

काठमांडू। नेपाल के पोखरा में भारतीय नंबर की एक कार अनियंत्रित होकर फेवाताल में जा गिरी, जिससे कार में सवार दो लोगों की मौत हो गई, जबकि दो अन्य घायल हो गए। पुलिस के अनुसार, दुर्घटना पोखरा के गैरीचौतारा घुम्ती स्थित सड़क पर हुई। करीब सुबह 4:50 बजे सेदी से लेकसाइड की ओर जा रही कार के चालक ने नियंत्रण खो दिया, जिसके बाद कार सड़क से करीब 20 मीटर नीचे फेवाताल में जा गिरी। कार में कुल चार लोग सवार थे। घटना की सूचना मिलते ही वडा पुलिस कार्यालय बैदाम से पुलिस उपाधीक्षक सूर्यबहादुर बोगटी के नेतृत्व में 15 पुलिसकर्मियों की टीम तथा सशस्त्र प्रहरी बल नेपाल नंबर 24 हेडक्वार्टर कालिका गण, कास्की से सहायक पुलिस निरीक्षक शरण खड़का के नेतृत्व में 13 सदस्यीय टीम मौके पर पहुंची और बचाव अभियान शुरू किया। बचाव दल ने बिहार के रक्सौल निवासी 27 वर्षीय अनमोल कुमार यादव और 33 वर्षीय सुरज यादव को जिंदा बाहर निकाला। दोनों को इलाज के लिए गंडकी मेडिकल कालेज भेजा गया। कास्की पुलिस के अनुसार, दोनों बात करने की स्थिति में हैं। इसके बाद सुबह 5:55 बजे फेवाताल के पानी से दो अन्य लोगों को अचेत अवस्था में बाहर निकाला गया। उन्हें पोखरा स्वास्थ्य विज्ञान प्रतिष्ठान, पश्चिमांचल क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया, जहां डाक्टरों ने दोनों को मृत घोषित कर दिया। पुलिस के अनुसार, मृतकों में भारत के बिहार के ही रक्सौल निवासी 26 वर्षीय नवदीप कुमार यादव की पहचान उनके आधार कार्ड के आधार पर हुई है। दूसरे मृतक की उम्र करीब 40 से 45 वर्ष बताई जा रही है, लेकिन उसकी पहचान अभी नहीं हो सकी है। सुबह करीब 6:20 बजे क्रेन की मदद से फेवाताल के पानी से भारतीय नंबर बीआर 05 डीबी 6759 वाली कार को बाहर निकाला गया।

वैज्ञानिकों ने जाना उल्लू के बच्चों की सुरक्षा का राज

तुर्किये। वैज्ञानिकों ने यूरेशियन स्कोप्स उल्लू के कई घोंसलों में जिंदा छोटे सांप मिले। उल्लू के घोंसले में जिंदा सांपों का मौजूद होना वैज्ञानिकों के लिए आश्चर्यजनक था। वैज्ञानिकों को अध्ययन के बाद पता चला कि ये सांप संयोग से घोंसलों तक नहीं पहुंचे थे, बल्कि उल्लू स्वयं उन्हें जिंदा पकड़कर अपने बच्चों के पास लाते थे। शोधकर्ताओं ने छह प्रजनन सत्रों के दौरान कुल 109 घोंसलों की जांच की। इनमें करीब 44 प्रतिशत घोंसलों में छोटे वर्म स्नेक पाए गए। खास बात यह रही कि सांप उन घोंसलों में मिले जहां उल्लू अपने बच्चों के साथ रह रहे थे। खाली या निष्क्रिय घोंसलों में इस तरह सांपों की मौजूदगी नहीं देखी गई। लगातार निरीक्षण के बाद शोधकर्ताओं ने माना कि उल्लू इन सांपों को पकड़कर जानबूझकर घोंसले में लाते और उन्हें जीवित छोड़ देते हैं। सामान्य रूप से उल्लू अपने शिकार को भोजन के रूप में इस्तेमाल करते हैं, लेकिन इस मामले में व्यवहार अलग दिखाई दिया।

ईरान के नए विधेयक से चिंतित संयुक्त राष्ट्र, 30 साल तक की सजा को बताया स्वतंत्रता के लिए खतरा

जिनेवा। संयुक्त राष्ट्र के मानवाधिकार जांचकर्ताओं ने ईरान से उस प्रस्तावित कानून को तत्काल वापस लेने की मांग की है, जिसमें विदेशी व्यक्तियों या संगठनों से संपर्क रखने पर दोषी पाए जाने वालों को 30 साल तक की जेल की सजा दिए जाने का प्रावधान है। संयुक्त राष्ट्र ने इस प्रस्ताव को मौलिक स्वतंत्रताओं के लिए गंभीर खतरा बताया है। ईरान पर गठित संयुक्त राष्ट्र की स्वतंत्र अंतरराष्ट्रीय तथ्य-खोज मिशन ने जारी बयान में प्रस्तावित कानून को लेकर कड़ी चिंता जताई। मिशन ने कहा कि वह ईरानी संसद में विचाराधीन इस विधेयक से बेहद चिंतित है और इसे नागरिक स्वतंत्रताओं पर बढ़ते दबाव का संकेत माना है। जांचकर्ताओं के अनुसार, यदि यह कानून लागू होता है तो विदेशी लोगों और संस्थाओं के साथ सामान्य संवाद या संपर्क भी गंभीर कानूनी कार्रवाई के दायरे में आ सकता है। संयुक्त राष्ट्र मिशन ने चेतावनी दी कि इससे ईरानी नागरिकों का अंतरराष्ट्रीय समुदाय से संपर्क सीमित होगा और देश में अभिव्यक्ति तथा अन्य बुनियादी स्वतंत्रताओं पर और अंकुश लग सकता है। मिशन ने ईरानी अधिकारियों से अंतरराष्ट्रीय मानवाधिकार दायित्वों का सम्मान करने और प्रस्तावित कानून को वापस लेने की अपील की है। संयुक्त राष्ट्र का कहना है कि नागरिकों को शांतिपूर्ण तरीके से विचार साझा करने और अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साथ संवाद करने के अधिकार की रक्षा की जानी चाहिए ।

9 महीने समुद्र में रहने के बाद अमेरिकी युद्धपोत अब्राहम लिंकन बना कबाड़

वाशिंगटन

अमेरिका के विशालकाय एयरक्राफ्ट कैरियर यूएसएस अब्राहम लिंकन की हाल ही में सामने आई तस्वीरों ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर ध्यान खींचा है। नौ महीने से भी अधिक समय तक समुद्र में तैनात रहने के बाद यह युद्धपोत जब थाईलैंड के लैम चाबांग बंदरगाह पर पहुंचा, तो इसकी बाहरी स्थिति चर्चा का विषय बन गई। तस्वीरों में जहाज के बाहरी हिस्से पर जगह-जगह गहरा जंग लगा हुआ दिखाई दे रहा था। पानी की सतह के पास हरे रंग की मोटी काई जमी हुई थी, और कई जगहों पर जहाज का रंग भी उतर चुका था, जिससे यह एक उजड़ा चमन जैसा प्रतीत हो रहा था। ये तस्वीरें सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हुईं, जिसके बाद लोगों ने इस पर तरह-तरह की प्रतिक्रियाएं व्यक्त कीं। थाईलैंड पहुंचने के बाद, बंदरगाह पर आम लोगों के जहाज के पास जाने पर तत्काल रोक लगा दी गई।

यह एयरक्राफ्ट कैरियर लगभग 286 दिनों के बाद किसी ऐसे बंदरगाह पर पहुंचा था, जहां उसके चालक दल को लंबे समय बाद आराम करने का अवसर मिल सका। सोशल मीडिया पर एक यूजर ने जहाज की हालत पर तंज कसते हुए लिखा कि अमेरिका का यह जहाज पहले ताकत दिखाता था, अब टिटनेस का खतरा दिखा रहा है। वहीं, एक अन्य व्यक्ति ने व्यंग्य किया कि इस जहाज की शक्ल दिखा रही है कि ये किसी हारी हुई सेना का जहाज है। हालांकि, सैन्य विशेषज्ञ और जानकार इस स्थिति को युद्ध में हुए किसी नुकसान से नहीं जोड़ रहे हैं। सेवानिवृत्त अमेरिकी नौसेना अधिकारी राबर्ट मुरेट ने स्पष्ट किया कि इतनी लंबी तैनाती के बाद इस तरह की जंग और रंग का उतरना सामान्य बात है। उनके मुताबिक, इसका जहाज के काम करने की क्षमता या परिचालन पर कोई नकारात्मक असर नहीं पड़ता है।

यूएसएस अब्राहम लिंकन नवंबर 2025 में सैन डिएगो से रवाना हुआ था। अपनी तैनाती के शुरुआती दौर में इसे प्रशांत क्षेत्र में भेजा गया था। बाद में, इसकी तैनाती मध्य पूर्व में कर दी गई, जहां यह ईरान के खिलाफ अमेरिकी सैन्य अभियानों में शामिल रहा। 28 फरवरी को शुरू हुए आपरेशन एपिक फ्यूरी में भी इसने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। इसके बाद कई महीनों तक यह संवेदनशील इलाके में तैनात रहा। जहाज के बाहरी हिस्से पर जंग, जगह-जगह से उतरा रंग, और पानी के पास काई का जमा होना, उसकी अत्यधिक लंबी और चुनौतीपूर्ण समुद्री तैनाती का सीधा परिणाम है। यूएसएस अब्राहम लिंकन के थाईलैंड पहुंचने के साथ ही लैम चाबांग बंदरगाह और उसके आसपास सुरक्षा व्यवस्था बेहद कड़ी कर दी गई है। आम लोगों को जहाज के पास जाने की इजाजत नहीं दी गई। बंदरगाह अधिकारियों के अनुसार, यह एक अमेरिकी सैन्य जहाज है, और इसकी सुरक्षा के लिए कड़े प्रबंध आवश्यक हैं। कई लोग इस विशाल जहाज को करीब से देखने पहुंचना चाहते थे, लेकिन सुरक्षा कारणों से उन्हें पास जाने की अनुमति नहीं मिली।

तुर्की में 11 हजार वर्ष पुरानी पत्थर की मूर्ति खोजी

अंकारा। पुरातत्वविदों ने तुर्की में 11 हजार वर्ष पुरानी एक पत्थर की मूर्ति खोजी है। इस मूर्ति ने वैज्ञानिकों और इतिहासकारों को हैरान कर दिया है। प्राचीन पुरातात्विक स्थल कराहान टेपे में खुदाई के दौरान मिली इस कलाकृति में एक इंसान को तेंदुए की पीठ पर सवार दिखाया गया है। तुर्की के संस्कृति एवं पर्यटन मंत्रालय के अनुसार यह मूर्ति हाल में गर्मियों के दौरान कराहान टेपे में की गई खुदाई के समय मिली। करीब 28 इंच ऊंची इस मूर्ति को लगभग 10 फीट व्यास वाली गोलाकार संरचना की दीवार से जुड़े एक विशेष मंच या वेदी पर रखा हुआ पाया गया। पत्थर को तराशने की इसकी बारीकी और कलात्मकता ने शोधकर्ताओं को चकित कर दिया है। उस समय आधुनिक उपकरण उपलब्ध नहीं होने के बावजूद इतनी जटिल आकृति तैयार किया जाना पाषाण युग के लोगों की तकनीकी और कलात्मक क्षमता को दर्शाता है। कराहान टेपे को मानव सभ्यता की सबसे प्राचीन बस्तियों में गिना जाता है। यह दक्षिण-पूर्वी तुर्की के उर्फा क्षेत्र में स्थित है, जहां गोबेकली टेपे सहित कई महत्वपूर्ण नवपाषाणकालीन स्थल मौजूद हैं। इस पूरे क्षेत्र की खुदाई से पहले भी इंसानों और जंगली जानवरों की संयुक्त आकृतियां तथा रहस्यमयी नक्काशियां मिल चुकी हैं। जर्मन पुरातत्व संस्थान से जुड़े विशेषज्ञ जेंस नोट्राफ के अनुसार नई मूर्ति पहले मिली कुछ कलाकृतियों से बिल्कुल अलग है। पहले की आकृतियों में तेंदुए या अन्य खतरनाक जानवरों को इंसानों पर हावी होते हुए दिखाया गया था, जबकि नई मूर्ति में इंसान स्वयं तेंदुए पर नियंत्रण रखता नजर आता है।

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में निर्माण कंपनी के 14 वाहनों को विस्फोट कर तबाह किया

इस्लामाबाद

पाकिस्तान के बलोचिस्तान में हथियारबंद लोगों ने एक निर्माण कंपनी के 14 वाहनों को विस्फोट कर उड़ा दिया। इस घटना की अभी तक किसी संगठन ने जिम्मेदारी नहीं ली है। इन वाहनों में आठ डंपर, दो लोडर, एक एक्सकेवेटर, एक ट्रेलर, एक बिटुमेन डिस्ट्रीब्यूटर और एक वाटर बाउजर हैं। यह वही जगह है जहां हथियारबंद लोगों ने पाकिस्तान की सेना और डिप्टी कमिश्नर के दल पर हमला किया था।

रिपोर्ट के अनुसार, अभी तक किसी भी संगठन ने कंस्ट्रक्शन कंपनी के वाहनों हुए हमले की जिम्मेदारी नहीं ली है। अलबत्ता बलोच लिबरेशन आर्मी ने जियारत क्रास पर पाकिस्तानी सेना पर हुए हमले की जिम्मेदारी ली है और कहा है कि इस हमले में सेना के 18 जवान मारे गए। बलोचिस्तान लिबरेशन आर्मी के आधिकारिक चैनल हुकल ने आज जियारत क्रास हमले का एक मिनट ग्यारह सेकंड का वीडियो भी जारी किया।

इसके अलावा आल पार्टीज कैच के प्रवक्ता ने बयान में कहा है कि पिछले चार दिनों से तुर्बत में कुछ अनजान यू-ट्यूबर्स की मौजूदगी और अलग-अलग संगठन के दौरे की वजह से सभी सड़कें बंद हैं। इन यू-ट्यूबर्स के तुर्बत प्रेस क्लब के दौरे के दौरान पत्रकारों के साथ बुरा बर्ताव किया गया।

टीचिंग हास्पिटल के दौरे के दौरान यू-ट्यूबर्स के सुरक्षा कर्मचारियों ने डाक्टरों की बेइज्जती की और पैरामेडिक स्टाफ को पीटा।

उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान के अलग-अलग शहरों, खासकर इस्लामाबाद और लाहौर से लाए गए यू-ट्यूबर्स की सुरक्षा के लिए बलोचिस्तान के तुर्बत शहर में सिक्योरिटी हाई अलर्ट पर रखी गई है। इसकी वजह से लोगों को अपने रोजाना के कामों में मुश्किलों का सामना करना पड़ रहा है।

सऊदी अरब में आजीविका की तलाश में गए तेलंगाना के गड्डम मोहन शव बनकर लौटे

रियाद। राजन्ना सिरसिल्ला जिले के रुद्रंगी गांव के निवासी गड्डम मोहन लगभग नौ साल पहले परिवार का भरण-पोषण करने की उम्मीद में सऊदी अरब गए थे। रोजमर्रा के काम के दौरान अचानक गंभीर रूप से बीमार पड़ने पर उन्हें अस्पताल ले जाया गया, जहां ब्रेन सर्जरी हुई।

परिवार की आर्थिक तंगी को देखते हुए उन्होंने एसएटीए रियाद के अध्यक्ष श्रीनिवास माचा और उनकी टीम (खाजा मुजम्मिल उद्दीन, सिंगु नरेश कुमार, मुडिगोंडा शंकर, नूरुद्दीन, लोकेश आदि) से मदद मांगी। टीम ने इलाज और अन्य व्यवस्थाओं में पूरा सहयोग दिया।

दुर्भाग्य से 23 अगस्त 2026 को मोहन का निधन हो गया। श्रीनिवास माचा और एसएटीए टीम ने भारतीय दूतावास के डेथ विभाग के सहयोग से शव को भारत भेजने की व्यवस्था की। तेलंगाना सरकार की मदद से हैदराबाद के राजीव गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे से गांव तक मुफ्त एंबुलेंस भी उपलब्ध कराई गई।

श्रीनिवास माचा ने कहा कि सऊदी अरब में किसी भी तेलुगु या भारतीय को मुश्किल आने पर एसएटीए हमेशा उनके साथ खड़ा रहेगा।

एसएटीए ने मंत्री पोन्नम प्रभाकर और विधायक मेदिपल्ली सत्यम को सऊदी अरब आमंत्रित किया

हैदराबाद । सऊदी अरब तेलुगु एसोसिएशन (एसएटीए) के एक प्रतिनिधिमंडल ने शुक्रवार को तेलंगाना के माननीय मंत्री श्री पोन्नम प्रभाकर गारु और माननीय विधायक श्री मेदिपल्ली सत्यम गारु से मुलाकात की। प्रतिनिधि मंडल ने दोनों नेताओं को 18 सितंबर 2026 को रियाद में आयोजित होने वाले तेलुगु भाषा दिनोत्सव में शामिल होने का औपचारिक निमंत्रण दिया।

बैठक के दौरान एसएटीए प्रतिनिधियों ने मंत्री और विधायक को सऊदी अरब में तेलुगु भाषा, संस्कृति और परंपराओं के संरक्षण तथा प्रवासी तेलुगु समुदाय की एकता बढ़ाने के लिए किए जा रहे सामाजिक-सांस्कृतिक कार्यों की जानकारी दी।

माननीय मंत्री और विधायक ने विदेश में रह रहे तेलुगु समुदाय द्वारा मातृभाषा और संस्कृति को बचाने के प्रयासों की सराहना की तथा एसएटीए की पहलों की प्रशंसा की। बैठक में शामिल एसएटीए प्रतिनिधिमंडल में महेश के.पी., भास्कर रेड्डी वोंटेला, पवन कुमार पी., गणपति रेड्डी, जव्वाजी मल्लेशम, नाजिया मिराज और शिकंदर शामिल थे। प्रतिनिधिमंडल ने एसएटीए संस्थापक मल्लेश, क्षेत्रीय अध्यक्षों श्रीनिवास माचा, शर्वणी विद्याधारिणी, तेजा पल्लेम, पामिरेड्डी रामिरेड्डी तथा कोर टीम के सदस्यों के निरंतर सहयोग के लिए आभार भी व्यक्त किया।

रूस की मदद से खतरनाक मिसाइलें बना रहा ईरान

वाशिंगटन

अंतर्राष्ट्रीय भू-राजनीति में एक गंभीर मोड़ लेते हुए, रूस कथित तौर पर 2023 से ईरान को सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलों के निर्माण में सहायता कर रहा है। यह सहयोग एक ऐसे समय में सामने आया है जब संयुक्त राज्य अमेरिका और रूस के बीच कई वर्षों से तनाव चरम पर है, खासकर यूक्रेन युद्ध के बाद पश्चिमी देशों द्वारा रूस पर लगाए गए कड़े प्रतिबंधों के कारण। वहीं, अमेरिका और ईरान के बीच भी कई मोर्चों पर संघर्ष की स्थिति बनी हुई है, जिससे यह सैन्य साझेदारी पश्चिमी देशों, विशेषकर अमेरिका के लिए एक बड़ा रणनीतिक खतरा पैदा कर रही है। ये नई मिसाइलें अमेरिकी युद्धपोतों को निशाना बनाने की क्षमता रखती हैं, जो क्षेत्र में शक्ति संतुलन को बदल सकती हैं।

खुफिया रिपोर्टों के अनुसार, यह गुप्त कार्यक्रम, जिसका कोडनेम सी430एल है, ईरान के खिलाफ अमेरिका और इजरायल द्वारा संभावित सैन्य कार्रवाईयों की धमकियों के बावजूद जारी रहा है। रूस ने लंबे समय से पश्चिम एशिया में ईरान का समर्थन किया है, और दोनों देश चीन तथा उत्तर कोरिया के साथ मिलकर एक ऐसे ध्रुव का हिस्सा बन गए हैं जो पश्चिमी देशों के वैश्विक प्रभाव को चुनौती देने पर केंद्रित है। सुपरसोनिक क्रूज मिसाइलें ध्वनि की गति से भी अधिक तेजी से उड़ती हैं और अक्सर जमीन या समुद्र की सतह के पास कम ऊंचाई पर उड़ान भरती हैं। उनकी तेज गति और निचली उड़ान उन्हें रडार की पकड़ में आने से बचाती है, जो उन्हें बेहद खतरनाक बना देता है।

विशेषज्ञों का मानना है कि इन मिसाइलों का इस्तेमाल ईरान अमेरिका के साथ चल रहे मौजूदा तनावों में कर सकता है, खासकर युद्धपोतों को निशाना बनाने के लिए। इस रिपोर्ट में बताया गया है कि यह तकनीक लगभग निश्चित रूप से एंटी-शिप और लैंड-अटैक क्रूज मिसाइलों के विकास के लिए थी। इस परियोजना में रूस की मुख्य भूमिका ईरान को रैमजेट प्रोपल्शन सिस्टम बनाने में मदद करना है। यह ऐसी उन्नत तकनीक है जिसे ईरान दशकों से हासिल करने की कोशिश कर रहा था। यह क्षमता ईरान को अपनी मिसाइल शस्त्रागार में एक महत्वपूर्ण तकनीकी उछाल प्रदान करेगी, जिससे उसकी मारक क्षमता और भी बढ़ जाएगी। ईरानी मिसाइलों के विशेषज्ञ और ब्रिटेन स्थित एक हथियार ट्रैकिंग संगठन के वरिष्ठ विश्लेषक फैबियन हिंज ने बताया कि यह रूस से एक बहुत ही रणनीतिक रूप से संवेदनशील सैन्य प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण है। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि इस तरह के कार्यक्रम के लिए रूस में सबसे ऊपर से राजनीतिक मंजूरी की आवश्यकता होगी, जो इस साझेदारी की उच्च स्तरीय प्रकृति को दर्शाता है।

आज का राशिफल

मेष – चू,चे,चो,ला,लि,लू,ले,लो,अ

आज वित्तीय सुधार चाह रहें हैं तो मित्रों का सहयोग जरूर लें। स्थिति में सुधार आएगा। पडोस मे कुछ अच्छी खबर मिलेगी जिससे आप के परिवार मे भी खुशी का माहौल रहेगा सेहत के मामले में दिन ठीक नहीं है. पेट और कमर के रोग भी परेशान कर सकते हैं. वाणी पर संयम रखना आवश्यक है. नयी योजना को चालू करने के लिए और साझेदारी मे भी व्यापार करने के लिए समय श्रेष्ठ हैं

वृषभ – इ,उ,ए,ओ,वा,वि,वु,वे,वो

आज व्यापार मे नयी साझेदारी का काम कर सकते हैं आप का विरोधी आप को कोई नुकसान नहीं पहुंचा पाएंगे. स्थिर आय आपको व्यवसायिक क्षेत्र में बेहतर करने के लिए प्रोत्साहित करेगी. यदि विवाह योग्य आयु है, तो विवाह हो सकता है. पारिवारिक जीवन शानदार रहेगा और बच्चे बहुत अच्छा फील करेंगे. स्वास्थ्य पर ध्यान देने की आवश्यकता है, क्योंकि आप छोटी–मोटी बीमारियों का शिकार हो सकते हैं. यात्रा का योग रहेगा दही का सेवन करके ही यात्रा का आरंभ करें।

मिथुन – क,कि,कृ,घ,ड़,छ,के,को,ह

आज के दिन शरीर मे उर्जा रहेगी दिन बढ़िया रहेगा. सभी काम में आपको सफलता हासिल होने के योग हैं. आपके मान–सम्मान में बढ़ोतरी होगी. आपके किसी समारोह में जाने की योजना बना सकते हैं. वहां पर आपकी किसी बचपन के मित्र से मुलाकात हो सकती है. जीवनसाथी आपकी ईमानदारी से प्रभावित हो सकते हैं. कुछ नए अनुभवों के लिए आपको तैयार रहना चाहिए. माता–पिता की सलाह आपके लिए लाभदायक हो सकती है. मंदिर में कुछ समय के लिए ध्यान मे जरूर समय बिताएं शरीर मे रोमांच होगा।

कर्क – ही,हु,हे,हो,डा,डी,डू,डे,डो

आज आप को चाहिए अपनी दिनचर्या मे देव पूजन और दान कर्म जरूर करना चाहिए जिससे मानसिक लाभ और सामाजिक लाभ भी होगा लाभ के अवसर हाथ आएंगे. शत्रु परास्त होंगे. विवाद को बढ़ावा न दें. विद्यार्थियों के लिए समय अच्छा है. संतानों के लिए समय अनुकूल है. नौकरीपेशा लोगों के लिए समय अच्छा है. पदोन्नति के भी योग बन रहे हैं. निवेश करते समय सावधानी रखें. धार्मिक कार्यों के पीछे खर्च हो सकता है. दांपत्य जीवन की सभी जरुरतों को पूरा करना चाहिए।

सिंह – म,मी,मू,मे,मो,टा,टी,टू,टे

आप कोई जरूरी कामकाज पूरा करेंगे योजना में प्रवेश कर सकते हैं. यदि आप एक साझेदारी में प्रवेश करना चाहते हैं, तो सकारात्मक विकास संभव है. राजनीति या सामाजिक कार्यों में शामिल लोगों को प्रतिष्ठा में वृद्धि देखने को मिलेगी और वह अतिरिक्त जिम्मेदारी भी आप को दे सकते हैं नौकरी के सन्दर्भ में आप में से जो लोग बदलाव की तलाश कर रहे हैं, उन्हें नए अवसर प्राप्त होने की पूर्ण संभावना है.परिवार में उत्सव का माहौल रहेगा।

कन्या – टो,प,पी,पू,ष,ण,ठ,पे,पो

आज मित्रों के साथ दिन व्यतीत होगा . दोस्त से मिलकर आप पूरा दिन खुश होंगे. ऑफिस में काम करते समय बचपन की कोई याद ताजा हो सकती है. काम को लेकर आपका आत्मविश्वास भी बहुत शानदार रहेगा. सीनियर्स आपसे खुश होंगे. आपको अचानक कहीं से धन लाभ हो सकता है. बिजनेसमैन को अपने कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि हाथ लग सकती है.श्रीं श्रीयै नमः मंत्र का जप करें।

तुला – र,री,रू,रे,रो,ता,ति,तू,ते

आप को अपनी सपनों की दुनिया से बाहर आना चाहिए .और अपनी आंतरिक शक्ति को जगाना होगा। खुला व्यवहार लोगों को अखरेगा. खर्च की चिंता से मन अशांत रह सकता हैं. बुजुर्गों का सानिध्य एवं सहयोग मिलेगा. जीवनसाथी से वैचारिक मतभेद बढ़ सकते हैं. संचित धन में वृद्धि होगी। साथ काम करने वाले कुछ लोगों की मदद भी आपको मिल सकती है. परिवार में शांति का माहौल बना रहेगा.

वृश्चिक – तो,न,नी,नू,ने,नो,या,यी,यू

आज गाय और नंदी को हरी सब्जी खिलाए सकारात्मकता रहेगी व्यापार में आपको बड़ी सफलता मिलेगी. नवीन सौदे लाभदायक रहेंगें और मददगार लोग आपको किसी भी मुश्किल पेंच को दूर करने में मदद करेंगे. छात्रों को अपने एकाग्रता के स्तर पर ध्यान देने की आवश्यकता है. पारिवारिक जीवन सामान्य रहेगा. विवाह योग्य जातकों का विवाह संबंध निश्चित हो सकता है. स्वास्थ्य का ध्यान रखना जरुरी हैं क्योंकि मौसमी बिमारी आप को परिवार को तकलीफ दे सकती हैं।

धनु – ये,यो,भ,भी,भू,धा,फा,ढा,भे

आज रूके हुए कामों को पूरा करना हैं तो सुबह भोर मे जल्दी उठकर दिनचर्या को आरंभ करें आपको किसी मित्र की मदद भी मिल सकती है. साथ ही दोस्त से कोई खुशखबरी भी मिल सकती है. आज आपके पास कुछ नयी जिम्मेदारियां आयेंगी, जिन्हें पूरा करने में आप पूरी तरह से सफल होंगे. आप अपने करियर में सफलता के बेहद करीब होंगे. ऑफिस में साथ काम करने वाले लोगों से आपको पूरा–पूरा सहयोग प्राप्त होगा. आपके दिमाग में कुछ नए विचार आयेंगे, जिससे आप अपेन कार्यों को और अच्छे से पूरा कर पायेंगे.

मकर – भो,ज,जी,खि,खू,खे,खो,ग,गि

आज धन के व्यय को लेकर चिंतित रहेंगे. नयी चीज़ों पर ध्यान लगाएँ और अपने सबसे अच्छे दोस्त की मदद लें. सामाजिक कार्यों में शिरकत करेंगे परन्तु कार्य ख़र्चीले रहेगें. शारीरिक रूप से आज खुद को आप बेहतर महसूस करेंगे. दोपहर बाद अच्छी खबर मिल सकती हैं कुछ हल्का ही भोजन करें आप का बल्ड प्रेशर जरूर बढ सकता हैं शान्त रहने की आवश्यकता हैं।

कुम्भ – गु,गे,गो,सा,सी,सू,से,सो,द

आज जोखिम लेने का दिन नही हैं अपनी दैनिक कार्य रफ्तार की पर अंकुश लगाना जरूरी हैं किन्तु आपने पहले से जो भी जोखिम उठाए हैं, उन्हें भी कुछ समय के लिए स्थगित करें निवेश समझदारी से करें अन्यथा आर्थिक पक्ष कमजोर हो सकता है. आपके भाई–बहनों के साथ आपकी हल्की नोंक–झोंक हो सकती है, किन्तु वे अपनी ज़िम्मेदारियों का वहन करने से पीछे नहीं हटेंगें आपको अपने परिवार के किसी छोटे सदस्य पर खर्चा करना पड सकता हैं यात्रा का योग भी बनेगा।

मीन – दी,दू,थ,झ,ञ,दे,दो,चा,ची

आज आप को सकारात्मक माहौल मिलेगा आपको जीवनसाथी का सहयोग मिल सकता है. घर में कोई मांगलिक कार्य हो सकता है. बच्चों को दोस्तों के साथ बेहतरीन समय बीताने का मौका मिल सकता है. किसी महत्वपूर्ण काम को लेकर आप माता–पिता से सलाह ले सकते हैं. उनकी सलाह आपके बहुत काम आयेगी. आप सही फैसला ले पायेंगे. पार्टनरशिप में बिजनेस कर रहे हैं, तो दिन मुनाफा दिलाने वाला हो सकता है. पीपल मे दूध जल चढाए , घी का दीपक प्रज्वलित करें।

आज का पंचांग

दिनांक : 05 सितंबर 2026 , शनिवार
विक्रम संवत : 2083
मास : भाद्रपद ,कृष्ण पक्ष
तिथि : नवमी रात्रि 09:55 तक
नक्षत्र : मृगशिरा रात्रि 09:31 तक
योग : वज्र दोपहर 12:46 तक
करण : तैतिल प्रातः 11:06 तक
चन्द्रराशि : वृषभ प्रातः 10:19 तक
सूर्योदय : 06:02, सूर्यास्त 06:26 (हैदराबाद)
सूर्योदय : 06:08, सूर्यास्त 06:28 (बैंगलोर)
सूर्योदय : 06:01 सूर्यास्त 06:20 (तिरुपति)
सूर्योदय : 05:54, सूर्यास्त 06:17 (विजयवाडा)

शुभ चौघड़िया
शुभ : 07:30 से 09:00
चल : 12:00 से 01:30
लाभ : 01:30 से 03:00
अमृत : 03:00 से 04:30
राहुकाल : प्रातः 09:00 से 10:30
दिशाशूल : पूर्व दिशा
उपाय : उडद खाकर यात्रा का आरंभ करें
दिन विशेष : गोगा नवमी , नंद महोत्सव , शिक्षक दिवस

* पाण्डित्य विषय में सम्पर्क करें *

पं.चिदम्बर मिश्र (टिल्लू महाराज)
हमारे यहाँ पाण्डित्य पूर्ण यज्ञ अनुष्ठान, भागवत कथा एवं मूल पारायण, वास्तुशान्ति, गृहप्रवेश,शतचंडी, विवाह, कुंडली मिलान, नवग्रह शान्ति, ज्योतिष सम्बन्धी शंका समाधान किए जाते हैं
फक्कड़ का मन्दिर, रिकाबगंज, हैदराबाद, (तेलंगाना)
9246159232, 9866165126
chidamber011@gmail.com

1000 दिन की कांग्रेस सरकार की नाकामियों पर महिलाओं का गुस्सा

पेद्दापल्ली, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

कांग्रेस सरकार के सत्ता में आने के 1000 दिन बाद भी महिलाओं से किए गए वादे पूरे नहीं होने का आरोप लगाते हुए भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) पेद्दापल्ली विधानसभा क्षेत्र के प्रभारी एवं पूर्व विधायक दसारी मनोहर रेड्डी के नेतृत्व में शुक्रवार को पेद्दापल्ली शहर के बस स्टैंड के पास अंबेडकर चौक पर महिला सम्मेलन आयोजित किया गया। कार्यक्रम में बड़ी संख्या में महिलाओं, बुजुर्गों और दिव्यांगों ने भाग लेकर कांग्रेस सरकार के खिलाफ विरोध जताया।

इस दौरान महिलाओं ने सड़क पर सब्जियां काटकर अन्नदान का आयोजन किया। करीब दो घंटे तक छह गारंटियों के लागू नहीं होने के विरोध में महिलाओं ने गीत गाए, खेल खेले और बतुकम्मा गीत गाकर अनोखे तरीके से प्रदर्शन किया। महिलाओं ने कांग्रेस सरकार के खिलाफ नारे लगाते हुए सवाल किया कि चुनाव के दौरान उनसे किए गए वादे आखिर कब पूरे होंगे।

महिलाओं से किए वादों पर दसारी मनोहर रेड्डी ने साधा निशाना

दसारी मनोहर रेड्डी ने कांग्रेस सरकार की आलोचना करते हुए कहा कि चुनाव के दौरान महिलाओं से कई बड़े वादे किए गए थे, लेकिन सत्ता में आने के बाद उन्हें पूरा नहीं किया गया। उन्होंने सवाल किया कि महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता, बुजुर्गों, दिव्यांगों और अकेली महिलाओं को पेंशन, छात्राओं को स्कूटी तथा कल्याण लक्ष्मी और शादी मुबारक की राशि बढ़ाने जैसे वादों का क्या हुआ।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं की

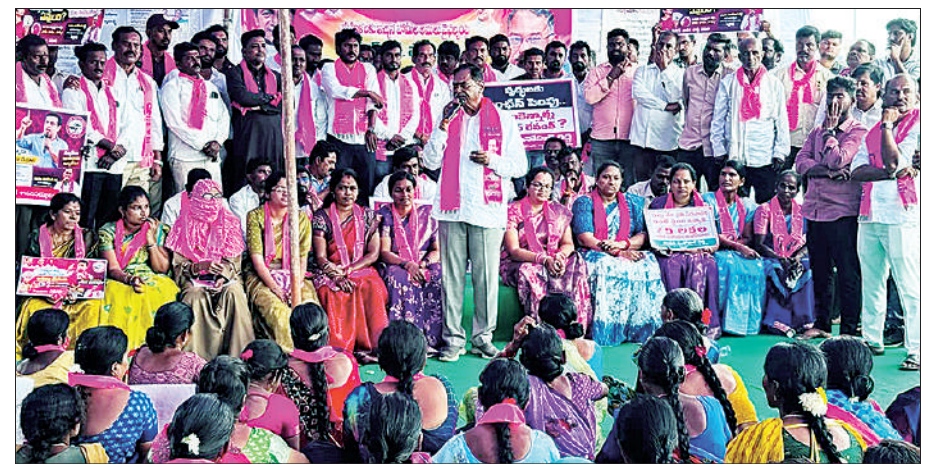

जिंदगी में बदलाव लाने का वादा करके सत्ता में आई थी, लेकिन 1000 दिन बीतने के बाद भी वादे पूरे नहीं होने से महिलाएं निराश हैं।

दसारी मनोहर रेड्डी ने कहा कि चुनाव के दौरान रेवंत रेड्डी ने कहा था, एक महीना रुको.. हम 4,000 रुपये पेंशन देंगे। उन्होंने सवाल किया कि 1000 दिन बीत जाने के बाद भी यह वादा पूरा क्यों नहीं किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस सरकार सौ दिन में छह गारंटियां लागू करने का गारंटी कार्ड देकर सत्ता में आई थी, लेकिन अब 1000 दिन बाद भी लोगों को किए गए वादों का लाभ नहीं मिल रहा है।

केसीआर सरकार की योजनाओं का किया उल्लेख

दसारी मनोहर रेड्डी ने पूर्व मुख्यमंत्री के. चंद्रशेखर राव के शासनकाल में महिलाओं की भलाई के लिए लागू की गई योजनाओं का उल्लेख करते हुए कहा कि भारत राष्ट्र समिति की सरकार ने अकेली महिलाओं के लिए पेंशन, बीड़ी मजदूरों के लिए पेंशन, केसीआर किट और पोषण किट जैसी योजनाएं लागू की थीं।

उन्होंने कहा कि केसीआर सरकार ने बच्चे के जन्म से ही महिलाओं, बच्चों और परिवारों के कल्याण के लिए कई कार्यक्रम शुरू किए और महिलाओं को सम्मान के साथ जीवन जीने का अवसर दिया।

उन्होंने आरोप लगाया कि छात्राओं को स्कूटी देने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार आज साइकिल तक नहीं दे पा रही है। उन्होंने स्पष्ट किया कि जब तक महिलाओं से किए गए सभी वादे पूरे नहीं हो जाते, तब तक बीआरएस जनता की ओर से सरकार से सवाल उठाती रहेगी।

महिलाओं को धोखा देने वाली कांग्रेस सरकार के दिन खत्म होने वाले हैं : दसारी ममता रेड्डी

पूर्व नगर पालिका अध्यक्ष दसारी ममता रेड्डी ने कहा कि कांग्रेस सरकार महिलाओं के वोट हासिल करने के लिए कई वादे करके सत्ता में आई थी, लेकिन सत्ता में आने के बाद एक–एक करके उन वादों को दरकिनार कर दिया गया।

उन्होंने कहा कि चुनाव के दौरान महिलाओं की जिंदगी में रोशनी लाने का वादा करने वाली कांग्रेस सरकार अब उनकी समस्याओं की अनदेखी कर रही है। उन्होंने आरोप लगाया कि महिलाओं को हर महीने 2,500 रुपये की आर्थिक सहायता देने और उन्हें आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने का वादा पूरा नहीं किया गया।

उन्होंने सवाल किया कि महिलाओं को मुफ्त बस यात्रा देने का दावा करने वाली सरकार महिलाओं से किए गए अन्य बड़े वादों को पूरा क्यों नहीं कर रही है।

दसारी ममता रेड्डी ने आरोप लगाया कि केसीआर किट और पोषण किट जैसी योजनाओं को मजबूत करने के बजाय महिलाओं को मिलने वाले लाभों से वंचित किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि गर्भवती महिलाओं, स्तनपान कराने वाली माताओं और बच्चों का कल्याण केवल राजनीतिक अभियान तक सीमित नहीं रहना चाहिए। पहले लागू किए गए कल्याणकारी कार्यक्रमों को पूरी तरह जारी रखा जाना चाहिए। उन्होंने कांग्रेस सरकार के चुनावी वादों का उल्लेख करते हुए कहा कि महिलाओं के लिए आर्थिक सुरक्षा, छात्राओं को स्कूटर, कल्याण लक्ष्मी की राशि बढ़ाने और शादी मुबारक की राशि बढ़ाने जैसे वादे किए गए थे। उन्होंने सवाल किया कि चुनाव के समय महिलाओं को याद करने वाली कांग्रेस पार्टी अब उनकी समस्याओं पर ध्यान क्यों नहीं दे रही है।

अन्नदान से मानवता की सेवा का संकल्प राधे–राधे ग्रुप ने जरूरतमंदों को कराया भोजन

हैदराबाद। राधे–राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में इंडो अमेरिकन कैंसर हॉस्पिटल के पास केबीआर पार्क स्थित वॉटर टैंक के समीप नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान जरूरतमंद लोगों को भोजन वितरित कर सेवा, सहयोग और मानवता का संदेश दिया गया। राधे–राधे ग्रुप द्वारा नियमित रूप से संचालित किए जा रहे सेवा कार्यों की श्रृंखला में आयोजित इस कार्यक्रम में सदस्यों ने बढ़–चढ़कर भाग लिया और सेवा कार्य को सफल बनाया।कार्यक्रम में मनीष अग्रवाल, सुभाष अग्रवाल, कमल मुंदड़ा एवं भंवरलाला गुप्ता सहित राधे–राधे ग्रुप के अन्य सदस्य उपस्थित रहे। सदस्यों ने कहा कि अन्नदान केवल भोजन वितरण का कार्य नहीं, बल्कि जरूरतमंद के प्रति संवेदना और मानवता का परिचय है। ग्रुप का उद्देश्य जरूरतमंदों की सहायता के साथ समाज में सेवा, संस्कार और समर्पण की भावना को मजबूत करना है। सदस्यों ने कहा कि जनसेवा का यह अभियान निरंतर जारी रहेगा और अधिक से अधिक लोगों तक सेवा का लाभ पहुंचाने का प्रयास किया जाएगा।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के दिन पूर्व कैदी के. राजन्ना की बंगला अनुवाद पुस्तक 'फिरे आसा' लोकार्पित

काशी, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। : श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बंगला पुस्तक 'फिरे आसा' का लोकार्पण समारोह चारुपाठ प्रकाशन के तत्वावधान में काशी के सोनारपुरा स्थित राधा कृष्ण मंदिर में भव्य रूप से संपन्न हुआ। धार्मिक एवं साहित्यिक वातावरण में आयोजित इस कार्यक्रम में साहित्यप्रेमियों और गणमान्यजनों की उपस्थिति रही।

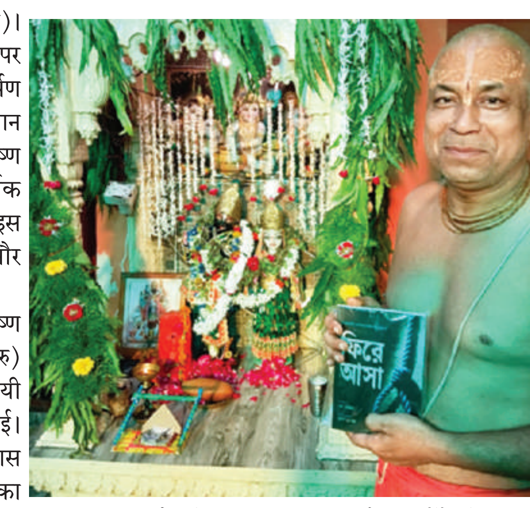

कार्यक्रम के मुख्य अतिथि राधा कृष्ण मंदिर के महंत रमेश तिवारी (कन्नी गुरु) उपस्थित रहे। उन्होंने अपनी गरिमामयी उपस्थिति से समारोह की शोभा बढ़ाई। चारुपाठ प्रकाशन के कर्णधार जयदेव दास ने सभी अतिथियों एवं उपस्थित जनों का स्वागत किया। कार्यक्रम का शुभारंभ मुख्य अतिथि द्वारा राधा–कृष्ण के विग्रह पर माल्यार्पण एवं दीप प्रज्वलन के साथ हुआ। इसके पश्चात नवप्रकाशित पुस्तक की एक प्रति भगवान के चरणों में अर्पित की गई।

लोकार्पण समारोह के अवसर पर पुस्तक के लेखक के. राजन्ना एवं अनुवादक डॉ. सुपर्णा मुखर्जी द्वारा भेजे गए संदेश का पाठ कर उपस्थित लोगों को सुनाया गया। दोनों ने अपने संदेश में पुस्तक के प्रकाशन के प्रति अपनी भावनाएं एवं शुभकामनाएं व्यक्त कीं।

इसके बाद विशिष्ट अतिथि ने पुस्तक प्रकाशन जैसे महत्वपूर्ण साहित्यिक कार्य का स्वागत करते हुए कहा कि पुस्तकों का समाज पर सार्थक और दीर्घकालिक प्रभाव पड़ता है। उन्होंने चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि आज की पीढ़ी धीरे–धीरे पुस्तकों और पठन–पाठन से दूर होती जा रही है। ऐसे समय में पुस्तकों का प्रकाशन और उन्हें पाठकों तक पहुंचाना समाज के लिए महत्वपूर्ण कार्य है।

समारोह के अंत में राधा कृष्ण मंदिर के न्यासी आर. मुखर्जी ने उपस्थित अतिथियों, आयोजकों एवं सभी सहभागियों के प्रति आभार व्यक्त करते हुए धन्यवाद ज्ञापन किया। कार्यक्रम में मिथिलेश, विनोद यादव, सीमा देवी, प्रीति कुमारी सहित अनेक विशिष्टजन एवं साहित्यप्रेमी उपस्थित रहे। धार्मिक आस्था और साहित्यिक चेतना के संगम के रूप में आयोजित यह पुस्तक लोकार्पण समारोह श्रद्धा एवं उत्साह के वातावरण में संपन्न हुआ।

सांसद गड्डम वम्सीकृष्ण के प्रयासों को मिली एक और बड़ी सफलता

मंचेरियाल, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। उत्तर तेलंगाना के लोगों को हैदराबाद से बेहतर रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराने की दिशा में पेद्दापल्ली सांसद गड्डम वंशीकृष्ण के प्रयासों को एक और बड़ी सफलता मिली है। सांसद के प्रयासों के बाद शुक्रवार से सिरपुर कागजनगर–हैदराबाद के बीच नई जनसाधारण विशेष ट्रेन सेवा शुरू की गई। अपने निवास पर आयोजित संवाददाता सम्मेलन में सांसद गड्डम वंशीकृष्ण ने मीडिया को बताया कि उनके अनुरोध पर सिरपुर कागजनगर–हैदराबाद जनसाधारण विशेष ट्रेन का संचालन शुरू किया गया है। उन्होंने कहा कि इस ट्रेन के संचालन से पेद्दापल्ली, रामागुंडम, मंचेरियाल, बेल्लमपल्ली, आसिफाबाद और सिरपुर कागजनगर क्षेत्रों के यात्रियों को काफी सुविधा मिलने की उम्मीद है।

सांसद वंशीकृष्ण ने कहा कि वे लंबे समय से उत्तर तेलंगाना की रेल संबंधी आवश्यकताओं को लेकर रेलवे विभाग और रेलवे बोर्ड के साथ लगातार संपर्क में हैं। नई ट्रेनों के संचालन, अतिरिक्त ठहराव तथा ट्रेनों के विस्तार की मांगों को वे लगातार रेलवे बोर्ड के समक्ष रखते आ रहे हैं। उत्तर तेलंगाना के विभिन्न क्षेत्रों

से हैदराबाद आने–जाने वाले यात्रियों की संख्या को देखते हुए रेल संपर्क का विस्तार महत्वपूर्ण है। उन्होंने कहा कि बेहतर रेल सेवाओं से रोजगार, व्यापार, उद्योग, शिक्षा, चिकित्सा और पर्यटन के क्षेत्र में विकास के अवसर बढ़ने की संभावना है। रेल सेवाओं के विस्तार से यात्रियों को सुविधा मिलने के साथ रेलवे को भी अतिरिक्त राजस्व प्राप्त हो सकता है। यात्रियों की संख्या बढ़ने पर ट्रेनों की क्षमता का बेहतर उपयोग होने की संभावना भी रहती है।सांसद ने कहा कि इससे पहले उन्होंने वंदे भारत एक्सप्रेस का रामागुंडम में ठहराव उपलब्ध कराने के लिए भी प्रयास किए थे। इसके बाद मंचेरियाल में भी ठहराव की मांग को लेकर पहल की गई। मंचेरियाल में ठहराव उपलब्ध होने से स्थानीय यात्रियों को हैदराबाद सहित अन्य प्रमुख शहरों तक आने–जाने में सुविधा मिल रही है।सांसद वंशीकृष्ण ने कहा कि सिरपुर कागजनगर–हैदराबाद विशेष ट्रेन सेवा को भविष्य में नियमित रूप से जारी रखने की दिशा में भी वे रेलवे विभाग से अनुरोध कर रहे हैं। उन्होंने कहा कि उत्तर तेलंगाना के यात्रियों की जरूरतों को ध्यान में रखते हुए रेल सेवाओं के विस्तार के लिए उनके प्रयास आगे भी जारी रहेंगे। उन्होंने कहा कि उत्तर तेलंगाना में बेहतर रेल कनेक्टिविटी उपलब्ध कराना उनकी प्राथमिकताओं में शामिल है। जनता की सुविधा और उत्तर तेलंगाना के विकास के लिए प्रयास निरंतर जारी रखना ही उनका उद्देश्य है।

एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस शिक्षक दिवस पर 25 पुलिस अधिकारियों और 150 शिक्षकों को करेगा सम्मानित

बेंगलूरु, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

शिक्षक दिवस के अवसर पर एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से बेंगलूरु पुलिस बल की उत्कृष्ट सेवा और असाधारण योगदान को सम्मानित करने के लिए विशेष सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम शनिवार, 5 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे से बीबी यूएलजैन विद्यालय एवं सीबी भंडारी जैन कॉलेज ऑडिटोरियम, बेंगलूरु में आयोजित होगा।

कार्यक्रम में 250 से अधिक पुलिस अधिकारी, एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के सदस्य, शिक्षक, विद्यार्थी और गणमान्य अतिथि शामिल होंगे। समारोह की प्रमुख विशेषता कानून–व्यवस्था बनाए रखने और समाज की सेवा में असाधारण साहस, प्रतिबद्धता एवं समर्पण दिखाने वाले 25 पुलिस अधिकारियों का सम्मान होगी। इन अधिकारियों ने चुनौतीपूर्ण परिस्थितियों में अपने कर्तव्य से आगे बढ़कर नागरिकों की सुरक्षा और कल्याण में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

कार्यक्रम में डीसीपी वामसी कृष्णा मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगे। पुलिस कमिश्नर सीमंत सिंह को भी कार्यक्रम के लिए आमंत्रित किया गया है।

इस पहल का नेतृत्व एवं आयोजन उपाध्यक्ष नरेंद्र मुथा कर रहे हैं। उन्होंने पुलिस बल के अमूल्य योगदान को पहचानने और उसकी सराहना करने के लिए एक विशेष मंच तैयार करने की पहल की है।

इस पहल के संबंध में अध्यक्ष चंपालाल भंडारी ने कहा कि संस्थान उन लोगों को सम्मानित करने में विश्वास रखता है, जो समाज की बेहतरी के लिए निस्वार्थ भाव से कार्य करते हैं।

पुलिस बिरादरी के प्रति सम्मान व्यक्त करते हुए एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस ने संस्थान में दाखिला लेने वाले पुलिस अधिकारियों के बच्चों को प्रवेश शुल्क में 15 प्रतिशत की विशेष छूट देने का भी निर्णय लिया है। यह छूट लागू प्रवेश नियमों एवं शर्तों के अधीन होगी।

शिक्षक दिवस के अवसर पर युवा मस्तिष्कों को संवारने और भावी पीढ़ी को आकार देने में योगदान देने वाले एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के लगभग 150 शिक्षकों को भी सम्मानित किया जाएगा।

संस्थान का मानना है कि राष्ट्र निर्माण में शिक्षक और पुलिस अधिकारी दोनों की महत्वपूर्ण भूमिका है। शिक्षक अगली पीढ़ी को ज्ञान एवं मूल्यों से सशक्त बनाते हैं, जबकि पुलिस अधिकारी समाज की सुरक्षा और कानून–व्यवस्था बनाए रखने का दायित्व निभाते हैं।

कार्यक्रम को और विशेष बनाने के लिए लाइव संगीत बैंड की प्रस्तुति भी होगी। इसके बाद कार्यक्रम में शामिल अतिथियों और पुलिसकर्मियों के लिए भोजन की व्यवस्था की गई है।

मुख्य सम्मान समारोह के बाद एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस की ओर से पुलिस अधिकारियों के लिए विशेष प्रशिक्षण कार्यक्रम भी आयोजित किया जाएगा। यह सत्र महिलाओं की सुरक्षा और पोक्सो (बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण) से संबंधित नियमों पर केंद्रित होगा।

इस प्रशिक्षण का उद्देश्य इन महत्वपूर्ण विषयों के प्रति जागरूकता और समझ को बढ़ाना है। प्रशिक्षण कार्यक्रम एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के संकाय सदस्यों द्वारा संचालित किया जाएगा। इसके माध्यम से संस्थान सुरक्षित समाज के निर्माण में अपनी शैक्षणिक एवं पेशेवर विशेषज्ञता का योगदान देने के संकल्प को भी आगे बढ़ाएगा।

एसएमजे ग्रुप ऑफ इंस्टीट्यूशंस के अनुसार, इस पहल का उद्देश्य केवल औपचारिक सम्मान समारोह तक सीमित रहना नहीं है, बल्कि शिक्षा क्षेत्र और पुलिस बल के बीच सम्मान, सहयोग और ज्ञान के आदान–प्रदान के लिए एक सार्थक मंच तैयार करना है।

संस्थान को उम्मीद है कि यह कार्यक्रम वर्दीधारी पुरुषों और महिलाओं के प्रति आभार व्यक्त करने का एक भावपूर्ण प्रयास साबित होगा। साथ ही यह विद्यार्थियों और आम लोगों को साहस, अनुशासन, सेवा और राष्ट्र के प्रति जिम्मेदारी के महत्व को समझने के लिए प्रेरित करेगा।

कैसे करनी चाहिए आरती

पूजा के अन्त में आरती की जाती है। पूजन में जो त्रुटि रह जाती है, आरती से उसकी पूर्ति होती है। पूजन मन्त्रहीन और क्रियाहीन होने पर भी आरती कर लेने से उसमें सारी पूर्णता आ जाती है । आरती करने का ही नहीं, आरती देखने का भी बडा पुण्य होता है। जो धूप और आरती को देखता है और दोनों हाथों से आरती लेता है, वह भगवान् विष्णु के परमपत को प्राप्त होता है।

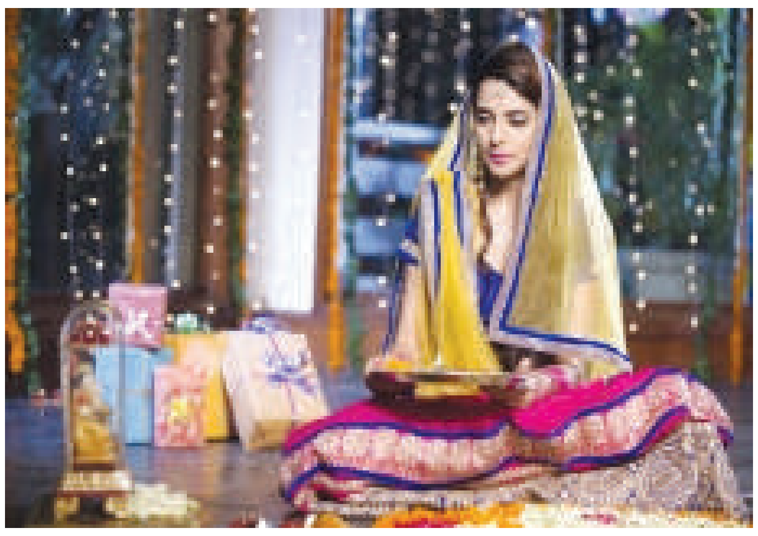

साधारणत: पाँच बत्तीयों से आरती की जाती है, इसे ' पंचप्रदिप' भी कहते है। एक सात या उससे भी अधिक बत्तीयों से भी आरती की जाती है। कपूर से भी आरती होती है। कुमकुम, अगर, कपूर धुत और चन्दन, पाँच बत्तीयों अथवा दीए की (रुई और घी की) बत्तियाँ बनाकर शंख, घंटा आदि बजाते हुआ आरती करनी चाहिए। आरती उतारते समय सवर्प्रथम भगवान् की प्रतिमा के चरणों में उसे चार बार घुमाएँ, दो बार नाभिदेश में, एक बार मुखमण्डल पर और सात बार समस्त अंगों पर घुमाए। यथार्थ में आरती, पूजन के अन्त में इष्ट देवता की प्रसन्नता हेतु की जाती है। इसमें इष्टदेव को दीपक दिखाने के साथ ही उनका स्तवन तथा गुणगान किया जाता है।

संध्या वंदन

संध्या वंदन को संध्योपासना भी कहते हैं। संधिकाल में ही संध्या वंदन की जाती है। वैसे संधि 5 वक्त (समय) की होती है, लेकिन प्रातःकाल और संध्याकाल- उक्त दो समय की संधि प्रमुख है अर्थात सूर्य उदय और अस्त के समय। वेदों के अनुसार इस समय मंदिरमें आचमन, प्राणायामादि कर गायत्री छंद से निराकार ईश्वर की प्रार्थना की जाती है।

संध्योपासना के 5 प्रकार हैं- (1) प्रार्थना, (2) ध्यान, (3) कीर्तन, (4) यज्ञ और (5) पूजा-आरती। व्यक्ति की जिस में जैसी श्रद्धा है वह वैसा करता है। लेकिन इन पांचों में किसका ज्यादा महत्व है, यह भी जानना जरूरी है।

यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है, इससे समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है

हिंदू धर्म में एकादशी व्रत का बहुत अधिक महत्व है। हर एकादशी का अपना विशिष्ट नाम व महत्व धर्म ग्रंथों में लिखा है। इसी क्रम में वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी को वरुथिनी एकादशी कहते हैं। ऐसी मान्यता है कि इस एकादशी का फल सभी एकादशियों से बढकर है। इस दिन जो उपवास रखते हैं, उन्हें 10 हजार वर्षों की तपस्या के बराबर फल प्राप्त होता है व उनके सारे पापों का नाश हो जाता है। जीवन सुख-सौभाग्य से भर जाता है। मनुष्य को भौतिक सुख तो प्राप्त होते ही हैं, मृत्यु के बाद उसे मोक्ष भी प्राप्त हो जाता है। इस व्रत की विधि इस प्रकार है-

व्रत विधि वरुथिनी एकादशी की सुबह स्नान आदि करने के बाद शुद्ध होकर संयमपूर्वक उपवास करना चाहिए। रात्रि जागरण करते हुए भगवान मधुसूदन यानी श्रीकृष्ण की पूजा करनी चाहिए। इस दिन भगवान विष्णु की पूजा भी पूरी विधि के साथ करते हुए विष्णु सहस्रनाम का जाप और उनकी कथा सुननी चाहिए। व्रत के एक दिन पहले यानी दशमी तिथि को व्रती (व्रत करने वाला) को एक बार हविष्यान्न (यज्ञ में अर्पित अन्न) का भोजन करना फलदायी होता है। व्रत के अगले दिन यानी द्वादशी को ब्राहमणों को भोजन करवाना चाहिए। उसके बाद स्वयं भोजन करना चाहिए।

ये है वरुथिनी एकादशी व्रत की कथा

प्राचीन काल में नर्मदा नदी के किनारे राजा मांधाता राज करते थे। एक बार वे जंगल में तपस्या कर रहे थे, उसी समय एक भालू आया और उनके पैर खाने लगा। मांधाता तपस्या करते रहे। उन्होंने भालू पर न तो क्रोध किया और न ही हिंसा का सहारा लिया। पीडा असहनीय होने पर उन्होंने भगवान विष्णु को स्मरण किया। तब भगवान विष्णु ने वहां उपस्थित हो उनकी रक्षा की। पर भालू द्वारा अपने पैर खा लिए जाने से राजा को बहुत दु:ख हुआ। भगवान ने उससे कहा- हे वत्स दु:खी मत हो। भालू ने जो तुम्हें काटा था, वह तुम्हारे पूर्व जन्म के बुरे कर्मों का फल था। तुम मथुरा जाओ और वहां जाकर वरुथिनी एकादशी का व्रत रखो। तुम्हारे पैर फिर से वैसे ही हो जाएंगे। राजा ने आज्ञा का पालन किया और पुन: सुंदर अंगों वाला हो गया।

हिंदू धर्म में एकादशी का बहुत अधिक महत्व है। शास्त्रों के के अनुसार माना जाता है कि इस दिन व्रत करने से कई गुना अधिक फल मिलता है। इसी तरह इस माह वरुथिनी एकादशी है जिसके बारें में माना जाता है कि सीधे मोक्ष की प्राप्ति होती है।

इस एकादशी के दिन जो व्यक्ति व्रत रखता है। वह इस दिन प्रात: स्नान करके भगवान को स्मरण करते हुए विधि के साथ पूजा करें और उनकी आरती करनी चाहिए साथ ही उन्हें भोग लगाना चाहिए। इस दिन भगवान नारायण की पूजा का विशेष महत्व होता है। साथ ही ब्राहमणों तथा गरीबों को भोजन या फिर दान देना चाहिए। यह व्रत बहुत ही फलदायी होता है। इस व्रत को करने से समस्त कामों में आपको सफलता मिलती है।

सीता जी से सीखिए गृहस्थी का मैनेजमेंट

त्रेतायुग में श्रीराम और सीता का चरित्र सबसे उत्तम और आदर्श माना गया है। जिसका संपूर्ण उल्लेख वाल्मीकि रामायण में मिलता है। जिसका अनुसरण यदि वर्तमान में भी किया जाए तो हरेक व्यक्ति का दांपत्य जीवन सुखमय हो सकता है।

ऐसे में सीता जी की इन 6 बातों को यदि जिंदगी में शामिल किया जाए, तो दांपत्य जीवन सुंदर बनाया जा सकता है।

चेहरे पर संकोच :

श्रीराम के चेहरे पर संकोच के के भाव देखते ही समझ सीता जी समझ गईं कि राम, केवट को कुछ भेंट देना चाहते हैं, लेकिन उनके पास देने के लिए कुछ नहीं था। यह बात समझते ही सीता ने अपनी अंगूठी उतारकर केवट को देने के लिए आगे कर दी।

श्रीरामचरितमानस के इस प्रसंग में उल्लेखित है कि पति और पत्नी के बीच ठीक इसी प्रकार की समझ होनी चाहिए। वैवाहिक जीवन में दोनों की आपसी समझ जितनी मजबूत होगी, वैवाहिक जीवन उतना ही ताजगीभरा और आनंददायक बना रहेगा।

वन में रहे साथ :

सीता जी और राम जी वन में साथ रहे उनकी यह बात इंगित करती है कि पति-पत्नी गृहस्थी की धुरी होते हैं। इनकी सफल गृहस्थी ही सुखी परिवार का आधार होती है। अगर पति-पत्नी के रिश्ते में थोडा भी दुराव या अलगाव है तो फिर परिवार कभी खुश नहीं रह सकता। परिवार का सुख, गृहस्थी की सफलता पर निर्भर करता है।

सीता का समर्पण:

श्रीरामचरित मानस में एक प्रसंग है। जब श्रीराम और सीता ने विवाह के बाद पहली बार बात की तो राम ने सीता को वचन दिया कि वे जीवनभर उन के प्रति निष्ठावान रहेंगे। उनके जीवन में कभी कोई दूसरी स्त्री नहीं आएगी। सीता ने भी वचन दिया कि हर सुख और दुख में वे साथ रहेंगी। श्रीराम और सीता ने पहली बातचीत में भरोसे और समर्पण का वादा किया।

श्रीराम का वनवास गमन:

जब श्रीराम को वनवास जा रहे थे तब वह चाहते थे सीता जी मां कौशल्या के पास ही रुक जाएं। जबकि सीता श्रीराम के साथ वनवास जाना चाहती थीं। कौशल्या भी चाहती थीं कि सीता वनवास न जाए। इस विषय पर सीता की इच्छा और श्रीराम, कौशल्या की इच्छा अलग-अलग थी। आज के समय में सास, बहू और बेटा, इन तीनों के बीच मतभेद होते हैं तो परिवार में तनाव बढ जाता है, लेकिन रामायण में श्रीराम के धैर्य, सीताजी और कौशल्याजी की समझ से सभी मतभेद दूर हो गए।

ऐसे समझी राम के मन की बात:

केवट की नाव में जब सीता ने श्रीराम के चेहरे पर संकोच के भाव देखे तो सीता ने तुरंत ही अपनी अंगूठी उतारकर उस केवट को भेंट में देनी चाही, लेकिन केवट ने अंगूठी नहीं ली। केवट ने कहा कि वनवास पूरा करने के बाद लौटते समय आप मुझे जो भी उपहार देंगे मैं उसे प्रसाद समझकर स्वीकार कर लूंगा।

सीता में थे ये सभी गुण:

स्त्री में ऐसे कई श्रेष्ठ गुण होते हैं जो पुरुष को अपना लेना चाहिए। प्रेम, सेवा, उदारता, समर्पण और क्षमा की भावना स्त्रियों में ऐसे गुण हैं, जो उन्हें देवी के समान सम्मान और गौरव प्रदान करते हैं।

सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याएं दूर होती है

सम्मोहन कृष्णा मन्त्र। श्री कृष्ण का यह एक दुर्लभ स्वरुप है। इस स्वरुप में राधा और कृष्णा एक साथ एक ही रूप में जुडे हुए है। शिव पारवती के अर्धनारीश्वर रूप से मिलता जुलता यह स्वरुप है। इस चाबी के साथ ही सम्मोहन कृष्णा मंत्र का जाप किया जाता है।

सम्मोहन कृष्णा मंदिर मोहनर, तमिल नाडु में है तथा मंत्र निम्नलिखित है -

II श्रि सम्मोहन गोपल मन्थ्रम् II
क्रिस्श्नम् कमलपथ्राक्षम् धिव्याभर्न भूशिथम् I
थ्रिबन्कि ळलिथाकारम् अथिसुन्थर मोहनम् II
बाकम् धक्षिनम्पुरुशम् अन्यथ् स्थ्रे रूपिनम् थधा I
सन्कम् छक्रम् सान्कुसन्च्ज पुश्पभानम्छ पन्कजन् II
इक्षुसापम् वेनुवाध्यम्छ धारयन्थम् पुजाश्तकै:I
स्वेधगन्थानु लिप्थान्कम् पुश्पवस्थ्र थ्रकुज्वलम् II
सर्व कामार्थ्थ सिध्यर्थम् मोहनम् क्रिश्नमास्त्रये //

सम्मोहन मंत्र के नित्य जाप से विवाह सम्बंधित समस्याए दूर होती है , मनचाहा जीवन साथी प्राप्त होता है और वैवाहिक जीवन में सद्भाव बना रहता है।

ये शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है

पारद शिवलिंग पूजन विधि एवं साधना घर में पारद शिवलिंग सौभाग्य, शान्ति, स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के लिए अत्यधिक सौभाग्यशाली है। दुकान, ऑफिस व फैक्टरी में व्यापारी को बढाने के लिए पारद शिवलिंग का पूजन एक अचूक उपाय है। शिवलिंग के मात्र दर्शन ही सौभाग्यशाली होता है। इसके लिए किसी प्राणप्रतिष्ठा की आवश्कता नहीं हैं। पर इसके ज्यादा लाभ उठाने के लिए पूजन विधिक्त की जानी चाहिए। सर्वप्रथम शिवलिंग को सफेद कपडे पर आसन पर रखें। स्वयं पूर्व-उत्तर दिशा की ओर मुँह करके बैठ जाए। अपने आसपास जल, गंगाजल, रोली, मोली, चावल, दूध और हल्दी, चन्दन रख लें। सबसे पहले पारद शिवलिंग के दाहिनी तरफदीपक जला कर रखो। थोडा सा जल हाथ में लेकर तीन बार निम्न मन्त्र का उच्चारण करके पी लें। प्रथम बार ऊँ मुत्युभजाय नम: दूसरी बार ऊ नीलकण्ठाय: नम: तीसरी बार ऊँ रूद्राय नम: चौथी बार ऊँ शिवाय नम: हाथ में फूल और चावल लेकर शिवजी का ध्यान करें और मन में ऊँ नम: शिवायक्क का 5 बार स्मरण करें और चावल और फूल को शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करते रहे। फिर हाथ में चावल और पुष्प लेकर ऊँ पार्वत्यै नम:क्क मंत्र का उच्चारण कर माता पार्वती का ध्यान कर चावल पारा शिवलिंग पर चढा दें। इसके बाद ऊँ नम: शिवाय का निरन्तर उच्चारण करें। फिर मोली को और इसके बाद बनेऊ को पारद शिवलिंग पर चढा दें।

इसके पश्चात हल्दी और चन्दन का तिलक लगा दे। चावल अर्पण करे इसके बाद पुष्प चढा दें। मीठे का भोग लगा दे। भांग, धतूरा और बेलपत्र शिवलिंग पर चढा दें। फिर अन्तिम में शिव की आरती करे और प्रसाद आदि ले लो। जो व्यक्ति इस प्रकार से पारद शिवलिंग का पूजन करता है इसे शिव की कृपा से सुख समृद्धि आदि की प्राप्ति होती है। भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है। शुक्रवार के दिन किसी स्वच्छ पात्र में पारद-पारस गुटिका स्थापित कर दें, फिर एक सौ आठ कमल के ताजे पुष्प पहले से ही मंगा कर पास रख लें फिर एक कमल का पुष्प हाथ में लें और निम्न मंत्र का ग्यारह बार उच्चारण कर, कमल का पुष्प पारद-पारस गुटिका पर चढा दें। प्रयोग सम्पन्न होने पर उन कमल की पंखुडियों को पूरे घर में बिखरे दें। अभाववश कमल के पुष्प की जगह गुलाब का पुष्प भी प्रयोग में लाया जा सकता है। मंत्र इस प्रकार है - ऊँ ऐं ऐं श्रीं श्रीं हीं हीं ऊँ इस प्रकार श्रावणमास में यह प्रयोग सात दिन तक करने पर व्यापार में आश्चर्यजनक वृद्धि होने लगती है और जीवन में आकस्मिक एवं अतुलनीय धन प्राप्त होता है। इस अभिषेक से प्राप्त जल अनेक बीमारियों को नष्ट करने वाला होता।

भगवान पारमेश्वर का महाअभिषेक उत्तर की और मुँह करके शिव का पूजन करें, शिवजी के आगे पूरब को न बैंठें, बल्कि उत्तर को ही बैंठें। चम्पा और केतकी के फूल छोडकर सब फूल शिवजी के ऊपर चढाये जा सकते हैं। व्यापार-वृद्धि, आकस्मिक धन के लिए यह कुबेर प्रयोग सम्पम्न होता है।

शुभ लाभ
खबरें जो सोच बदल दे
हिन्दी दैनिक समाचार पत्र
शनिवार, 05 सितंबर, 2026
हैदराबाद

सावधान, बिना पॅन डिटेल दिए मनी ट्रांजैक्शन करने वाले !

अगर आपने बिना पैन कार्ड का डिटेल भरे बड़ी धनराशि का बैंक के माध्यम से लेन-देन किया है तो सावधान हो जाएं। आयकर विभाग ने ऐसे लोगों की लंबी सूची तैयार की है जिन्होंने ऐसा किया है। शुरुआती तौर पर IT विभाग ऐसे 7 लाख लोगों को पत्र लिखने वाला है और उनसे जानकारी मांगी है। अगर वे सही समय पर जानकारी नहीं देंगे तो उनके खिलाफ कार्रवाई की भी तैयारी की जा रही है।

अभी तक मिल रही खबरों के मुताबिक आयकर विभाग के पास 2009-10 से लेकर 2016-17 तक कुल 90 लाख ऐसे लोगों की जानकारी है जिन्होंने बिना पैन नंबर डाले बड़ी राशि का ट्रांजैक्शन किया। विभाग बिना पैन नंबर का ब्यौरा दिये बड़ी धनराशि का ट्रांजैक्शन करने वाले 7 लाख लोगों को शुरुआती नोटिस जारी करने वाला है।

2 लाख से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर अनिवार्य है पैन कार्ड डिटेल : मोदी सरकार ने 1 जनवरी 2016 से 2 लाख रुपए से ज्यादा के ट्रांजैक्शन पर सरकार ने पैन कार्ड की डिटेल देना अनिवार्य कर दिया है। इसमें सभी तरह के पेमेंट करने के तरीके शामिल हैं। वित्त मंत्रालय इसके अलावा कैशलेस ट्रांजैक्शन को बढ़ावा देने के लिए कई सारी सहूलियत देने की भी तैयारी में है ताकि लोग क्रैडिट, डैबिट कार्ड, ऑनलाइन और मोबाइल बैंकिंग के जरिए ज्यादा से ज्यादा खरीददारी कर सकें।

विनम्र होकर ऑर्डर करें तो सस्ती मिलेगी कॉफी, जानें कैसे

आपके बोलने में विनम्रता हो तो आप पैसे भी बचा सकते हैं। उदाहरण के तौर पर उपर तस्वीर को देखिए। ये अमेरिका के वर्जीनिया प्रांत के रोनोक सिटी की है। कॉफी शॉप के बाहर लगे इस बोर्ड से पता चलता है कि अगर आप ध्द्रथपद्र या विनम्र होकर ऑर्डर करेंगे तो वही कॉफी आपको कम कीमत पर मिलेगी। हम हिंदुस्तानी कहते हैं अगर आप इज्जत से बात करेंगे तो सामने वाला भी इज्जत देगा। पर आपको जानकर आश्चर्य होगा कि सलीके से बात करके आप डॉलर के रूप में पैसे बचा सकते हैं। जरा देखिए अमेरिका के इस कॉफी शॉप पर लगे व्हाइट बोर्ड को। इसमें लिखा है अगर आप सीधे कॉफी का ऑर्डर करेंगे तो आपको 5 डॉलर देने होंगे। वहीं अगर आप प्लीज शब्द का इस्तेमाल करते हुए कॉफी मंगाते हैं तो वही कॉफी आपको 3 डॉलर की पड़ेगी। यही नहीं अगर आप और विनम्र होकर ऑर्डर करेंगे तो आपको वही कॉफी 1.75 डॉलर की पड़ेगी। अब जानते हैं कि आखिर कॉफी शॉप वाले ने ऐसा किया क्यों। दरअसल पहले उसकी शॉप पर आने वाले तमाम असभ्य लोग बहुत बुरी तरह काफी ऑर्डर करते थे। इससे उसकी दुकान पर काम करने वाले परेशान थे। इसको सुधारने के लिए उसने ये नया तरीका इजात किया। उसने चेतावनी भरे अंदाज में व्हाइट बोर्ड पर लिख दिया कि अगर आप ठीक से व्यवहार नहीं करेंगे तो आपको ज्यादा पे करना पड़ेगा। उस कॉफी शॉप की इस क्रिएटिविटी को एक कस्टमर ने सोशल मीडिया पर पोस्ट कर दिया और आज ये तस्वीर खूब वायरल हो रही है। (यह खबर वाशिंगटन पोस्ट से ली गई है।)

मॉनसून सीजन में ऐसा रहे आपका स्टाइल स्टेटमेंट

अपने बॉटम्स को चुनते वक्त बेहद सावधानी रखें। फ़ेमिनिन स्कर्ट्स, शॉर्ट्स भी चुने जा सकते हैं बजाए किसी फुल लेंथ आउटफिट के। पूरी तरह से सफ़ेद को अपनाना रिस्की हो सकता है।

बड़े या ग्राफिक प्रिंट को कपड़ों पर जगह दें। ट्रॉपिकल प्रिंट्स, पोल्का डॉट्स और फ्लोरल डिजाइन भी सफ़ेद के साथ बेहतरीन तरीके से काम करती है।

पूरी तरह सफ़ेद शॉर्ट ड्रेस को बॉम्बर, डेनिम जैकेट या ट्रेंच कोट के साथ टीम करें। इससे आपकी ड्रेस बारिश के दागों से तो बची ही रहेगी, और इससे आपको लेयर्स के साथ खेलने की आजादी भी मिलती है। आप लेस वाली ड्रेस भी चुन सकते हैं या लेस लगा सकते हैं। किसी भी हल्के रंग की ड्रेस पर सफ़ेद लेस लगाकर भी बात बन सकती है। सफ़ेद जैसे रंग भी चलन में हैं। जैसे बैज, ब्लश, ऑफ वाईट और क्रीम भी पहना जा सकता है।

फोर्ट जाधवगढ़ : विलासिता और पारंपारिकता का अद्भुत संगम

मध्यप्रदेश से लगे महाराष्ट्र में कई ऐतिहासिक अनुभव छुपे हैं जिन्हें एक बार तो आजमाना बनता है। ऐसी जगहों की लंबी लिस्ट में एक चमकता नाम है फोर्ट जाधवगढ़ का। इस किले की कमियों को दूर करके इसे महाराष्ट्र की पहली हेरिटेज होटल बनाया गया था। यह किला पुणे के पास है, यानी इंदौर से लगभग 600 किलोमीटर दूर। यह सफर आसानी से दिनभर में कार से ही तय किया जा सकता है।

मुंबई से यह सफर लगभग चार घंटे का है। 25 एकड में फैली इस प्रॉपर्टी में तमाम सुख-सुविधाएं मौजूद है और यहां चैन के कुछ दिन बिताए जा सकते हैं। इसे तैयार भी इस तरह से किया गया है कि आऊटडोर एक्टिविटीज, डेस्टिनेशन वेडिंग और परफॉर्मेंसेस के लिए यह आदर्श ठिकाना साबित होता है।

शाही स्वागत : फोर्ट में जब आप पहुंचते हैं तो ऐसे स्वागत होता है जैसे कोई मराठा किंग जंग जीतकर लौटा हो। तुतरी की आवाजें आपके कान में दूर से ही आने लग जाती हैं। ट्रेडिशनली तैयार महिलाएं तिलक करती हैं और आपको आपकी जगह तक लेकर जाती हैं। इस दौरान आप देख सकते हैं कि यह किला नए जमाने की विलासिता और पारंपारिकता का अद्भुत संगम है। यहां आपको टच स्क्रिन स्विचेस भी दिख जाएंगे और पथरिले गलियारे भी। मराठी लिबास पहने मौजूद स्टाफ के अलावा वाय-फाय कनेक्टिविटी, लक्जरी स्पा और भी तमाम सुविधाएं यहां मिल जाएंगी। यह किला 1710 में बना था। वक्त के साथ यह नक्शे से भी गायब हो गया लेकिन 2007 में इसे यह नया रंग रूप दिया गया।

चेकलिस्ट

- साइट को साफ रखने में मदद करें।
- सूर्यास्त के बाद किले से बाहर अकेले नहीं जाएं।
- ऐतिहासिक संपत्ति को नुकसान नहीं पहुंचाएं।
- जंगल घूमने जाते वक्त बरसाती जरूर साथ रखें।
- किले से बाहर जाते वक्त होटल गाइड की सुविधा का फायदा उठाएं।

लक्जरी : इस किले में पचास से ज्यादा कमरे मौजूद हैं। इनमें सिग्नेचर सुईट, डिलक्स रूम, रॉयल टेंट्स और नीम कॉटेजेस शामिल हैं। तीन सौ साल पुरानी जलकुंभी अब स्वीमिंग पूल का रूप ले चुकी है। पूल से लगा स्पा में आप रिलेक्सिंग वेलनेस ट्रीटमेंट्स ले सकते हैं। बड़ी-बड़ी बालकनियां अब ऑलडे कॉफी शॉप में तब्दील हो गई हैं।

इसका नाम 'छज्जा'' रखा गया है। यहां का नजारा आपकी कॉफी की हर सिप के मजे को दोगुना करने का दम रखता है। खाने के लिए अलग इंतजाम किए गए हैं और यहां हर तरह की चीजें मौजूद हैं। देसी और पारंपरिक खाने की तो बात ही निराली है।

इतिहास दर्शन : यहां पर एक 'इन हाउस'' म्यूजियम भी है। इसका नाम 'आई'' रखा गया है जिसका मराठी में मतलब 'मां'' होता है। यहां आपको ऐतिहासिक महत्व की पुरानी घरेलू चीजें देखने को मिल जाएंगी। कुछ तो लगभग 300 साल पुरानी हैं। इससे अलग एक बड़ी-सी प्लेट भी आपका ध्यान गरूर खींचेगी। इसे 'एलिफेंट्स प्लेट'' कहा जाता है क्योंकि राजा अपने प्रिय हाथी को खाना इसी पत्थर की भव्य प्लेट पर खिलाया करते थे।

ईयरफोन्स का इस्तेमाल है खतरनाक, हो जाइए सावधान

बड़ों से लेकर बच्चों तक के कानों में आपने ईयरफोन्स लगे तो देखा ही होगा। तेज़ आवाज में गाने सुनना, टी.वी देखना कई बच्चों की आदत बन चुका है। इसके चलते वे टिनीटिस (कान में लगातार गूंजती आवाज) की समस्या से जूझ रहे हैं। यह बहरेपन का लक्षण होता है। एक नए अध्ययन से पता चला है कि इन लक्षणों को प्रारंभिक चेतावनी के तौर पर लेना चाहिए, क्योंकि इनका सामना कर रहे युवाओं को बहरेपन का गंभीर खतरा है।

शोधकर्ताओं का कहना है कि टिनीटिस की समस्या, ईयर बड है, जिनका इस्तेमाल युवा संगीत सुनने के लिए हर रोज़ लंबे समय तक करते हैं। इसके अलावा उनका कहना है कि नाइट क्लब, डिस्को और रॉक कंसर्ट जैसे शोर शराबे वाले स्थानों पर जाना भी कान की सेहत के लिए नुकसानदायक है।

टिनीटिस बीमारी के लक्षण

टिनीटिस, एक ऐसी मेडिकल समस्या है, जिसमें कान में लगातार ऐसी आवाज बजती रहती है। इसका कोई बाहरी स्त्रोत मौजूद नहीं होता है। इससे पीड़ित लोग कानों में लगातार घंटी बजने जैसी आवाज की शिकायत करते हैं। कई तो कान में सीटी बजने, गूंज, फुफकार या चींचीं की सी आवाज बताते हैं।

ब्राजील की साओ पाउलो यूनिवर्सिटी के तनित गांज सानेचेज ने बताया कि ङ्घकिशोरों में बड़े पैमाने पर टिनीटिस की समस्या है। इसे चेतावनी के तौर पर लेना चाहिए, क्योंकि इन युवाओं पर बहरेपन का गंभीर खतरा मंडरा रहा है। अगर छोटे बच्चे लगातार उच्च स्तर पर होने वाले शोर के बीच रहेंगे, तो संभव है कि जब तक वे 30 या 40 साल की उम्र के होंगे तब तक उनकी सुनने की क्षमता खत्म हो चुकी होगाङ्क। शोधकर्ताओं ने इसे साबित करने के लिए करीब 11 से 17 साल की उम्र वाले बच्चों के कानों का परीक्षण करने के लिए ओटोस्कोप का इस्तेमाल किया था।

इस दौरान किशोरों से एक प्रश्नावली भरने को कहा गया, जिसमें पूछा गया था कि क्या बीते 12 महीनों में उन्होंने टिनीटिस का अनुभव किया है। अगर हां, तो उसकी आवाज कितनी तेज़ थी, कितनी देर तक सुनाई दी और बारंबारता कितनी है। लगभग आधे यानी 54.7 फीसदी बच्चों ने टिनीटिस का अनुभव किया।

हैरान कर देने वाले हैं निष्कर्ष

सानचेज ने कहा कि ङ्घटिनीटिस की समस्या का इतने बड़े पैमाने पर पाया जाना खतरनाक है। माना जाता था कि टिनीटिस उम्रदराज लोगों को होने वाली समस्या है। लेकिन हम देख रहे हैं कि अब यह बच्चों और युवाओं को भी हो रही है, क्योंकि इन लोगों का शोर से ज़्यादा सामना होता है। इसके अलावा कुछ और कारक भी इस समस्या के जिम्मेदार हैं।

टिनीटिस की परेशानी का अनुभव कर चुके बच्चों की सुनने की क्षमता का आंकलन करने के लिए उन पर सायकोअकाउस्टिक परीक्षण किया गया। इसमें अकाउस्टिक चैंबर में ऑडियोलॉजिस्ट ने ऑडियोमीटर का इस्तेमाल कर सुनने की क्षमता की सीमा को मापा। इसके अलावा शोर से होने वाली परेशानी और टिनीटिस की समस्या को भी मापा गया। शोधकर्ताओं ने बताया कि सायकोअकाउस्टिक परीक्षण के दौरान करीब 170 बच्चों में से 49 बच्चों को अकाउस्टिक बूथ में टिनीटिस की परेशानी महसूस हुई।

साउंड बूथ में टिनीटिस की जो सायकोअकाउस्टिक लक्षण मिले, वे वयस्कों में टिनीटिस की लंबे समय से चली आ रही समस्या की तरह ही हैं। सानचेज ने कहा कि ङ्घहमने देखा है कि किशोरों को आमतौर पर टिनीटिस की समस्या होती है। लेकिन वयस्कों की तरह वे इसकी ज़्यादा परवाह नहीं करते हैं और इसके बारे में अपने अभिभावकों और शिक्षकों से शिकायत नहीं करते हैं। इसके परिणामस्वरूप वे चिकित्सक के पास नहीं जाते हैं और इस तरह यह समस्या लंबे समय तक चलती रहती है।

साइंटिफिक जर्नल में प्रकाशित इस शोध में शोधकर्ताओं ने बताया है कि शोध में शामिल बच्चों में ईयर बड का लगातार इस्तेमाल, शोर-शराबे वाले माहौल में ज़्यादा समय तक रहने जैसी जोखिम भरी आदतें होने के बावजूद, जिन्होंने टिनीटिस की समस्या का अनुभव किया, वे तेज़ आवाज़ को सहन नहीं कर सके।

लो ब्लड प्रेशर में लाभकारी तुलसी का पत्ता

आजकल लो ब्लड प्रेशर की समस्या बहुत बढ़ गई है। इसे गंभीरता से लेना जरूरी है नहीं तो इसका असर शरीर के दूसरे अंगों पर पड़ सकता है। ऐसे में दिल, किडनी, फ़ेफड़े और दिमाग पर इसका असर पड़ सकता है। अगर आपको लो ब्लड प्रेशर की समस्या है तो तुरंत करें ये काम।

नमक का पानी : नमक का पानी पीने से लो ब्लड प्रेशर में बहुत आराम मिलता है। इससे ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाता है। नमक में सोडियम मौजूद होता है जो कि ब्लड प्रेशर बढ़ाता है। हालांकि नमक की मात्रा इतनी भी न हो कि इससे शरीर पर बुरा असर पड़े।

कॉफी : लो ब्लड प्रेशर में कॉफी बड़े काम की चीज है। ब्लड प्रेशर कम होने पर स्ट्रांग कॉफी पीएं। ये तुरंत असर रता है। इसके अलावा हॉट चॉकलेट, कोला और कैफीन युक्त खाद्य पदार्थ का सेवन करने से भी ब्लड प्रेशर सामान्य हो जाता है।

किशमिश : लो ब्लड प्रेशर में किशमिश भी बहुत फायदेमंद है। रात को पानी में कुछ किशमिश भिगो दें और उसे सुबह खाली पेट खा लें। इसके अलावा आप उस पानी को भी पी सकते हैं जिसमें किशमिश भिगोई गई थी।

तुलसी : तुलसी लो ब्लड प्रेशर को सामान्य करने में मददगार होती है। इसमें विटामिन सी, पोटेशियम, मैग्नीशियम जैसे कई तत्व पाए जाते हैं जो दिमाग को संतुलित करता है और तनाव को भी दूर करता है।

फाइबरयुक्त भोजन के इन फायदों के सामने आने के बाद, डाइट में इनका शामिल होना और भी महत्वपूर्ण हो गया है

बढ़ती उम्र में लाभदायक फाइबर का सेवन

पाचन से लेकर त्वचा की चमक तक अक्सर विशेषज्ञ फाइबर्स के सेवन की सलाह देते हैं। अब एक शोध कह रहा है कि लंबे समय तक फ़ाइबर-रिच डाइट लेने से बढ़ती उम्र के साथ भी स्वस्थ रहने में मदद मिल सकती है। जानें कैसे?

किसी भी व्यक्ति के लिए उम्र का बढ़ना एक प्राकृतिक क्रिया है। इसके साथ ही शरीर के अंगों का कमजोर होना और सफ़ेद बालों, झुर्रियों आदि के साथ बढ़ती उम्र का दिखाई देने लगना भी स्वाभाविक है लेकिन यदि प्रारंभ से प्रयास किए जाएं, तो बढ़ती उम्र के इन लक्षणों को लंबे समय तक टाला जा सकता है और उम्र संबंधी तकलीफों के असर को कम किया जा सकता है। भोजन भी इस मामले में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है।

शोध ने किया खुलासा : इस संदर्भ में न्यू साउथ वेल्स, ऑस्ट्रेलिया में हुए एक शोध ने यह साबित किया कि फाइबर से भरपूर भोजन, जोकि असल में कार्बोहाइड्रेट का ही एक प्रकार होता है, और जिसे शरीर पचा नहीं सकता, वह असल में बढ़ती उम्र में स्वस्थ रखकर हमें फायदा पहुंचाता है। स्वस्थ रहकर उम्रदराज होने और कार्बोहाइड्रेट का सेवन करने के बीच की इस कड़ी को शोधकर्ताओं ने लाभकारी माना है। शोधकर्ता कहते हैं कि फाइबर्स की बदौलत, उम्र बढ़ने के साथ आने वाली मुश्किलों जैसे डिसेबिलिटी, डिप्रेशन के लक्षण, दिमागी अक्षमताओं, श्वास संबंधी तकलीफों से लेकर कैंसर और कोरोनरी आर्टरी डिसीज जैसी गंभीर अवस्थाओं तक से बचाव हो सकता है।

शुरू से दें ध्यान

फाइबरयुक्त भोजन के इन फायदों के सामने आने के बाद, डाइट में इनका शामिल होना और भी महत्वपूर्ण हो गया है। यही कारण है कि अक्सर विशेषज्ञ बचपन से ही इसे डाइट में शामिल करने की सलाह देते हैं। कई बार बच्चों में इसकी कमी गंभीर कब्ज का कारण भी बन जाती है। फाइबर्स का होना पाचन को दुरुस्त बनाता है और इस बात के तो स्पष्ट प्रमाण हैं ही कि पेट का अच्छी तरह साफ होना, पाचन का सुदृढ़ होना, स्वास्थ्य के लिए लाभकारी होता है। इसलिए फाइबर्स से दोस्ती करना आवश्यक है।

* **रोज की डाइट का हिस्सा :** शोधकर्ता कहते हैं कि रोजाना के भोजन का हिस्सा बनने वाले जो फाइबर शरीर पचा नहीं पाता, वे अधिकांशतः पौधों का ही भाग होते हैं, जैसे फल, सब्जियां और अनाज। ये फाइबर घुलनशील यानी सॉल्युबल और अघुलनशील यानी इन्सॉल्युबल, दो प्रकार के होते हैं। सॉल्युबल फाइबर पानी को सोखकर एक जैल जैसे पदार्थ का निर्माण करते हैं। यह पाचन की क्रिया को धीमा कर देते हैं। इस बात के प्रमाण भी मिले हैं कि इनसे कोलेस्ट्रॉल का स्तर कम होता है जिससे ह्रदय रोग से बचने में मदद मिल सकती है। इस तरह के फाइबर्स के स्त्रोत हैं:

- ओट का चोकर
- बार्ले
- नट्स
- सीड्स
- चौला आदि बीन्स
- मटर जैसे दाने
- दाल आदि।

इन्सॉल्युबल फाइबर्स जल्दी से पेट भरने का काम करते हैं, जिससे आप भोजन की अधिक मात्रा ग्रहण करने से बच जाते हैं। ये गेहूं के आटे के चोकर, सबूत अनाज और सब्जियों में पाए जाते हैं।

रेसिपी

लाजवाब आलमंड कुकीज

सामग्री

2 कप मैदा, आधा कप बेसन, 1 कप चीनी, बेकिंग पावडर-आधा छोटा चम्मच, मक्खन-गूंथने के लिए, (इच्छानुसार) बादाम की कतरन।

विधि

पहले मैदा, बेसन, बेकिंग पावडर मिलाकर 3-4 बार छानें। इसमें मक्खन मिलाकर गूंथ लें। बादाम की कतरन भी मिला लें। इसमें इतना मक्खन मिलाएं कि पेड़े जैसा बन जाए।

अब इससे मनचाहे आकार की कुकीज़ बना लें और प्री हीटेड ओवन में 180 डिग्री सेंटीग्रेड पर 15-20 मिनट रखें। लीजिए तैयार बेक्ड कुकीज़ निकालें और क्रिसमस के स्पेशल पर्व पर पेश करें।

चटपटे वेजीटेबल चीज नूडल्स

सामग्री

250 ग्राम नूडल्स (उबले हुए), 2 गाजर (बारीक कटे हुए), 1 टमाटर, 2 प्याज लंबे कटे, 1 शिमला मिर्च, 2 हरी मिर्च (बारीक कटी), अदरक एक छोटा टुकड़ा, एक कटोरी लंबी कटी बींस, 2 आलू (कटे हुए), 50 ग्राम चीज, हरा धनिया, नमक स्वादानुसार, सोया सॉस 2 बड़े चम्मच, चीली सॉस, टमाटर सॉस, 2 चम्मच जीरा, तेल (आवश्यकतानुसार)।

विधि

सर्वप्रथम कड़ाही में तेल गरम करके जीरा, प्याज, गाजर, शिमला मिर्च, अदरक, बींस डालें और पांच-दस मिनट तक पका लें। फिर टमाटर और नमक डालकर ढंक कर फ्राय करें।

अब उसमें नूडल्स डालकर ऊपर से सोया सॉस, चीली सॉस और टोमेटो सॉस डालें और हिलाएं। तत्पश्चात चीज को किसकर तैयार नूडल्स में ऊपर से डालें और हरा धनिया से सजा कर पेश करें।

संपादकीय

जवाब दे चुनाव आयोग

चुनाव आयोग और विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) एक बार फिर चर्चा में नहीं, सवालों और विवादों में हैं। देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं। क्या वे सभी 'फर्जी' जन-प्रतिनिधि हैं? इसका जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। उसने कुछ वर्गीकरण स्पष्ट किए भी हैं, लेकिन वे पर्याप्त और स्पष्ट नहीं हैं। काम या नौकरी के लिए कोई भी व्यक्ति बाहर जा सकता है। क्या उसकी अनुपस्थिति दिखा कर उसका मताधिकार छीना जा सकता है? महाराष्ट्र में भी विधानसभा चुनाव नवंबर, 2024 में हुए हैं। वहां करीब 9.78 करोड़ मतदाताओं ने विधानसभा के लिए मताधिकार का प्रयोग किया। 2024 के लोकसभा चुनाव में भी 9 करोड़ से अधिक मतदाता थे, लेकिन अब एसआईआर के बाद ड्राफ्ट सूची में 7.71 करोड़ मतदाताओं के ही नाम दर्ज किए गए हैं। अर्थात 2.07 करोड़ मतदाता, किसी भी कारण से, 'फर्जी' करार दे दिए गए हैं। दिल्ली, महाराष्ट्र की घटनाएं, मताधिकार छीनने की कवायद, कोई सामान्य बात नहीं है। बेशक संविधान के अनुच्छेद 324 के तहत चुनाव आयोग को मतदाता सूची के अधीक्षण, निर्देशन, नियंत्रण का अधिकार दिया गया है, तो अनुच्छेद 326 में प्रत्येक वयस्क भारतीय नागरिक को मताधिकार का मौलिक अधिकार भी प्राप्त है। उसे चुनाव आयोग कैसे छीन सकता है? एसआईआर की अभी तक कवायद में 6 करोड़ से अधिक मतदाताओं का मौलिक अधिकार छिन चुका है। सरकार की तो आंखें मिची हैं, क्योंकि उसकी पार्टी चुनाव-दर-चुनाव जीत रही है। कमोबेश सर्वोच्च अदालत तो निर्णायक हस्तक्षेप करे और नागरिकों को इस 'संवैधानिक आघात' से बचाए। यहां पश्चिम बंगाल का उल्लेख करना भी प्रासंगिक है। वहां इसी मई, 2026 में विधानसभा चुनाव हुए हैं और भाजपा की पहली बार सरकार बनी है। चुनाव से पहले एसआईआर के तहत 27.16 लाख मतदाताओं को 'तार्किक विसंगति' श्रेणी में रखा गया था। यह श्रेणी किसी अन्य राज्य में नहीं बनाई गई। बहरहाल सर्वोच्च अदालत के निर्देश पर ट्रिब्यूनल गठित किए गए। बीते दिनों तक 82,782 मामले ट्रिब्यूनल ने निपटाए हैं, जिनमें से 75,443 मतदाताओं के नाम और दावे सही पाए गए। गौरतलब यह है कि मालदा, उत्तर 24 परगना सरीखे क्षेत्रों में 100 फीसदी नाम सही पाए गए, लेकिन वे मतदाता वोट नहीं डाल पाए। बंगाल में कुल 91 फीसदी मतदाता सही पाए गए, जिनके नाम काट दिए गए थे, लेकिन विडंबना है कि करीब 7 लाख लोगों ने ही आपत्तियां और अपने दावे दर्ज कराए हैं। शेष 20 लाख कथित मतदाता कौन हैं, वे कहां हैं, आपत्तियां दर्ज क्यों नहीं कराईं? गंभीर सवाल यह है कि क्या चुनाव आयोग इतना खुदमुख्तार है कि 6 करोड़ मतदाताओं के नाम काट दे और यह देश के सामने स्पष्ट न हो कि इतने व्यापक स्तर पर संवैधानिक मताधिकार क्यों छीन लिए गए? बिंदुवार जवाब तो चुनाव आयोग ही दे सकता है। विपक्ष की कई पार्टियां इस मसले पर सवाल उठा रही हैं। लोकतंत्र में बेहतर यही होता है कि विपक्ष की आवाज को भी सुना जाए। चुनाव आयोग को यह भी प्रमाणित करना है कि उसने ये नाम दल विशेष की इच्छा पर नहीं हटाए हैं। चुनाव आयोग अगर यह प्रमाणित न कर पाया कि उसने सत्ता पक्ष के लाभ के लिए ऐसा नहीं किया है, तो उस पर लगे आरोपों को मजबूती मिलेगी। चुनाव आयोग को जल्द से जल्द इस मसले पर स्थिति स्पष्ट करनी चाहिए।

देश की राजधानी दिल्ली में करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। देश की आर्थिक राजधानी मुंबई के राज्य महाराष्ट्र में 2.07 करोड़ मतदाताओं के नाम सूची से हटा दिए गए हैं। फिलहाल ड्राफ्ट सूची जारी हुई है। अभी लोगों के पास वक्त है कि वे आपत्ति और दावे दर्ज करा सकते हैं और मताधिकार के मौलिक अधिकार की रक्षा कर सकते हैं। दिल्ली में कुल मतदाता 1.45 करोड़ से अधिक थे, जिनमें से अब 97.53 लाख से कुछ अधिक ही नई सूची में दर्ज किए गए हैं। दिल्ली के तुगलकाबाद में 47.85 फीसदी मतदाताओं के नाम पर 'लाल लाइन' फेर दी गई है। ओखला, बदरपुर, कस्तूरबा नगर में भी 40-45 फीसदी मतदाताओं के नाम काट दिए गए हैं। राजधानी दिल्ली कोई सीमावर्ती क्षेत्र नहीं है, लिहाजा बांग्लादेशी या रोहिंग्या घुसपैठियों की संभावनाएं नगण्य हैं। जो बंगाली लोग दिल्ली में बसे हैं और वहां निरंतर काम कर रहे हैं, वे लंबे समय से दिल्ली में ही हैं। उनके मतदाता पहचान-पत्र भी बने हुए हैं और वे चुनावों में मतदान करते रहे हैं। दिल्ली में फरवरी-मार्च, 2025 में विधानसभा चुनाव हुए थे, संभवतः उन्होंने भी मतदान किया होगा, जिनके नाम अब एसआईआर में काट दिए गए हैं। जिन इलाकों में 40-47.8 फीसदी तक वोटर सूची से बाहर कर दिए गए हैं, वे भी विधानसभा क्षेत्र हैं, जाहिर है कि वहां भी वोट दिए गए होंगे और विधायक भी चुने गए हैं।

कुछ अलग

आज़ादी का पुरस्कार

बात उन दिनों की है, जब देश में रेलों का चलन नहीं हुआ था। उस्ताद आलिया और फत्तू एक माह तक पैदल चलकर निजाम हैदराबाद के दरबार में अपना गायन सुनाने पहुंचे। उस्ताद का गायन शुरू हुआ। रसिकजन रस-सागर में डूबने-उतराने लगे। गायन की समाप्ति पर निजाम ने उस्ताद को एक लाख रुपये भेंट दिए और कहा, 'उस्ताद, आज महफ़िल पूरे उभार पर नहीं आई।' उस्ताद ने पुरस्कार लौटाते हुए कहा, 'हुजूर बांधे बनियां बाजार नहीं लगता गाना हमारी तबियत से सुनिये, तभी आपको मजा आयेगा।' इस बात पर निजाम ने उस्ताद को शाही मेहमान खाने में ठहरा दिया। एक माह अन्तराल के बाद एक दिन उस्ताद अपने साथी सहित तानपुरा पर राग छेड़ रहे थे। तानपुरा छेड़ते हुए दीन-दुनिया से बेखबर उस्ताद सड़कों पर अपनी पूरी मस्ती के साथ गाते हुए चल दिये निजाम के पास। सिपाहियों ने हैरत में निजाम को इत्तिला दी मेहमान खाने में ठहरे गवैये पागल हो गये है।

भारत में हाल ही के समय में कर संग्रहण में भी सराहनीय सुधार हुआ

अर्थ के लगभग समस्त क्षेत्रों में भारत की प्रगति अतुलनीय है

भारत में भी कुछ वर्गों को भारतीय अर्थव्यवस्था में आए इस उछाल पर आश्चर्य हो रहा है एवं वे यह विश्वास नहीं कर पा रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर बिगड़े हुए हालातों के बीच भारतीय अर्थव्यवस्था विश्व में बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था कैसे बनी रह सकती है। इस तरह के प्रशन्नों का उत्तर पाने के लिए हाल ही के समय में भारतीय अर्थव्यवस्था के विभिन्न क्षेत्रों में हो रहे परिवर्तनों को हमें समझना होगा। वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2026) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है, इसमें अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों का योगदान स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। उक्त वृद्धि दर किसी एक विशेष कारण के चलते सम्भव नहीं हुई है। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत की रही है, निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत, निजी उपभोग में 6.8 प्रतिशत से बढ़कर 7.1 प्रतिशत, सकल पूंजी निर्माण में 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.9 प्रतिशत, वित्तीय क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत, व्यापार, होटेल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत, कृषि के क्षेत्र में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी 80.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 88.27 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इस प्रकार के विकास को विस्तृत आधार वाला विकास कहा जाता है। किसी भी देश में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि का आश्य यह है कि उस देश में आर्थिक गतिविधियाँ तेजी पकड़ रही हैं। आर्थिक गतिविधियों के बढ़ने से उस देश में कर संग्रहण की राशि में भी वृद्धि दृष्टिगोचर होनी चाहिए। भारत में हाल ही के समय में कर संग्रहण में भी सराहनीय सुधार हुआ है। वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण माह अगस्त 2026 में 14.8 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 2 लाख करोड़ रुपए के स्तर तक पहुंच गया है। आंतरिक वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 9 प्रतिशत की वृद्धि के साथ 1.37 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंचा है तो वहीं आयात वस्तु एवं सेवा कर संग्रहण 29 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 0.62 लाख करोड़ रुपए के स्तर पर पहुंच गया है। इसी प्रकार, आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या में भी अतुलनीय वृद्धि दर्ज हुई है और वित्तीय वर्ष 2025-26 वर्ष के लिए आय कर की विवरणी फाइल करने वाले नागरिकों की संख्या 7.80 करोड़ के स्तर को पार कर गई है, जो पिछले वर्ष 7.30 करोड़ के स्तर तक ही पहुंच सकी थी। अन्य देशों में सकल घरेलू उत्पाद में दर्ज की गई वृद्धि दर की तुलना यदि भारत में दर्ज हुई वृद्धि दर से करते हैं तो ध्यान में आता है कि भारत में सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि दर 7.8 प्रतिशत की रही है, सिंगापुर में 5.9 प्रतिशत, चीन में 4.3 प्रतिशत, दक्षिणी कोरीया में 3.7 प्रतिशत, अमेरिका में 2.1 प्रतिशत, यूनाइटेड किंगडम में 2.1 प्रतिशत, जर्मनी में 1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। वैश्विक स्तर पर सकल घरेलू उत्पाद में औसत वृद्धि दर लगभग 3 प्रतिशत की रही है। इसी कारण से यह कहा जा रहा है कि पूरे विश्व में भारत की अर्थव्यवस्था सबसे तेज गति से आगे बढ़ती अर्थव्यवस्था बन गई है। और तो और, भारत ने अंतरराष्ट्रीय संस्थानों (विश्व व्यापार संगठन, विश्व बैंक, अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष, ऐशियन विकास बैंक) द्वारा पूर्व में दिए गए अनुमानों से भी आगे बढ़कर आर्थिक विकास दर को हासिल किया है। भारतीय रिजर्व बैंक ने भी भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था एवं भारतीय अर्थशास्त्रियों ने 7.1 प्रतिशत की वृद्धि दर का अनुमान लगाया था। उक्त समस्त अनुमानों को पीछे छोड़ते हुए भारत ने आर्थिक विकास किया है। भारतीय कम्पनियों द्वारा अपने व्यवसाय एवं लाभप्रदता में हासिल की गई वृद्धि दर से भी यह झलकता है कि भारतीय अर्थव्यवस्था एक तरह से अपने सुनहरे दौर से गुजर रही है। निजी गैर वित्तीय कंपनियों के परिचालन लाभ में आकर्षक 19.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। स्टॉक मार्केट में सूचिबद्ध विनिर्माण इकाईयों के परिचालन लाभ में 21.3 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। यात्री वाहनों की जुलाई 2026 माह में बिक्री 34.3 प्रतिशत की महत्वपूर्ण वृद्धि के साथ 4.58 लाख इकाईयों के स्तर को पार कर गई है। ट्रैक्टर की बिक्री भी 28.1 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज करते हुए 1.17 लाख इकाईयों के स्तर से ऊपर रही है। दो पहिया वाहनों की बिक्री 28.3 प्रतिशत की आकर्षक वृद्धि दर्ज की गई और यह 18.18 लाख इकाईयों के स्तर से ऊपर निकल गई है। डिजिटल भुगतान की संख्या में 16.6 प्रतिशत की वृद्धि एवं राशि में 18.2 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई हैं। जुलाई 2026 माह में ही बिजली की मांग में 10.7 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। डीजल की खपत में भी 10 प्रतिशत की वृद्धि दर्ज हुई है। उक्त समस्त आंकड़ों से यह सिद्ध होता है कि भारत में आर्थिक गतिविधियाँ अपने चरम स्तर पर पहुंच रहीं हैं और इनमे आकर्षक वृद्धि दर लगातार बनी हुई है। इसी के चलते ही भारत के सकल घरेलू उत्पाद में लगभग 8 प्रतिशत की वृद्धि दर होते हुए दिखाई दे रही है। इस आलेख में दिए गए आकड़ों को किसी एक संस्थान ने नहीं जारी किया है बल्कि अलग अलग विभिन्न संस्थानों द्वारा इन्हें जारी किया गया है और यह भारत के विकास को एक ही दिशा में अर्थात ऊपर की ओर जाता हुआ दिखा रहे हैं। विदेशी संस्थागत निवेशक जो अभी तक भारत के पूंजी बाजार से अपने निवेश को निकाल रहे थे उन्होंने भारत के शेयर बाजार में जुलाई 2026 माह में 210 करोड़ अमेरिकी डॉलर एवं अगस्त 2026 माह में 310 करोड़ अमेरिकी डॉलर का निवेश किया है, जबकि मार्च से जून 2026 की अवधि में विदेशी संस्थागत निवेशकों ने भारतीय पूंजी बाजार से 2700 करोड़ अमेरिकी डॉलर की राशि निकाल ली थी। हालांकि अभी यह कहना जल्दबाजी होगी कि विदेश संस्थागत निवेशक भारतीय पूंजी बाजार में लौट आए हैं, परंतु इस संदर्भ में ट्रेंड तो परिवर्तित होता हुआ दिखाई दे रहा है। विदेशी संस्थागत निवेशकों ने वित्तीय वर्ष 2025-26 में भारत के शेयर बाजार से 1.53 लाख करोड़ रुपए की राशि निकाली थी। स्ट्रेट ओफ होर्मुज लगातार कुछ माह तक बंद रहा है, तुलनात्मक रूप से तेल के बहुत कम जहाज इस मार्ग से निकल पाए हैं जिससे कच्चे तेल की आपूर्ति बहुत बड़े स्तर पर प्रभावित रही है। ट्रम्प प्रशासन द्वारा भारत सहित विश्व के कई देशों द्वारा अमेरिका को किए जाने वाले निर्यात के उत्पादों पर भारी मात्रा में आयात कर लगाए हैं। उक्त वर्णित समस्त विपरीत परिस्थितियों के बीच न केवल भारत सकल घरेलू उत्पाद में वृद्धि हो रही है बल्कि भारत से विभिन्न उत्पादों के निर्यात में भी आकर्षक वृद्धि दर्ज हो रही है, और निर्यात के क्षेत्र में भी भारतीय उत्पाद धूम मचाते हुए दिखाई दे रहे हैं। जुलाई 2026 माह में इलेक्ट्रॉनिक्स उत्पादों का निर्यात 57.4 प्रतिशत से बढ़ा है, केमिकल उत्पादों का निर्यात 14.4 प्रतिशत बढ़ा है, मशीनरी एवं इक्विप्मेंट उत्पादों का निर्यात 12.1 प्रतिशत बढ़ा हैं, पूंजीगत वस्तुओं का उत्पादन 16.1 प्रतिशत बढ़ा है, बिजली के इक्विप्मेंट का उत्पाद 28.3 प्रतिशत से बढ़ा है।

वित्तीय वर्ष 2026-27 की प्रथम तिमाही (अप्रेल-जून 2026) के दौरान भारत के सकल घरेलू उत्पाद में 7.8 प्रतिशत की वृद्धि हासिल की गई है, इसमें अर्थव्यवस्था के समस्त क्षेत्रों का योगदान स्पष्टतः दिखाई दे रहा है। उक्त वृद्धि दर किसी एक विशेष कारण के चलते सम्भव नहीं हुई है। विनिर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 8.3 प्रतिशत से बढ़कर 9.2 प्रतिशत की रही है, निर्माण के क्षेत्र में वृद्धि दर 5.2 प्रतिशत से बढ़कर 7.7 प्रतिशत, सेवा क्षेत्र में 8 प्रतिशत से बढ़कर 10 प्रतिशत, निजी उपभोग में 6.8 प्रतिशत से बढ़कर 7.1 प्रतिशत, सकल पूंजी निर्माण में 5.8 प्रतिशत से बढ़कर 11.9 प्रतिशत, वित्तीय क्षेत्र में 12.1 प्रतिशत, व्यापार, होटेल एवं यातायात के क्षेत्र में 8.5 प्रतिशत, कृषि के क्षेत्र में 3.6 प्रतिशत की वृद्धि दर रही है। इसी अवधि में सकल घरेलू उत्पाद का आकार भी 80.32 लाख करोड़ रुपए से बढ़कर 88.27 लाख करोड़ रुपए का हो गया है। इस प्रकार के विकास को विस्तृत आधार वाला विकास कहा जाता है।

देश दुनिया से

लचित बडफूकन-बंदा बहादुर का योगदान

पिछले दिनों मुझे दो अलग-अलग स्थानों पर दो सेमिनारों में शिरकत करने का अवसर प्राप्त हुआ। मंडी गोविंदगढ़ के देशभगत विश्वविद्यालय और कुरुक्षेत्र के कुरुक्षेत्र विश्वविद्यालय में बंदा बहादुर पर सेमिनार थे। इसी प्रकार असम में वहां के सीमांत चेतना मंच की ओर से अढ़ाई साल तक चले लंबे युद्ध में औरंगजेब की सेना को ब्रह्मपुत्र के तट पर सराय घाट में परास्त कर देने वाले महान सेनापति लचित बडफूकन के बारे में सेमिनार रखा गया था। बंदा बहादुर ने तो पंजाब में सोनीपत से लेकर सरहिंद तक के बड़े इलाके में से मुगल शासन को समाप्त कर वहां गुरु नानक देव जी के नाम से खालसा राज की स्थापना ही कर दी थी। अपने एक हुकमनामा में वह इसको सतयुग कहता है। उसकी युद्ध नीति सचमुच गहरे अध्ययन का विषय है। लेकिन इतिहास में या विश्वविद्यालयों के रक्षा व युद्धनीति विभागों में महान सेनापतियों की सूची में उसका नाम नहीं है। अलबत्ता पूजा स्थानों पर उसका नाम जरूर लिया जाता है या फिर उसके नाम पर पूजा घर बना लिए गए हैं। यही स्थिति लचित बडफूकन की है। यदि बडफूकन औरंगजेब की सेना को उस समय परास्त न कर पाते तो पूरा पूर्वोत्तर भारत ही नहीं, पूरा दक्षिण पूर्व एशिया भी इस्लाम में जा चुका होता। लेकिन शेष भारत की बात तो दूर, लचित बडफूकन को पूर्वोत्तर भारत के ही कई राज्यों के विद्यार्थी नहीं जानते। कुछ साल पहले जब भारत सरकार ने पहली बार दिल्ली के विज्ञान भवन में लचित बडफूकन को श्रद्धांजलि देने के लिए एक कार्यक्रम का आयोजन किया था, तो दिल्ली विश्वविद्यालय के इतिहास विभाग के छात्र ही पूछ रहे थे कि बडफूकन कौन था। यह इस देश का दुर्भाग्य है कि हम यूरोप के दसियों महान सेनापतियों के नाम तो गिना सकते हैं, लेकिन अपने देश के उन सेनापतियों के जिन्होंने अरबों, तुर्कों और मुगलों के विदेशी साम्राज्य को धूल चटा दी थी, उनका हमारे इतिहास के पाठ्यक्रमों में कहीं स्थान नहीं है। इसका कारण क्या हो सकता है? सबसे बड़ा कारण तो यही हो सकता है कि जिन मुगलों को पंजाब में बंदा बहादुर ने और असम में लचित बडफूकन ने पराजित किया था, उनके इतिहासकार और दरबारी इतिहास लिखने वाले भला बडफूकन या बंदा बहादुर का गुणगान कैसे कर सकते थे? उसके बाद अंग्रेज आ गए। वे भारतीय सेनापतियों के रणचातुर्य को कैसे महिमामंडित कर सकते थे? इन दोनों ही कारणों से भारत के ये महान सेनापति हाशिए पर चले गए। लेकिन अंग्रेजों के चले जाने के बाद भी ये सेनापति इतिहास के हाशिए पर ही कैसे रहे? वामपंथी इतिहासकार तो बहुत ही उच्च स्वर से दावा करते थे कि वे राजाओं का नहीं, बल्कि सामान्य जन का इतिहास लिखेंगे। इतिहास के केन्द्र में आम आदमी रहेगा, न कि राजा और नवाब। उसके बाद भी ये दोनों महान सेनापति उपेक्षित ही रहे। दरअसल वाममार्गी इतिहासकारों की दुविधा यह रही कि उन्होंने अरबों, तुर्कों व मुगल आक्रमणकारियों को विदेशी मानने के स्थान पर उन्हें देसी भारतीय बताना, लिखना और सिखाना शुरू कर दिया। इतिहास सिखाने और लिखाने का काम पंडित नेहरु ने मौलाना अबुल कलाम को ही दे दिया, वे पहले शिक्षा मंत्री थे। अब मुगलों से लडने वाले और उन्हें हराने वाले लचित बडफूकन और बंदा बहादुर भारत के जननायक कैसे हो सकते थे। भारत सरकार तो इरफान हबीब के पिता से किताब लिखवा रही थी जिसमें महमूद गजनवी को नायक स्थापित किया जा रहा था। ओडिशा के उस समय के राज्यपाल विशंबर नाथ पांडे औरंगजेब को भारत का सर्वश्रेष्ठ शासक सिद्ध करने को किताब छपवा रहे थे। बंदा बहादुर का मामला तो और भी उपेक्षित था। समकालीन या बाद के ईरानी इतिहासकारों द्वारा अपनी पुस्तकों में दिए गए छिटपुट प्रसंगों के अलावा बंदा बहादुर का किसी ने जिक्र नहीं किया। मुगल इतिहासकारों ने जाहिर है बंदा बहादुर को नकारात्मक तरीके से ही प्रस्तुत किया। निर्मला पंथ के साहित्यकारों के ग्रन्थों में जरूर उनका जिक्र मिल जाता है। महाराजा रणजीत सिंह के स्वर्गवास के बाद जब अंग्रेजों ने पंजाब/सप्तसिन्धु पर कब्जा कर लिया, तो ब्रिटिश सरकार ने पंजाब का इतिहास लिखने के लिए कुछ लोग इस काम में लगाए। गुरु सिंह सभा का जन्म भी इसी अंग्रेजी काल खंड में हुआ। गुरु सिंह सभा से प्रेरित विद्वानों ने भी पंजाब का इतिहास लिखना या लिखवाना शुरू किया। लेकिन इन प्रयासों में भी बंदा बहादुर उपेक्षित ही रहा। इसका श्रेय करम सिंह हिस्टोरियन को जाता है कि उन्होंने सबसे पहले 'बंदा सिंह बहादुर' नाम से एक छोटी सी पुस्तिका लिखी। यह आश्चर्य की बात है कि चीफ खालसा दीवान ने इसे 1905 में प्रकाशित किया। इसे पंजाब में बंदा सिंह बहादुर के व्यक्तित्व को लेकर लिखी गई पहली पुस्तक कहा जा सकता है। इसके बाद दूसरी पुस्तक भाई मति दास जी, जिन्होंने गुरु तेग बहादुर जी के साथ दिल्ली के चांदनी चौक में देश और धर्म की रक्षा के लिए बलिदान दिया था, के वंशज भाई परमानंद जी ने 'वीर वैरागी' नाम से पुस्तक लिखी। लेकिन अब तक ब्रिटिश साम्राज्य ने पंजाब में हिंदू-सिख का विवाद खड़ा कर दिया था। इसलिए उन विवादों के केन्द्र में बंदा सिंह बहादुर भी घेर लिया गया। बंदा बहादुर खालसा पंथ में दीक्षित होने से पहले वैष्णव पंथ व बाद में नाथ पंथ में था। वैष्णव पंथ में दीक्षित होने के कारण वह वैरागी विशेषण से प्रसिद्ध था। इसलिए बंदा बहादुर को लेकर सारी विद्वता इसी को लेकर सिमटने लगी कि क्या बंदा बहादुर को वैरागी लिखा जाए या खालसा लिखा जाए। इसके साथ ही यह विवाद भी गहराने लगा कि क्या वैष्णव पंथ और नाथ पंथ की उसकी जीवन यात्रा को जीवन संघर्ष से पलायन माना जाए? भाई परमानंद जी बंदा बहादुर को वैरागी लिखा करते थे।

आप का नज़रिया

तुरत-फुरत का कारोबार

हाल के वर्षों में देश में खरीदारी का परिदृश्य, ई-कॉमर्स के चलते पूरी तरह बदल गया है। कह सकते हैं कि इसकी अर्थव्यवस्था एक महत्वपूर्ण दौर में पहुंच रही है। जिसकी पुष्टि हाल ही में सामने आई शोध परामर्शदात्री 'इन्फिसम' की नवीनतम रिपोर्ट में उजागर होती है। रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे। बाजार के जानकार मान रहे हैं कि ई-कॉमर्स की अगली लहर किसी सीमा तक छोटे शहरों, स्थानीय पसंद, स्थानीय भाषाओं में कंटेंट और सस्ते लॉजिस्टिक पर भी निर्भर करेगी। हालांकि, परंपरागत बाजार इसे अपने अस्तित्व के लिये बड़ी चुनौती मान रहा है। नई पीढ़ी के ग्राहक मोबाइल पर उत्पाद की कीमतें छानकर परंपरागत दुकानदारों से भाव-तौल करने में आगे हैं। उन्हें पता होता है कि किसी उत्पाद की ऑनलाइन कीमत क्या है और दुकान में वह सामान किस भाव मिल रहा है। निस्संदेह, इस ई-कॉमर्स के विस्तार से हमारा परंपरागत बाजार प्रभावित हुआ है। कई मॉलों व परंपरागत बाजारों में पहले जैसी रौनक नहीं रह गई है। लेकिन ई-कॉमर्स का एक लाभ यह भी है कि लोगों को भीड़-भाड़ व ट्रैफिक जाम में फंसने के बजाय आसानी से वक्त-बेवक्त सामान घर पर उपलब्ध हो जाता है। निस्संदेह, ई-कॉमर्स ने बाजार में प्रतिस्पर्धा को भी बढ़ावा दिया है। कई ई-कॉमर्स कंपनियां कड़े कंप्टीशन का सामना कर रही हैं। इस बाजार में ब्लिंकइट अब भी सबसे आगे है। इस दौड़ में फिर जेप्टो और स्विगी इंस्टामार्ट भी शामिल हैं। इस ई-कॉमर्स बाजार में पहले से मौजूद रिटेलर्स और आने वाले प्रतियोगी अपने डार्क-स्टोर नेटवर्क को बढ़ा रहे हैं। जिसका मकसद कार्यप्रणाली में तेजी लाकर मुनाफा बढ़ाना है। आने वाले समय में तकनीक इस सेक्टर में बड़े परिवर्तन ला सकती है। उम्मीद करें कि भविष्य में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और मशीन लर्निंग से रिटेल की उत्पादकता में काफी सुधार होगा। बहुत संभव है कि आने वाले समय में एआई शॉपिंग असिस्टेंट, कन्वर्सेशनल कॉमर्स और वर्चुअल ट्राई-ऑन से ग्राहकों के उत्पाद खोजने का तरीका बदल सकता है। लेकिन विकास दर को सिर्फ ऑर्डर, स्टोर या डिलीवरी के समय के आधार पर नहीं मापा जा सकता है। इसमें नियमन की जरूरतें और मुनाफे का दबाव अभी भी एक गंभीर चिंता है। देश में गिग इकॉनमी का तेजी से विस्तार तो हुआ है, लेकिन वर्कर के मेहनताने व सामाजिक सुरक्षा को लेकर भी सवाल उठते रहते हैं। देश में ई-कॉमर्स के इस मौके का स्वागत तो करना चाहिए, लेकिन सिर्फ ग्रोथ के पीछे भागना ही लक्ष्य न हो। असली परीक्षा बिजनेस तकनीकी इनोवेशन और ग्राहकों की सुविधा के साथ स्थायी आर्थिकी की होगी। साथ ही रोजगार के विश्वसनीय अवसरों के साथ ज्यादा लोगों तक पहुंचा जा सके।

रिपोर्ट के अनुसार भारत में इस क्षेत्र में वर्ष 2024 में होने वाले 125 अरब डॉलर के कारोबार के मुकाबले साल 2030 तक इसके लगभग तीन गुना यानी 345 अरब डॉलर तक पहुंचने का अनुमान है। जो ई-कॉमर्स के क्षेत्र में आ रहे बदलावकारी परिदृश्य को ही दर्शाता है। निस्संदेह, इस कारोबार विस्तार में बदलाव का यह मापदंड प्रभावशाली है, लेकिन इसकी रफ्तार के साथ इसका लंबे समय तक टिके रहना भी उतना ही महत्वपूर्ण है। इसमें दो राय नहीं कि देश में क्विक कॉमर्स ग्रोथ के एक महत्वपूर्ण इंजन के तौर पर उभर रहा है। आज स्थिति यह है कि इसके नेटवर्क देश के 475 से अधिक शहरों तक पहुंच चुके हैं। जो यह दर्शाता है कि दैनिक उपभोग की वस्तुओं की तेजी से डिलीवरी अब महज बड़े शहरों तक ही सीमित नहीं रह गई है। दरअसल, यह बदलाव जनसंख्या के स्वरूप के अलावा भौगोलिक स्तर पर भी हो रहा है। नई पीढ़ी इस तुरत-फुरत खरीदारी की मुरीद है। सर्वे बताते हैं कि देश में ऑनलाइन खरीदारों में वह पीढ़ी काफी आगे है, जिसे आज जेन-ज़ी के नाम से संबोधित किया जाता है। उसके पास सामान का ऑर्डर करने और उसे पाने में इंतजार करने का समय नहीं है। बताया जाता है कि ऑनलाइन खरीदारी में जेन-ज़ी की भागीदारी लगभग एक तिहाई है। ऐसे में भरोसा किया जा रहा है कि इस दशक के अंत तक वे डिजिटल खर्च करने वाले सबसे बड़े ग्रुप बन जाएंगे।

दृष्टि कोण

शिक्षक की सफलता का प्रमाणपत्र कौन देता है?

मुझे आज भी अच्छी तरह याद है। हम दस दिवसीय शिक्षक प्रशिक्षण में भाग ले रहे थे। प्रशिक्षण के बीच 5 सितंबर आ गया- शिक्षक दिवस। उस दिन स्रोत व्यक्ति के रूप में एक विश्वविद्यालय के प्रो. चांसलर हमारे बीच आए। उन्होंने मंच संभाला, सभी शिक्षकों को शिक्षक दिवस की शुभकामनाएं दीं और अपने शिक्षक जीवन के अनुभव सुनाने लगे। उनकी बातों में उपलब्धियों की चमक थी। उन्होंने बताया कि विश्वविद्यालय में पढ़ाए उनके विद्यार्थी आज बड़े-बड़े पदों पर हैं- कोई प्रशासन में ऊंचे ओहदे पर है, कोई डॉक्टर है, कोई इंजीनियर तो कोई बैंकर। वर्षों बाद जब वे विद्यार्थी उनसे मिलते हैं और सम्मानपूर्वक उनके पैर छूते हैं, तो उन्हें अपने शिक्षक होने पर गर्व होता है। उनकी बात गलत नहीं थी। सचमुच, शिक्षक के लिए इससे सुखद क्या होगा कि उसका विद्यार्थी जीवन में आगे बढ़े और सफलता की ऊंचाइयों पर पहुंचकर भी अपने शिक्षक को याद रखे। फिर भी, उस दिन उनके शब्दों के बीच से एक दूसरा प्रश्न लगातार सिर उठाता रहा- क्या शिक्षक की सफलता का सबसे विश्वसनीय प्रमाण उसके विद्यार्थियों की ऊंची कुर्सियां हैं? शायद उनका ऐसा कोई आशय न रहा हो, लेकिन उनकी बातों की टोन और भाव-भंगिमाओं से कहीं-कहीं यह अहसास जरूर हुआ कि जैसे बड़ी उपलब्धियों वाले विद्यार्थी शिक्षक की सफलता का प्रमाणपत्र हैं। तब मन अनायास उन शिक्षकों की ओर चला गया जिनके पास ऐसा कोई प्रमाणपत्र नहीं होता। वे शिक्षक जो हिमाचल के किसी दूरस्थ पहाड़ी गांव के छोटे-से स्कूल में अपनी पूरी उम्र खपा देते हैं। उनके विद्यालय तक पहुंचने के लिए पक्की सडक़ नहीं होती। बरसात में उफनते नाले और फिसलन भरी पगडंडियां रास्ता रोकती हैं। सर्दियों की सुबहें इतनी ठंडी होती हैं कि बिस्तर छोडऩा ही किसी परीक्षा से कम नहीं लगता, लेकिन स्कूल का दरवाजा फिर भी समय पर खुलता है। कभी एक कमरे में दो-तीन कक्षाओं के बच्चे साथ बैठते हैं, कभी साधन कम पड़ जाते हैं और कभी पाठ्यपुस्तक से अधिक बच्चों की परिस्थितियों को पढऩा पड़ता है। वह शिक्षक भी पढ़ाता है। साल दर साल, पीढ़ी दर पीढ़ी। उसके विद्यार्थी भी बड़े होते हैं, लेकिन उनकी सफलता की खबर शायद किसी अखबार में नहीं छपती। कोई खेती संभाल लेता है, कोई सेना में चला जाता है, कोई ड्राइवर बनता है, कोई कारीगर या छोटा दुकानदार। कोई शहर में नौकरी करता है, कोई मजदूरी और कोई गांव में रहकर अपना परिवार पालता है। अब शिक्षक दिवस के किसी मंच पर उससे पूछा जाए- 'आपके कितने विद्यार्थी बड़े अधिकारी बने?' वह क्या जवाब देगा? उसके पास शायद आईएएस, डॉक्टर, इंजीनियर या बड़े बैंक अधिकारी विद्यार्थियों की सूची न हो। न पुरस्कारों की लंबी फेहरिस्त। न किसी चमकदार मंच की तस्वीर। तो क्या वह शिक्षक कम सफल है? नहीं। शायद हमारी सफलता की परिभाषा ही छोटी है। हमने शिक्षा को भी बाजार के तराज़ू पर तौलना शुरू कर दिया है। बड़ा पद, बड़ी सफलता। बड़ा वेतन, बड़ी उपलब्धि। बड़ी कुर्सी, बड़ा विद्यार्थी। और बड़ा विद्यार्थी, बड़ा शिक्षक। लेकिन शिक्षा का काम केवल बड़ी कुर्सियां भरना नहीं है। वह बच्चा जो कक्षा में सबसे पीछे बैठता था और आज अपने बच्चों को पढ़ाने के लिए हरसंभव प्रयास करता है, क्या वह शिक्षक की उपलब्धि नहीं? वह लडक़ी जिसे किसी शिक्षक ने पहली बार यह विश्वास दिलाया कि गांव की बेटी भी सपने देख सकती है, क्या उसके भीतर पैदा हुआ आत्मविश्वास किसी पद से छोटा है? वह बच्चा जो गरीबी के कारण स्कूल छोडऩे वाला था और शिक्षक के भरोसे से पढ़ाई जारी रख सका- क्या उसकी जिंदगी में आया यह बदलाव किसी नियुक्ति-पत्र से कम महत्वपूर्ण है? और वह विद्यार्थी जो वर्षों बाद गांव में मिलकर कहता है- 'मास्टर जी, आपने उस समय मुझे डांटा न होता तो मैं आज यहां नहीं होता।'

आकाश चोपड़ा की विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम में चार भारतीय शामिल

मुम्बई

पूर्व क्रिकेटर आकाश चोपड़ा ने वर्तमान समय की विश्व की सर्वश्रेष्ठ टेस्ट टीम का चयन किया है। आकाश ने अपनी इस टीम में चार भारतीय खिलाड़ियों को शामिल किया है पर हैरानी की बात ये है कि इसमें तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह शामिल नहीं है। आकाश की इस टीम में भारत और इंग्लैंड के चार-चार व ऑस्ट्रेलिया के दो और वेस्टइंडीज के एक खिलाड़ी को शामिल किया गया है। चोपड़ा ने सर्वश्रेष्ठ टेस्ट 11 खिलाड़ियों में इंग्लैंड के पूर्व कप्तान और दिग्गज ऑलराउंडर बेन स्टोक्स को भी शामिल किया है। स्टोक्स टीम में एकमात्र ऐसे क्रिकेटर हैं जिन्होंने संनयास ले लिया है। वहीं अन्य सभी सक्रिय क्रिकेटर हैं।

चोपड़ा ने इस टीम में ऑस्ट्रेलिया के ट्रेविस हेड और भारत के केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज रखा है। इसके बाद तीन नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के कप्तान जो रूट को रखा है।

वहीं चार नंबर पर भारतीय कप्तान शुभमन गिल हैं। पांच नंबर पर उन्होंने इंग्लैंड के आक्रामक बल्लेबाज हैरी ब्रूक को शामिल किया है। छह और सात नंबर पर आकाश चोपड़ा ने विकेटकीपर बल्लेबाज ऋषभ पंत और रवींद्र जडेजा हैं को रखा है। तेज गेंदबाजी में ऑस्ट्रेलिया के मिचेल स्टार्क, इंग्लैंड के जोश टंग और वेस्टइंडीज के शमार जोसेफ हैं। सबसे ज्यादा हैरानी की बात यह है कि चोपड़ा ने इस टीम में तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को नहीं रखा है। आकाश की इस टीम में रवींद्र जडेजा मुख्य स्पिनर हैं। उन्होंने किसी विशेषज्ञ स्पिनर को जगह नहीं दी है हालांकि, उनकी टीम में आठ नंबर तक बल्लेबाजी है।

आर्सेनल की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना चाहते हैं मिडफील्डर गुइमारेस

लंदन। इंग्लिश प्रीमियर लीग फुटबाल में खेलने जा रहे ब्राजील के मिडफील्डर ब्रूनो गुइमारेस का कहना है कि आर्सेनल में शामिल होकर उन्हें काफी अच्छा लग रहा है। उनका लक्ष्य क्लब की ओर से बेहतर प्रदर्शन करना रहेगा। आर्सेनल की भी नजरें ब्रूनो पर लगी हैं। टीम ने जिन्हें न्यूकैसल यूनाइटेड से भारी भरकम राशि देकर खरीदा था। आर्सेनल को उम्मीद है कि इस मिडफील्डर के आने से उसकी टीम और बेहतर होगी। वहीं आर्सेनल में शामिल होकर गुइमारेस भी उत्साहित हैं। उन्होंने कहा है कि उन्हें इस टीम में आकर काफी अच्छा लग रहा है। यहां उन्हें विश्वस्तरीय खिलाड़ियों से प्रतिस्पर्धा का अवसर मिलेगा। उन्होंने कहा, आर्सेनल में शामिल होकर मुझे बहुत अच्छा लग रहा है। मैं इस अच्छे अवसर के लिए अभारी हूं। कोच मिकेल आर्टेटा भी काफी अच्छे है। इस प्रकार देखा जाये तो आर्सेनल जैसे बेहतरीन क्लब में आना मेरे लिए सुखद अनुभव है। मैं क्लब की गौरवशाली उपलब्धियों का हिस्सा बनना चाहता हूं। अपने खेल शैली को लेकर इस फुटबालर ने कहा, मैं एक सेंट्रल मिडफील्डर हूं। मुझे शानदार पासिंग के साथ गेंद को लगातार आगे बढ़ाना रखना पसंद है। मैं मैदान में हर जगह अपनी पहुंच बनाने के प्रयास करता हूं। मैं हमेशा जोश और उत्साह के साथ खेलता हूं और हमेशा ही अपनी टीम की ओर से बेहतर प्रदर्शन का प्रयास करता हूं। मैं गेंद के साथ सहज महसूस करते हुए और दबाव में भी शांत रहता हूं।

न्यूज ब्रीफ

चाइना मास्टर्स: एन से यंग और अकाने यामागुची सेमीफाइनल में, खिताब की दौड़ हुई रोमांचक

शेनझेन। दुनिया की नंबर एक खिलाड़ी दक्षिण कोरिया की एन से यंग ने हमवतन किम गा युन को सीधे गेमों में

हराकर चाइना मास्टर्स 2026 के महिला एकल सेमीफाइनल में जगह बना ली। वहीं, दुनिया की नंबर तीन जापान की अकाने यामागुची ने थाईलैंड की सुपानिदा कातेथोंग को मात देकर अंतिम चार में प्रवेश किया। एन से यंग को क्वार्टर फाइनल में किम गा युन से शुरुआती चुनौती मिली। पहले गेम में दोनों 6-6 से बराबरी पर थीं, लेकिन इसके बाद एन से यंग ने लगातार छह अंक जीतकर मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया और पहला गेम 21-11 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में एन से यंग ने और अधिक आक्रामक खेल दिखाया। उन्होंने लगातार बढ़त बनाए रखते हुए दूसरा गेम 21-10 से जीत लिया और सीधे गेमों में सेमीफाइनल का टिकट कटाया। एन से यंग ने 2024 और 2025 में चाइना मास्टर्स का खिताब जीता था। अब उनकी नजर लगातार तीसरी बार ट्राफी जीतने पर है। ऐसा करने पर वह चोन वी पेई के रिकार्ड की बराबरी कर लेंगी, जिन्होंने 2018, 2019 और 2023 में महिला एकल खिताब जीते थे। इससे पहले अकाने यामागुची ने सुपानिदा कातेथोंग को 21-18, 21-16 से हराया। तीन बार की विश्व चैंपियन यामागुची ने मुकाबला 33 मिनट में अपने नाम किया। विश्व नंबर-30 कातेथोंग ने टूर्नामेंट की प्रबल दावेदारों में शामिल यामागुची को कड़ी चुनौती दी। पहले गेम के मध्यांतर में स्कोर 8-8 था, जबकि दूसरे गेम में थाई खिलाड़ी ने 11-8 की बढ़त भी बना ली थी। हालांकि, वापसी के लिए मशहूर यामागुची ने एक बार फिर अपना अनुभव दिखाया और लगातार अंक हासिल करते हुए मुकाबला अपने पक्ष में कर लिया।

चाइना मास्टर्स: किदांबी श्रीकांत क्वार्टर फाइनल में हारे, ली चियुक यिउ ने सीधे गेमों में दी मात

शेनझेन। भारतीय बैडमिंटन खिलाड़ी किदांबी श्रीकांत का चाइना मास्टर्स 2026 में सफर क्वार्टर फाइनल में समाप्त हो गया। श्रीकांत को शेनझेन एरेना में हांगकांग के ली चियुक यिउ के खिलाफ 16-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा। श्रीकांत ने पहले गेम की शुरुआत लगातार दो अंक हासिल करके की, लेकिन ली चियुक यिउ ने जल्द ही वापसी करते हुए मुकाबले पर नियंत्रण बना लिया। हांगकांग के खिलाड़ी ने अपनी बढ़त कायम रखी और भारतीय खिलाड़ी की देर से की गई वापसी की कोशिशों के बावजूद पहला गेम 21-16 से अपने नाम किया। दूसरे गेम में भी ली चियुक यिउ ने बेहतर नियंत्रण बनाए रखा और 21-16 से जीत दर्ज कर मुकाबला सीधे गेमों में अपने नाम कर लिया। इस हार के साथ ली चियुक यिउ के खिलाफ श्रीकांत का खराब रिकार्ड और बढ़ गया। भारतीय खिलाड़ी को हांगकांग के इस शटलर के खिलाफ लगातार चौथी हार मिली है। दोनों के बीच अब तक हुई भिड़ंत में श्रीकांत की एकमात्र जीत 2018 इंडिया ओपन के पहले दौर में आई थी। श्रीकांत ने इससे पहले अंतिम-8 में पहुंचने के लिए पिछले दौर में विश्व नंबर-9 विक्टर लाई को सीधे गेमों में हराया था।

स्मृति मंधाना ने रचा इतिहास, महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सबसे ज्यादा रन और शतक बनाने वाली बल्लेबाज बनीं

दुबई। भारतीय सलामी बल्लेबाज स्मृति मंधाना ने महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में इतिहास रच दिया है।

महिला एशिया कप 2026 में हांगकांग के खिलाफ खेलते हुए मंधाना ने 124 रन की तूफानी पारी खेली और पूर्व भारतीय कप्तान मिताली राज का सबसे ज्यादा अंतरराष्ट्रीय रन बनाने का रिकार्ड तोड़ दिया। 30 वर्षीय मंधाना के नाम अब अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 10,880 रन हो गए हैं, जबकि मिताली राज ने अपने करियर में 10,868 रन बनाए थे। इस शानदार पारी के साथ मंधाना महिला अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में सर्वाधिक रन बनाने वाली बल्लेबाज बन गई हैं। मंधाना ने सिर्फ रनों के मामले में ही नहीं, बल्कि शतकों के मामले में भी नया विश्व रिकार्ड बनाया। हांगकांग के खिलाफ लगाया गया शतक उनका अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 18वां शतक है। उन्होंने आस्ट्रेलिया की पूर्व दिग्गज बल्लेबाज मेग लैनिंग के 17 शतकों के रिकार्ड को पीछे छोड़ दिया। मंधाना की इस पारी ने भारत को हांगकांग के खिलाफ मजबूत स्कोर तक पहुंचाने में अहम भूमिका निभाई। उनकी आक्रामक बल्लेबाजी के सामने हांगकांग के गेंदबाज पूरी तरह दबाव में नजर आए। मंधाना ने शुरुआत से ही तेजी से रन बनाए और मैदान के चारों तरफ शानदार शाट लगाए।

तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स में विशेष शर्मा ने घरेलू कोर्स पर जीता पहला खिताब

19 वर्षीय विशेष ने एक करोड़ की पुरस्कार राशि वाला खिताब किया अपने नाम, अमरदीप मलिक एक शॉट से पीछे

हैदराबाद, 04 सितम्बर (शुभ लाभ ब्यूरो)। स्थानीय दावेदार विशेष शर्मा ने रोमांचक अंतिम दौर में दबाव के बीच शानदार संयम बनाए रखते हुए हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन में आयोजित एक करोड़ रुपये की पुरस्कार राशि वाले तेलंगाना गोलकोंडा मास्टर्स का खिताब जीत लिया। यह उनके पेशेवर करियर की पहली जीत है।

टूर्नामेंट के 12वें संस्करण में 19 वर्षीय विशेष ने अंतिम दौर में एक अंडर 69 का स्कोर बनाया और कुल 21 अंडर 259 के स्कोर के साथ खिताब अपने नाम किया। उन्होंने नोएडा के अमरदीप मलिक को एक शॉट से पीछे छोड़ा।

घरेलू मैदान पर पहली पेशेवर जीत

पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया पर अपना दूसरा सत्र खेल रहे विशेष (60-66-64-69) को 15 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली। इस जीत के साथ वह वर्ष 2026 की ऑर्डर ऑफ मेरिट रैंकिंग में 25वें से 14वें स्थान पर पहुंच गए। उनकी सत्र की कुल कमाई 30,93,550 रुपये हो गई और उन्होंने डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में भी अपनी जगह पक्की कर ली।

मलिक (61-65-68-66) ने अंतिम दौर में चार अंडर 66 के स्कोर के साथ जोरदार चुनौती पेश की, लेकिन 20 अंडर 260 के कुल स्कोर पर उपविजेता रहे। उनके उतार-चढ़ाव भरे दौर में पार-5 छठे होल पर एक ईगल, छह बर्डी, दो बोगी और एक डबल बोगी शामिल रही। मलिक को 10 लाख रुपये की पुरस्कार राशि मिली। वह ऑर्डर ऑफ मेरिट में 22वें से 19वें स्थान पर पहुंच गए और उनकी सत्र की कमाई बढ़कर 27,75,748 रुपये हो गई।चंडीगढ़ के अक्षय शर्मा (69-69-63-60) ने दिन का सर्वश्रेष्ठ स्कोर बनाते हुए 10 अंडर 60 के साथ कोर्स रिकॉर्ड की बराबरी की। उनके दौर में एक ईगल, 10 बर्डी और दो बोगी शामिल रहीं। उन्होंने तीसरे से छठे होल तक लगातार चार बर्डी भी बनाईं। अक्षय 19 अंडर 261 के कुल स्कोर के साथ संयुक्त तीसरे स्थान पर पहुंचे।

दिल्ली के हनी बैसोया (64-64-68-65) ने सात बर्डी और दो बोगी की मदद से पांच अंडर 65 का स्कोर बनाया और अक्षय के साथ तीसरा स्थान साझा किया। बैसोया को 5,49,800 रुपये मिले। उन्होंने 57,21,892 रुपये की कुल कमाई के साथ सत्र की रैंकिंग में तीसरे स्थान पर अपनी पकड़ और मजबूत कर ली।

डबल बोगी के बाद लगातार दो बर्डी से संभाला मोर्चा

विशेष ने अंतिम दौर की शुरुआत चार शॉट की बढ़त के साथ की थी, लेकिन उनकी जीत का रास्ता आसान नहीं रहा। उनके 69 के दौर में सात बर्डी के साथ चार बोगी और एक डबल बोगी शामिल रही। इस बीच मलिक ने अंतर घटाकर केवल एक शॉट कर दिया। विशेष ने कहा, मैं बेहद खुश हूं। अभी भी पूरी तरह विश्वास नहीं हो रहा है। 19 साल की उम्र में अपना पहला पेशेवर खिताब जीतना और वह भी घरेलू कोर्स पर, इस जीत को बेहद खास बनाता है।

पार-4 13वें होल पर डबल बोगी के बाद विशेष ने निर्णायक वापसी की। मुकाबला कड़ा होने के बीच उन्होंने 14वें और 15वें होल पर लगातार बर्डी बनाकर अपनी बढ़त बरकरार रखी। उन्होंने कहा, डबल बोगी दबाव के कारण हुई। मैंने एक खराब शॉट लगाया और फिर ऐसा रिकवरी शॉट खेलने की कोशिश की, जिसकी वास्तव में कोई गुंजाइश नहीं थी। उसकी कीमत मुझे चुकानी पड़ी, लेकिन अगले दो होल की बर्डी ने बढ़त बनाए रखने में मदद की।उन्होंने कहा, 18वें होल का लंबा पट बेहद महत्वपूर्ण था और उससे मुझे जीत सुनिश्चित करने में मदद मिली।

33वें टूर्नामेंट में मिली पहली जीत

पिछले सत्र में टूर से जुड़ने के बाद विशेष ने अपने 33वें डीपी वर्ल्ड पेश-वर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया टूर्नामेंट में यह खिताब जीता। उनका पिछला सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन अप्रैल में आयोजित बॉल्डर्स क्लासिक में छठा स्थान था। विशेष ने अपने माता-पिता, बहन और कोच संजय सिंह के साथ हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन, बॉल्डर्स हिल्स, डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के कर्मचारियों, ग्रीनकीपिंग टीम, प्रायोजकों और आयोजन सहयोगियों का आभार जताया। उन्होंने अंतिम दौर के दौरान मनोबल बढ़ाने के लिए अपने दोस्तों, क्लब के सदस्यों और स्थानीय दर्शकों को भी धन्यवाद दिया।इस जीत ने विशेष की उस यात्रा को यादगार मुकाम दिया, जिसकी शुरुआत वर्ष 2021 में हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन में एक जूनियर खिलाड़ी के रूप में डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया टूर्नामेंट देखने से हुई थी।उन्होंने कहा, मुझे उस सप्ताह कई शीर्ष खिलाड़ियों को खेलते हुए देखने का अवसर मिला था। जूनियर के रूप में यहां पेशेवर खिलाड़ियों को देखने, फिर उसी कोर्स पर प्रतिस्पर्धा करने और अब खिताब जीतने की भावना को शब्दों में व्यक्त करना मुश्किल है।चंडीगढ़ के अंगद चीमा (66-67-66-66) 15 अंडर 265 के साथ पांचवें स्थान पर रहे, जबकि चंडीगढ़ के ही अजीतेश संधू (65-69-67-65) ने 14 अंडर 266 के साथ छठा स्थान हासिल किया। दिल्ली के राशिद खान (68-69-63-67) और क्षितिज नवीन कौल (68-66-65-68) ने 13 अंडर 267 के कुल स्कोर पर संयुक्त सातवां स्थान साझा किया।गत चैंपियन बांग्लादेश के जमाल हुसैन (72-66-72-68) दो अंडर 278 के साथ संयुक्त 30वें स्थान पर रहे। उनके अंतिम दौर में पार-3 तीसरे होल पर होल-इन-वन शामिल रहा, जो सप्ताह का चौथा ऐस था। इससे पहले दूसरे दौर में अभिनव लोहान और अंशुल कबथियाल ने पार-3 11वें होल पर होल-इन-वन बनाए थे, जबकि हरमन सचदेवा ने पार-3 सातवें होल पर ऐस लगाया था। गर्मियों के दौरान होटलप्लानर टूर पर प्रतिस्पर्धा करने वाले मौजूदा डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया रैंकिंग लीडर सप्तक तलवार (70-67-61-71) 11 अंडर 269 के कुल स्कोर के साथ अकेले 11वें स्थान पर रहे।

तलवार ने 1,84,700 रुपये अर्जित कर रैंकिंग में अपनी बढ़त और मजबूत की। इस सत्र में उनकी कुल कमाई अब 89,32,384 रुपये हो गई है। रेस टू डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप के जरिए डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के नंबर एक खिलाड़ी का फैसला होगा। इसके साथ ही यह प्रतियोगिता डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया की ऑर्डर ऑफ मेरिट के उन शीर्ष 24 खिलाड़ियों का भी निर्धारण करेगी, जो सत्र के अंतिम टूर्नामेंट डीपी वर्ल्ड इंडिया चैंपियनशिप में अपनी जगह बनाएंगे।टूर्नामेंट को आयोजन सहयोगी तेलंगाना पर्यटन, हैदराबाद गोल्फ एसोसिएशन, द वेस्टिन हैदराबाद माइंडस्पेस और द क्यू गोल्फ स्टूडियो बाय प्लेरूट गोल्फ, डीपी वर्ल्ड पेशेवर गोल्फ टूर ऑफ इंडिया के मुख्य सहयोगी डीपी वर्ल्ड तथा टूर सहयोगी एक्सिस बैंक, अमूल, अमृतांजन एनरलाइट, एयर इंडिया महाराजा क्लब और कल्याणी का सहयोग प्राप्त है।

थैलेसीमिया बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद के कुणाल अरोड़ा संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित

मुरादाबाद। थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी को मात देने वाले मुरादाबाद महानगर के पैरा टेबल टेनिस के युवा खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा नई दिल्ली में आयोजित एक कार्यक्रम में संतोष-अर्जुन अवार्ड से सम्मानित हुए है। महानगर मुरादाबाद के निवासी सीनियर टेबिल टेनिस खिलाड़ी व कुणाल अरोड़ा के पिता यशपाल अरोड़ा ने बताया कि उनके बेटे पैरा टेबल टेनिस खिलाड़ी कुणाल अरोड़ा थैलेसीमिया जैसी घातक बीमारी ग्रस्त रहे है। भारतीय टीम में चयन होने के बाद फ़िनलैंड के दौरे पर जाने से पहले 23 अगस्त को थैलेसीमिया इंडिया सोसाइटी के द्वारा ली मेरिडियन होटल नई दिल्ली में आयोजित थैलेसीमिया वारियर्स को दिया जाने वाला संतोष एवं अर्जुन अवार्ड कार्यक्रम के मुख्य अतिथि इंडिया टीवी के मालिक एवं विश्व प्रसिद्ध जर्नलिस्ट रजत शर्मा के द्वारा अपने जीवन का ऐतिहासिक पल को यादगार बनाते हुए ष्संतोष एवं अर्जुन अवार्डष् को प्राप्त किया कुणाल अरोड़ा की उपलब्धियों पर श्री रजत शर्मा जी ने प्रशंसा की और अपना आशीर्वाद भी दिया। कुणाल अरोड़ा इससे पूर्व फ़िल्मी एक्टर जैकी श्राफ से भी अवार्ड प्राप्त कर चुके हैं।

अब जडेजा का विकल्प तलाशने की जरुरत : दीप दासगुप्ता

मुम्बई

भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व विकेटकीपर-बल्लेबाज दीप दासगुप्ता ने कहा है कि अब टीम प्रबंधन को स्पिन आलराउंडर रविन्द्र जडेजा का विकल्प तलाशना शुरु कर देना चाहिये। दीपदास के अनुसार श्रीलंका दौरे में ये देखने में आया है कि अब जडेजा की गेंदबाजी पहले जैसी नहीं रही है। दो टेस्ट मैचों की सीरीज में वह अधिक विकेट भी नहीं ले पाये। ऐसे में टीम प्रबंधन को उनकी जगह के लिए किसी खिलाड़ी को तैयार करना शुरु कर देना चाहिये। जडेजा ने श्रीलंका सीरीज की चार पारियों में कुल 8 विकेट लिए। दासगुप्ता को लगा कि भारत का स्पिन आक्रमण इस दौरे में विपक्षी टीम के लिए लगातार खतरा पैदा नहीं कर पाया। पूर्व विकेटकीपर ने कहा कि श्रीलंका को फालो-आन देने के बावजूद भारतीय टीम उनके निचले क्रम के बल्लेबाजों को जल्दी आउट नहीं कर पायी।

दासगुप्ता ने कहा, मानव सुथार को छोड़कर, हमारे स्पिनर उतने खतरनाक नहीं दिखे जितनी हमें उम्मीद थी। ऐसी पिचों पर जडेजा हमेशा से बहुत खतरनाक और असरदार रहे हैं पर इस बार उनमें पहले वाली बात नहीं दिखी। मुझे लगा था कि पांचवें दिन वह अहम भूमिका निभाएंगे। उन्होंने टीम के लिए बहुत अच्छा काम किया है, लेकिन अब उसने आगे बढ़ने का समय आ गया है। वह अपनी सामान्य सटीकता के साथ गेंदबाजी नहीं कर रहे थे। उनका गेंदबाजी एक्शन काफी हद तक कंधे पर निर्भर करता है।

दासगुप्ता ने साथ ही कहा कि स्पिन-बालिंग आलराउंडर की भूमिका में जडेजा के संभावित लंबे समय के विकल्प के तौर पर वाशिंगटन सुंदर अच्छें रहेंगे। उन्होंने कहा, हमें स्पिनरों की अगली पीढ़ी को तैयार करने की जरूरत है। हमें वाशिंगटन सुंदर को तैयार करने की जरूरत है। वह बिल्कुल जडेजा जैसे ही हैं। इसलिए जब जडेजा संन्यास लेने का फैसला करेंगे, तो हमें किसी ऐसे व्यक्ति की जरूरत होगी जो वही काम कर सके।

न्यू साउथ वेल्स ने पीटर सिडल को बनाया गेंदबाजी कोच, जोहान बोथा स्पिन सलाहकार की भूमिका में

सिडनी

आस्ट्रेलिया के अनुभवी तेज गेंदबाज पीटर सिडल आगामी 2026-27 सत्र में न्यू साउथ वेल्स के गेंदबाजी कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। वहीं, जोहान बोथा टीम के साथ स्पिन सलाहकार के रूप में काम करेंगे। यह बदलाव ब्रैड हैडिन के मुख्य कोच के रूप में पहले सत्र से पहले हुआ है।

41 वर्षीय सिडल बिग बैश लीग में मेलबर्न स्टार्स की टीम का हिस्सा बने रहेंगे, लेकिन शेफील्ड शील्ड के सभी मुकाबलों में न्यू साउथ वेल्स के साथ काम करेंगे। वह हैडिन के कोचिंग स्टाफ में पीटर फारेस्ट और डेनियल स्मिथ के साथ जुड़ेंगे।

सिडल ने अपने राज्य स्तरीय करियर का अधिकांश हिस्सा विक्टोरिया के लिए खेला है। इसके अलावा उन्होंने तस्मानिया के लिए भी तीन सत्र बिताए हैं।

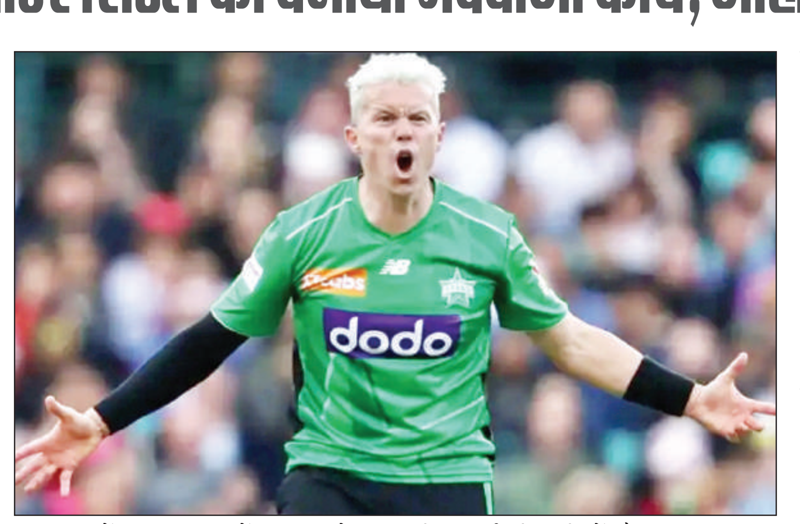

सिडल ने न्यू साउथ वेल्स की ओर से जारी एक बयान में कहा, इस सत्र में न्यू साउथ वेल्स ब्लूज से जुड़ना बेहद रोमांचक है। मैं प्रतिभाशाली खिलाड़ियों के इस समूह का मार्गदर्शन करने के अवसर को लेकर बहुत उत्साहित हूं। आने वाली गर्मियों का सत्र बेहद महत्वपूर्ण होने वाला है और मैं इसमें पूरी तरह जुटने का इंतजार नहीं कर सकता।

वहीं, इस साल की शुरुआत में क्वींसलैंड के कोच पद से इस्तीफा देने वाले जोहान बोथा फिलहाल अस्थायी आधार पर टीम के साथ काम करेंगे।

मुख्य कोच ब्रैड हैडिन ने कहा, पीटर और जोहान का ब्लूज के साथ जुड़ना दर्शाता है कि हम टीम के आसपास उच्च गुणवत्ता वाले लोगों को रखने के लिए प्रतिबद्ध हैं। पीटर अपने साथ काफी अनुभव और ज्ञान लेकर आए हैं और वह उस तरह के क्रिकेटर का उदाहरण भी हैं, जैसा हम अपनी टीम में देखना चाहते हैं।

उन्होंने कहा, हमें भरोसा है कि हमने ब्लूज के लिए रोमांचक सत्र से पहले एक संतुलित और मजबूत कोचिंग टीम तैयार की है।

न्यू साउथ वेल्स के तेज गेंदबाजी विभाग में आस्ट्रेलिया के तीन प्रमुख तेज गेंदबाज मिशेल स्टार्क, पैट कमिंस और जोश हेजलवुड भी शामिल हैं, हालांकि अंतरराष्ट्रीय व्यस्तताओं के कारण वे राज्य क्रिकेट में कम ही खेलते हैं। इनके अलावा टीम के पास लियाम हैचर, उभरते हुए रयान हेडली, आलराउंडर जैक एडवर्ड्स, अनुभवी सीन एबाट और बाएं हाथ के तेज गेंदबाज बेन ड्वारशुइस जैसे विकल्प मौजूद हैं।

लियाम हैचर आस्ट्रेलिया ए टीम के भारत दौरे का हिस्सा हैं। स्पिन विभाग में जोएल डेविस जिम्बाब्वे और दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर वनडे टीम के साथ जाएंगे, जबकि तनवीर संघा आस्ट्रेलिया ए के भारत दौरे के सीमित ओवरों के चरण का हिस्सा हैं।

न्यू साउथ वेल्स अपने सत्र की शुरुआत 22 सितंबर को क्वींसलैंड के खिलाफ वनडे कप मुकाबले से करेगा। टीम का पहला शेफील्ड शील्ड मुकाबला 8 अक्टूबर से तस्मानिया के खिलाफ होगा।

डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक्सीलेंस अवॉर्ड से सम्मानित हुए प्रो.कुमार

.हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को ज्ञानवान एवं जिम्मेदार नागरिक बनाने में शिक्षकों की भूमिका अमूल्य है।

उन्होंने कहा कि गुरु के बिना जीवन अधूरा है और गुरु के आशीर्वाद एवं मार्गदर्शन से ही व्यक्ति को जीवन में सही मार्ग मिलता है। सफल जीवन की नींव शिक्षक ही रखते हैं।

शुक्रवार को राष्ट्रीय शिक्षक दिवस एवं भारत रत्न डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयंती के अवसर पर तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा के तत्वावधान में उस्मानिया विश्वविद्यालय स्थित कुलपति आवास के हॉल में विशेष कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में प्रो. ए. कुमार ने मुख्य अतिथि के रूप में भाग लेकर संबोधित किया।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार प्रो. नरेश रेड्डी ने कहा कि शिक्षक अज्ञानता के अंधकार में रहने वाले लोगों को ज्ञान का मार्ग दिखाकर उनके जीवन में प्रकाश भरते हैं।

तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम की राज्य शाखा के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने कहा कि शिक्षक शिक्षा प्रदान करने के साथ-साथ विद्यार्थियों में अनुशासन, करुणा, शिष्टाचार और अच्छे संस्कार भी विकसित करते हैं।

उस्मानिया विश्वविद्यालय के वाणिज्य विभाग के वरिष्ठ प्रोफेसर पैट्रिक ने कहा कि भारत के भविष्य के निर्माण में शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण और अमूल्य है।

इस अवसर पर शिक्षा के क्षेत्र में 30 वर्षों से अधिक समय से उल्लेखनीय सेवाएं प्रदान करने तथा शिक्षक के रूप में अपने करियर की शुरुआत कर कुलपति के पद तक पहुंचने वाले उस्मानिया विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. ए. कुमार को तेलंगाना इंटेलेक्चुअल्स फोरम के अध्यक्ष डॉ. राज नारायण मुदिराज ने शॉल, पुष्पमाला, स्मृति चिह्न एवं प्रशस्ति पत्र प्रदान कर भव्य रूप से सम्मानित किया। उन्हें डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन एक्सीलेंस अवॉर्ड प्रदान किया गया।

कार्यक्रम में प्रो. जितेंद्र कुमार नाइक, प्रो. शेखर, प्रो. बी. श्री नागेश, प्रो. मंगु, प्रो. भाग्यवती, डॉ. रवितेजा, डॉ. अख्तर अली, डॉ. ए. अनिता, डॉ. पी. सुप्रिया, मेजर एस. के. शिवप्रसाद, इट्टा उदयश्री रेड्डी तथा समन्वयक जी. वेणुगोपाल, बिच्चुकारी सूर्य, राम गोपाल रेड्डी सहित अन्य ने भी प्रो. कुमार को शॉल एवं पुष्पमाला पहनाकर तथा स्मृति चिह्न भेंट कर सम्मानित किया और उन्हें शुभकामनाएं दीं।

पोषण माह के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर आयोजित

'सेहत सही, लाभ कई' अभियान के तहत ग्रामीणों को पोषण और स्वास्थ्य के प्रति किया जागरूक

गौतम बुद्ध नगर। स्मार्ट एनज-ीओ के सहयोग से सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो द्वारा स्वास्थ्य अभियान 'सेहत सही, लाभ कई' के अंतर्गत जनपद गौतम बुद्ध नगर के गांव मकनपुर स्थित प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र (आरोग्य मंदिर) में पोषण माह के तहत स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों में पोषण एवं स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ाना रहा।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को संतुलित एवं पौष्टिक आहार, स्वस्थ जीवनशैली तथा कुपोषण से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। लोगों को स्वस्थ रहने के लिए पौष्टिक भोजन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम में डॉक्टर स्मृति शर्मा ने पोषण के महत्व की जानकारी देते हुए कहा कि स्वस्थ जीवन के लिए संतुलित आहार बेहद आवश्यक है। उन्होंने विशेष रूप से बच्चों, महिलाओं और परिवार के अन्य सदस्यों के लिए पौष्टिक भोजन लेने तथा स्वास्थ्य के प्रति जागरूक रहने पर जोर दिया।

स्वास्थ्य केंद्र की एएनएम जयंती एवं प्रियंका राय ने भी कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने उपस्थित लोगों को स्वास्थ्य एवं पोषण से संबंधित आवश्यक जानकारी दी और पौष्टिक आहार तथा स्वस्थ जीवनशैली अपनाने के लिए जागरूक किया।

शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे। इस दौरान उन्हें एनीमिया के प्रति जागरूक रहने, हृदय की विद्युत जांच (ईसीजी), कुपोषण तथा आरोग्य मंदिर में उपलब्ध निःशुल्क जांच एवं दवाइयों के बारे में जानकारी दी गई।सलाम नमस्ते कम्युनिटी रेडियो की टीम से रोहन, अभय शीवास्तव एवं ललित कुमार शिवहरे भी उपस्थित रहे। टीम ने कार्यक्रम को कवर करने के साथ-साथ पोषण एवं स्वास्थ्य से जुड़ी महत्वपूर्ण जानकारी ग्रामीणों तक पहुंचाने में सहयोग किया।

कार्यक्रम के माध्यम से ग्रामीणों को पोषण के महत्व के प्रति जागरूक करते हुए स्वस्थ एवं बेहतर जीवनशैली अपनाने का संदेश दिया गया।

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव में एन.के. सिंह ने की पूजा-अर्चना

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
देवन देवड़ी, हैदराबाद स्थित श्री चैतन्य गौड़ीय मठ में शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव बड़े धूमधाम और श्रद्धाभाव के साथ मनाया गया। इस शुभ अवसर पर कांग्रेस के वरिष्ठ नेता एन.के. सिंह ने अपने परिवार के साथ मठ में भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना की तथा सुख-शांति और समृद्धि के लिए भगवान से प्रार्थना की।

इस अवसर पर श्री भक्ति सुधा जितेंद्रिय मठ के रचयिता एवं संपादक द्वारा एन.के. सिंह का पुष्पमाला पहनाकर सम्मान किया गया।

कार्यक्रम के दौरान श्रीमती मालती देवी, नंदकिशोर सिंह, दीपिका सिंह, गायत्री एवं छवि ने भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन कर उनका आशीर्वाद प्राप्त किया। मंदिर परिसर में भक्तों ने श्रद्धा एवं उल्लास के साथ जन्माष्टमी महोत्सव में भाग लिया।

विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर

मदनूर, 4 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। सहायक निर्वाचन पंजीकरण अधिकारी एवं तहसीलदार एम.डी. मुजीब ने बताया कि मतदाता सूची के विशेष व्यापक संशोधन (एसआईआर) के तहत मदनूर मंडल के सभी गांवों में विशेष मतदाता पंजीकरण शिविर आयोजित किए जाएंगे। ये शिविर 5, 6, 12 और 13 सितंबर 2026 को ग्राम पंचायतों एवं मतदान केंद्रों पर लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि 18 वर्ष की आयु पूर्ण कर चुके नए मतदाता, पते में बदलाव कराने वाले तथा मतदाता सूची में नाम या अन्य विवरण में त्रुटि वाले लोग शिविरों में पहुंचकर फॉर्म-6, फॉर्म-7 एवं फॉर्म-8 के माध्यम से आवेदन जमा कर सकते हैं।

मेनूर गांव में बंद घरों के ताले तोड़कर चोरी

मदनूर, 4 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। मदनूर मंडल के मेनूर गांव में गुरुवार देर रात अज्ञात चोरों ने बंद मकानों के ताले तोड़कर चोरी की वारदात को अंजाम दिया। स्थानीय लोगों के अनुसार, सेवानिवृत्त शिक्षक यादराव गुरुजी गुरुवार शाम अपने परिवार के साथ घर पर ताला लगाकर गांधारी मंडल स्थित अपनी बेटी के घर गए थे। इसी दौरान चोरों ने उनके बंद मकान का ताला तोड़कर चोरी कर ली।

घटना की जानकारी मिलने पर यादराव गुरुजी शुक्रवार सुबह परिवार सहित मेनूर पहुंचे और पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पुलिस उपनिरीक्षक मोहन रेड्डी ने घटनास्थल का निरीक्षण किया। बताया गया कि गांव के दो अन्य बंद मकानों में भी चोरी हुई है। इन मकानों के निवासी सांगमेश्वर भगवान के दर्शन के लिए गए हुए थे। पुलिस मामले की जांच कर चोरों का पता लगाने में जुटी है।

जन्माष्टमी पर आत्मनिर्भर भारत और गौ-आधारित अर्थव्यवस्था की दिशा में बड़ा कदम

जयपुर, 04 सितंबर (एजेंसियां)।
श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर राजस्थान के डेयरी और पशुपालन क्षेत्र में एक महत्वपूर्ण पहल की शुरुआत हुई है। पूज्य गुरुदेव ओम सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षिजी की प्रेरणा से संचालित देवराहा बाबा गौसेवा परिवार ने भारत को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में कदम बढ़ाते हुए गौ-आधारित अर्थव्यवस्था के विकास का संकल्प दो-हराया है।पूज्यश्री देवराहा बाबा के दिव्य विजन 'भारत की गौ-आधारित अर्थव्यवस्था' को धरातल पर उतारने की दिशा में देवराहा बाबा गौसेवा परिवार ने देश की अग्रणी आनुवंशिकी संस्था हैवीबुल जेनेटिक्स के साथ एक महत्वपूर्ण समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

इस ऐतिहासिक समझौते के तहत आधुनिक वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से गिर नस्ल के 100 उत्कृष्ट बछड़े और बछड़ियों को तैयार करने का लक्ष्य रखा गया है। परियोजना के प्रथम चरण को राजस्थान के ग्राम भेराना (बिचून) स्थित रुद्र शिवम् लाइवस्टॉक एसोसिएशन के परिसर में क्रियान्वित किया जाएगा।

आयोजकों के अनुसार, यह पहल राजस्थान में गिर नस्ल के सुधार की दिशा में नई शुरुआत साबित हो सकती है।

इस महत्वपूर्ण पहल के अवसर पर राजस्थान के एकमात्र राष्ट्रीय गोपाल रत्न पुरस्कार विजेता सुरेंद्र अवाना भी विशेष रूप से उपस्थित रहे। उन्होंने देवराहा बाबा गौसेवा परिवार के प्रयास की सराहना करते हुए कहा कि आधुनिक आनुवंशिकी विज्ञान और स्वदेशी गौवंश संरक्षण का यह संगम राजस्थान में एक नया मॉडल प्रस्तुत कर सकता है।

उन्होंने कहा कि वैज्ञानिक तकनीकों के माध्यम से गिर नस्ल के उत्कृष्ट गौवंश को तैयार करने की पहल से स्वदेशी नस्लों के संरक्षण और संवर्धन को नई दिशा मिल सकती है।

सिद्धेश्वर वर्ल्ड फाउंडेशन, श्रीब्रह्मर्षि आश्रम तिरुपति के राष्ट्रीय संयोजक संजय शर्मा ने बताया कि संस्था का मुख्य उद्देश्य गाय, ग्रामीण विकास, पर्यावरण और सनातन संस्कृति के क्षेत्र में कार्य करना है।

उन्होंने कहा कि यह कार्य सिद्धगुरु सिद्धेश्वर ब्रह्मर्षि गुरुदेव की प्रेरणा से उनके वैश्विक शांति अभियान को समर्पित है। संस्था का प्रयास है कि गौसेवा और वैज्ञानिक तकनीक के समन्वय से ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने तथा स्वदेशी गौवंश के संरक्षण को बढ़ावा देने की दिशा में ठोस कार्य किया जाए।

सॉलीटेर बिजनेस स्कूल में हर्षोल्लास से मनाई कृष्ण जन्माष्टमी

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।सॉलीटेर बिजनेस स्कूल में कृष्ण जन्माष्टमी का पर्व हर्षोल्लास एवं भक्तिभाव के साथ मनाया गया। इस अवसर पर कॉलेज की प्राचार्या दीपिका रेड्डी ने भगवान श्रीकृष्ण के जीवन एवं चरित्र का विस्तार से वर्णन करते हुए विद्यार्थियों को संबोधित किया।उन्होंने विद्यार्थियों को भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों, उनके जीवन संदेश और कर्तव्य के प्रति समर्पण से प्रेरणा लेने का आह्वान किया। कार्यक्रम में कॉलेज के सभी प्राध्यापक, छात्र एवं छात्राओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।इस अवसर पर विद्यार्थियों ने पारंपरिक उत्साह के साथ दही-हांडी फोड़कर जन्माष्टमी समारोह की शोभा बढ़ाई। पूरे परिसर में उत्सव का माहौल रहा और विद्यार्थियों ने कार्यक्रम का भरपूर आनंद लिया।

कोंडागट्टू श्री अंजनेयस्वामी मंदिर में नए मोबाइल टावर का शुभारंभ

पेद्दापल्ली, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। कोंडागट्टू स्थित प्रसिद्ध श्री अंजनेयस्वामी मंदिर परिसर में इंडस टावर्स द्वारा स्थापित नए मोबाइल टावर का शुक्रवार को शुभारंभ किया गया। मोबाइल टावर का उद्घाटन चोप्पाडंडी विधानसभा क्षेत्र के विधायक एवं राज्यपाल डॉ. मेडिपल्ली सत्यम ने किया।नए मोबाइल टावर के शुरू होने से मंदिर में आने वाले श्रद्धालुओं के साथ-साथ स्थानीय लोगों को बेहतर मोबाइल नेटवर्क एवं संचार सुविधाएं उपलब्ध होने की उम्मीद है। इससे मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में मोबाइल संपर्क व्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष...

स्वतंत्र...

पार्टी ने फैसला किया कि छात्रा निशु आजाद के पिता संजय आजाद को न्याय दिलाने के लिए 4 सितंबर 2026 को सुबह 10 बजे दिल्ली के संसद मार्ग पुलिस स्टेशन का घेराव किया जाएगा और विरोध प्रदर्शन किया जाएगा। सीजेपी के इस ऐलान के बाद 4 सितंबर को संसद मार्ग थाने के बाहर हाई-वोल्टेज ड्रामा देखने को मिला।

सुबह 10 बजे से ही सीजेपी के राष्ट्रीय प्रवक्ता सौरव दास और आशुतोष रांका के नेतृत्व में सीजेपी कार्यकर्ता तथा निशु आजाद संसद मार्ग पुलिस स्टेशन पहुंचे। सीजेपी कार्यकर्ताओं के विरोध प्रदर्शन को देखते हुए दिल्ली पुलिस ने थाने के बाहर भारी बैरिकेडिंग कर सुरक्षा बल तैनात कर दिए थे।इस विरोध प्रदर्शन को बड़ा राजनीतिक मोड़ तब मिला, जब आजाद समाज पार्टी (कांशीराम) के सांसद चंद्रशेखर आजाद और निर्दलीय सांसद पप्पू यादव भी प्रदर्शनकारियों और निशु आजाद के समर्थन में संसद मार्ग थाने पहुंचे।

संसद मार्ग थाने पर विरोध प्रदर्शन जब धीरे-धीरे बढ़ने लगा तो पुलिस भी सक्रिय हुई। थोड़ी देर बाद निशु आजाद और चंद्रशेखर आजाद ने मीडिया को बताया कि दिल्ली पुलिस ने आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज को अगले 72 घंटे के भीतर गिरफ्तार करने का आश्वासन दिया है।

उनके मुताबिक, पुलिस ने उन्हें आश्वासन दिया कि वायरल वीडियो में अपराध कबूलने के दावे के आधार पर प्राथमिकी की समीक्षा की जाएगी और इस मामले में हत्या के प्रयास के लिए भारतीय न्याय संहिता की धारा 109 तथा अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति अत्याचार निवारण अधिनियम जैसी गंभीर धाराएं जोड़ी जा रही हैं।

बवाल बढ़ा तो स्वतंत्र भारद्वाज ने लिया यू-टर्न

यह पूरा मामला 3 सितंबर की रात तक ही गरमा गया था। एक तरफ सीजेपी ने थाने के बाहर प्रदर्शन की बात कही थी, तो दूसरी तरफ कांग्रेस सांसद राहुल गांधी से समर्थन मिलने के बाद यह तय हो चुका था कि दिल्ली में 4 सितंबर को मामला जोर पकड़ेगा।

बवाल बढ़ता देख शुक्रवार सुबह आरोपी स्वतंत्र भारद्वाज मीडिया के सामने आया और उसने अपने वायरल पॉडकास्ट वाले बयान से पूरी तरह यू-टर्न ले लिया। उसने दावा किया कि सोशल मीडिया पर वायरल क्लिप संदर्भ से काटकर पेश की गई है।

स्वतंत्र भारद्वाज ने कहा, जंतर-मंतर पर 10-15 लोगों की भीड़ ने मुझे घेर लिया था और मेरी मॉब लिंचिंग करने की कोशिश की। मैंने केवल आत्मरक्षा में हाथ चलाया था, जिससे मेरे हाथ में पहने कड़े से संजय आजाद के सिर पर चोट लग गई।

उसने यह भी कहा कि नेताओं के फोन आने से पुलिस ने उसे नहीं छोड़ा, बल्कि वह जांच में सहयोग कर रहा था।

निशु आजाद के पिता संजय आजाद ने 4 सितंबर की सुबह कहा कि जंतर-मंतर पर उन पर अचानक हमला किया गया था। उन्होंने आरोप लगाया कि हमलावर 'जय भीम' के नारों से नाराज थे, जिसके बाद उन पर जानलेवा हमला किया गया और उनके सिर पर गंभीर चोटें आईं।

सीजेपी ने कहा है कि अगर 72 घंटे में स्वतंत्र भारद्वाज जेल की सलाखों के पीछे नहीं गया तो यह आंदोलन और बड़ा रूप लेगा।

किस वीडियो पर देशभर में गरमाई राजनीति

स्वतंत्र भारद्वाज का क्लिप 3 सितंबर 2026 को वायरल हुआ। इस वीडियो में उसे यह कहते हुए सुना जा सकता है, क्या आपको पता है कि इस अपराध में कौन-सी धारा लगती है? धारा 307। उन्हें 60 टांके लगे थे। उस व्यक्ति को गंभीर हालत में एम्बुलेंस से ले जाया जा रहा था। उनकी बेटी थाने के बाहर खड़ी थी और कह रही थी कि अगर उसके पिता को न्याय नहीं मिला तो वह आत्महत्या कर लेगी, लेकिन मुझे जेल तक नहीं भेजा गया। दुनिया को यह पता होना चाहिए। मैं पूरी रात बाहर घूमता रहा।

यूट्यूब पर उपलब्ध करीब एक घंटे के इस साक्षात्कार में स्वतंत्र भारद्वाज ने राजनीतिक संबंध होने का भी दावा किया। उसने कहा, मुझे हनुमान जी का आशीर्वाद प्राप्त है और दूसरी बात, कपिल मिश्रा मेरे बड़े भाई हैं। कपिल मिश्रा ने फोन किया और मुझे छोड़ दिया गया। चिराग पासवान मेरे बड़े भाई हैं। आप कितने नेताओं को जानती हैं? क्या आप प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को जानती हैं? मोदी जी भी मेरे बड़े भाई हैं। मुझे सभी का समर्थन प्राप्त है।

चिराग पासवान ने ...

ऐसे में किसी नेता से मिलना निजी संबंध होने का सबूत नहीं है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्र भारद्वाज ने कई राजनेताओं के साथ अपने संबंधों का दावा करते हुए उनके नाम का भी इस्तेमाल किया है।

चिराग ने कहा कि उन्होंने इस मामले में स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ आधिकारिक शिकायत की है। उन्होंने पुलिस से पूरे मामले की सच्चाई सामने लाने की मांग की। उनका कहना है कि अगर कोई व्यक्ति किसी को बुरी तरह पीटने की बात खुलेआम स्वीकार करता है, तो यह गंभीर मामला है। ऐसे व्यक्ति के खिलाफ कार्रवाई नहीं होने से समाज में गलत संदेश जाता है।

चिराग पासवान ने कहा कि उनकी पार्टी पीड़ित छात्रा और उनके परिवार के साथ है। परिवार को न्याय दिलाने के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। चिराग ने मांग की कि मामले की निष्पक्ष जांच हो और दोषी पाए जाने वाले व्यक्ति के खिलाफ कानून के मुताबिक कार्रवाई होनी चाहिए।

उन्होंने कहा कि किसी भी मामले में कानून से ऊपर कोई नहीं है। अगर किसी व्यक्ति ने कानून तोड़ा है तो उसके खिलाफ कार्रवाई होनी चाहिए। पूरे मामले को राजनीतिक विवाद से अलग रखकर देखा जाना चाहिए।चिराग पासवान का नाम लेने पर लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास की शिकायतलोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने स्वतंत्र भारद्वाज के खिलाफ दिल्ली के संसद मार्ग थाने में शिकायत दर्ज कराई है। पार्टी ने आरोप लगाया है कि भारद्वाज ने सार्वजनिक तौर पर केंद्रीय मंत्री और पार्टी अध्यक्ष चिराग पासवान का नाम लिया। आरोप है कि उन्होंने राजनीतिक संरक्षण का दावा करने के लिए चिराग का नाम इस्तेमाल किया।पार्टी ने पुलिस से भारद्वाज के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज करने की मांग की है। साथ ही पुलिस से रिकॉर्ड में यह दर्ज करने को कहा है कि इस मामले से पार्टी का कोई संबंध नहीं है। लोक जनशक्ति पार्टी रामविलास ने आरोपी के खिलाफ सख्त कार्रवाई की भी मांग की है।

सिंधु जल ...

इस पानी को इगू फे सिंचाई नहर के माध्यम से उन कृषि क्षेत्रों तक पहुंचाया जा रहा है, जो लंबे समय से पानी की कमी से प्रभावित थे।

लद्दाख जैसे ऊंचाई वाले और शुष्क क्षेत्र में यह परियोजना केवल पानी जमा करने तक सीमित नहीं है, बल्कि किसानों के लिए बुआई के मौसम में एक नई उम्मीद के रूप में देखी जा रही है।

प्राकृतिक पत्थरों से तैयार इस ढांचे को स्थानीय भौगोलिक परिस्थितियों को ध्यान में रखकर बनाया गया है। इसके जरिए नदी के पानी का स्तर बढ़ाकर उसे सिंचाई के लिए उपयोगी बनाया गया है।

पाकिस्तान से पहले भारत करेगा सिंधु के पानी का इस्तेमाल?

सिंधु जल संधि को लेकर भारत और पाकिस्तान के बीच जारी तनाव के बीच सिंधु नदी पर यह परियोजना रणनीतिक दृष्टि से भी महत्वपूर्ण मानी जा रही है। भारत ने सिंधु जल संधि को स्थगित रखने का फैसला किया हुआ है। ऐसे में सीमा से जुड़े और रणनीतिक रूप से संवेदनशील लद्दाख क्षेत्र में सिंधु नदी के पानी के उपयोग के लिए बुनियादी ढांचा विकसित करना महत्वपूर्ण संकेत माना जा रहा है।

भारत का संदेश यह माना जा रहा है कि नदी का पानी पाकिस्तान की ओर आगे बहने से पहले भारत अपने हिस्से के जल संसाधनों का अधिक प्रभावी ढंग से उपयोग करने के लिए स्थानीय स्तर पर ढांचा विकसित कर रहा है।

हालांकि, यह परियोजना किसी बड़े बांध की तरह सिंधु नदी के प्राकृतिक प्रवाह को रोकने के बजाय स्थानीय स्तर पर पानी की उपलब्धता बढ़ाने और उसे कृषि कार्यों के लिए उपयोगी बनाने पर केंद्रित है।

अब 36 और परियोजनाओं की तैयारी

उप्शी का रॉक चेक डैम लद्दाख में ऐसी परियोजनाओं की शुरुआत भर हो सकता है। प्रशासन सिंधु नदी और अन्य जल स्रोतों पर इसी तरह के और ढांचे विकसित करने की दिशा में काम कर रहा है।

लद्दाख प्रशासन ने केंद्र सरकार के जल शक्ति मंत्रालय को 36 चेक डैम परियोजनाओं का प्रस्ताव भेजा है। इनमें लेह क्षेत्र में 7 हिमालयन रॉक चेक डैम और कारगिल क्षेत्र में 29 प्रबलित सीमेंट कंक्रीट चेक डैम या जल अवरोधक बनाने की योजना शामिल है। इन परियोजनाओं की अनुमानित लागत 56 करोड़ रुपये से अधिक बताई गई है।

यदि इन योजनाओं को गति मिलती है तो लद्दाख में जल संरक्षण और सिंचाई की तस्वीर बड़े पैमाने पर बदल सकती है। सीमावर्ती गांवों में पानी की बेहतर उपलब्धता होने के साथ ही खेती पर निर्भर परिवारों को भी राहत मिलने की उम्मीद है।

अब लहलहाएंगे लद्दाख के खेत

उप्शी का यह चेक डैम भले ही आकार में किसी विशाल जलविद्युत परियोजना जैसा नहीं है, लेकिन इसका महत्व बड़ा है। एक ओर यह सिंधु नदी के किनारे रहने वाले किसानों के लिए पानी का रास्ता खोल रहा है, वहीं दूसरी ओर यह सीमावर्ती क्षेत्रों में उपलब्ध जल संसाधनों के अधिकतम उपयोग की भारत की रणनीति को भी दर्शाता है।

BOOK YOUR DISPLAY CLASSIFIED ADVERTISEMENTS AT
Timings : 9 am to 7 pm
Head office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar, Hyderabad - 500 037
City office
SHREE SIDDIVINAYAK PUBLICATIONS,
Plot No. A-23/5 & 6 2nd Floor,
APIE, Balanagar,
Hyderabad - 500 037
8688868345

शुभ लाभ
म्हारो भाग्यनगर
दैनिक हिन्दी शुभ लाभ, हैदराबाद, शनिवार, 05 सितंबर , 2026

शुभ लाभ
आपकी सेवा में
शुभ लाभ से जुड़ी किसी भी समस्या या सुझाव के लिए मो. 86888 68345 पर संपर्क करें ।

पावरग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का हैदराबाद में शुभारंभ

देशभर की 12 टीमों के 144 खिलाड़ी-कर्मचारी ले रहे हैं हिस्सा, 6 सितंबर तक होंगे रोमांचक मुकाबले

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।

विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार के अधीन महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) द्वारा हैदराबाद के मोइनाबाद स्थित फायरफॉक्स स्पोर्ट्स एंड रिसॉर्ट्स में पावरग्रिड अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट 2026 का शुभारंभ किया गया। पावरग्रिड के दक्षिण क्षेत्र-1 द्वारा आयोजित यह तीन दिवसीय राष्ट्रीय खेल आयोजन 4 से 6 सितंबर तक चलेगा।

उद्घाटन समारोह में दक्षिण क्षेत्र-1 के कार्यपालक निदेशक श्री दोमन यादव मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर मुख्य महाप्रबंधक (मानव संसाधन) श्री अरुण कुमार तथा तेलंगाना कबड्डी संघ के संयुक्त सचिव श्री बी. श्रवण कुमार विशिष्ट अतिथि के रूप में मौजूद रहे।

कबड्डी पावरग्रिड की कार्यसंस्कृति का प्रतिबिंब : दोमन यादव

समारोह को संबोधित करते हुए श्री दोमन यादव ने कबड्डी खेल की मूल भावना पर प्रकाश डालते हुए कहा कि कबड्डी शक्ति, सहनशक्ति, रणनीति और टीम भावना की परीक्षा है, जो पावरग्रिड की कार्यसंस्कृति की मूल भावना को प्रतिबिंबित करती है। उन्होंने कहा कि अंक और ट्रॉफियां महत्वपूर्ण हैं, लेकिन सच्ची खेल भावना सबसे स्थायी छाप छोड़ती है।

उन्होंने सभी खिलाड़ियों से पूरे उत्साह के साथ प्रतिस्पर्धा करने, नियमों का सम्मान करने तथा विभिन्न क्षेत्रों के बीच आपसी सौहार्द को मजबूत करने का आह्वान किया।

अनुशासन और टीमवर्क पर जोर

श्री अरुण कुमार ने अपने संबोधन में पावरग्रिड की कार्यसंस्कृति और कबड्डी के बीच समानताओं को रेखांकित किया। उन्होंने कहा कि दोनों ही क्षेत्रों में सतर्कता, अनुशासन, दृढ़ता और टीमवर्क की आवश्यकता होती है, जो मैदान और कार्यस्थल दोनों में उत्कृष्टता प्राप्त करने के लिए अनिवार्य हैं।

तेलंगाना कबड्डी संघ के संयुक्त सचिव श्री बी. श्रवण कुमार ने स्वदेशी खेलों तथा कर्मचारियों के स्वास्थ्य एवं कल्याण को बढ़ावा देने के लिए पावरग्रिड की सराहना की। उन्होंने कहा कि कबड्डी बुद्धिमत्ता, रणनीति और कौशल का खेल है, जिसने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी उपलब्धियों के माध्यम से देश का गौरव बढ़ाया है।

12 टीमों के 144 खिलाड़ी ले रहे हिस्सा

तेलंगाना कबड्डी संघ के सहयोग से आयोजित इस प्रतियोगिता में देशभर से पावरग्रिड के विभिन्न क्षेत्रीय प्रतिष्ठानों का प्रतिनिधित्व करने वाली 12 टीमों के 144 खिलाड़ी-कर्मचारी हिस्सा ले रहे हैं। इनमें कॉरपोरेट सेंटर (सीसी), उत्तरी क्षेत्र-1, उत्तरी क्षेत्र-2, उत्तरी क्षेत्र-3, पूर्वी क्षेत्र-1, पूर्वी क्षेत्र-2, उत्तर-पूर्वी क्षेत्र, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र-1, दक्षिणी क्षेत्र-2, पश्चिमी क्षेत्र-1 तथा पश्चिमी क्षेत्र-2 की टीमें शामिल हैं।

आगामी तीन दिनों में टीमें रोमांचक मुकाबलों के दौरान अपनी खेल प्रतिभा, रणनीतिक कौशल, टीम भावना और क्षेत्रीय गौरव का प्रदर्शन करेंगी। उद्घाटन समारोह का समापन मुख्य अतिथि द्वारा खिलाड़ियों एवं तकनीकी अधिकारियों से परिचय के साथ हुआ। इसके बाद औपचारिक टॉस के जरिए प्रतियोगिता का शुभारंभ किया गया।

पूल-ए और पूल-बी में बांटी गई टीमें

पूल-ए: कॉरपोरेट सेंटर, उत्तरी क्षेत्र-3, उत्तरी क्षेत्र-2, पूर्वी क्षेत्र-1, पूर्वी क्षेत्र-2 और उत्तर-पूर्वी क्षेत्र।

पूल-बी: दक्षिणी क्षेत्र-2, उत्तरी क्षेत्र-1, उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र, दक्षिणी क्षेत्र-1, पश्चिमी क्षेत्र-2 और पश्चिमी क्षेत्र-1।

पहले दिन हुए रोमांचक मुकाबले

टूर्नामेंट के शुरुआती मुकाबलों में उत्तर-पूर्वी क्षेत्र ने कॉरपोरेट सेंटर को 47-46 से पराजित किया। दक्षिणी क्षेत्र-1 ने उत्तर-पश्चिमी क्षेत्र को 49-43 से हराया। उत्तरी क्षेत्र-3 ने पूर्वी क्षेत्र-2 को 46-17 से शिकस्त दी।

पश्चिमी क्षेत्र-2 ने उत्तरी क्षेत्र-1 को 34-32 से हराया, जबकि उत्तरी क्षेत्र-2 ने पूर्वी क्षेत्र-1 को 41-35 से पराजित किया। एक अन्य मुकाबले में पश्चिमी क्षेत्र-1 ने दक्षिणी क्षेत्र-2 को 36-33 से मात दी।

कर्मचारियों में फिटनेस और टीम भावना बढ़ाने की पहल

अंतर-क्षेत्रीय कबड्डी टूर्नामेंट पावरग्रिड के उस सतत प्रयास का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य कर्मचारियों की सहभागिता, शारीरिक फिटनेस और टीमवर्क की संस्कृति को बढ़ावा देना तथा संगठन के विभिन्न क्षेत्रों के कर्मचारियों के बीच आपसी संबंधों को और मजबूत करना है।

पावरग्रिड के बारे में

पावर ग्रिड कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (पावरग्रिड) भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अधीन एक महारत्न केंद्रीय सार्वजनिक क्षेत्र उपक्रम है।

गुरुग्राम, हरियाणा स्थित मुख्यालय वाली पावरग्रिड विश्व के सबसे बड़े विद्युत पारेषण नेटवर्कों में से एक का स्वामित्व एवं संचालन करती है तथा पूरे भारत में विद्युत की विश्वसनीय, कुशल और सुरक्षित पारेषण व्यवस्था सुनिश्चित करती है।

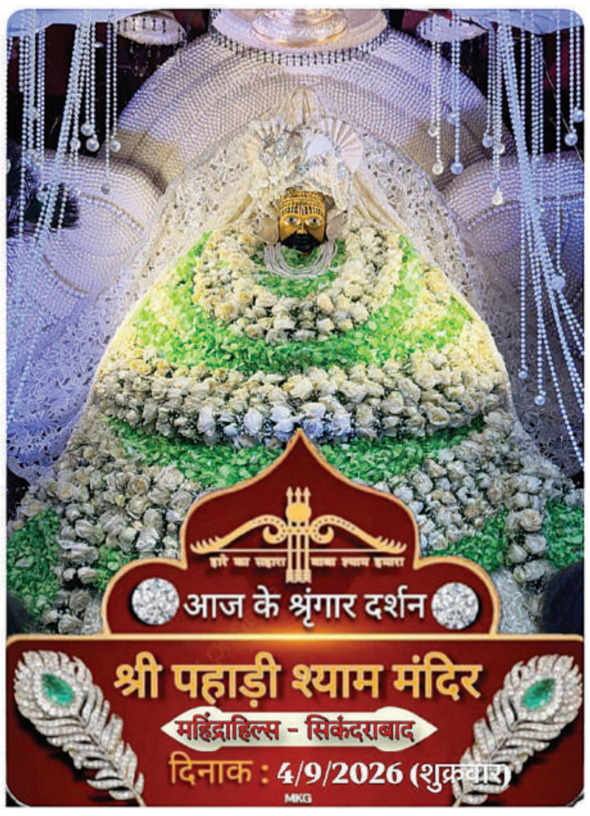

श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के अवसर पर अक्षिका, दक्षिका गोपीयों एवं त्रिशुव व्यास कृष्ण अवतार।

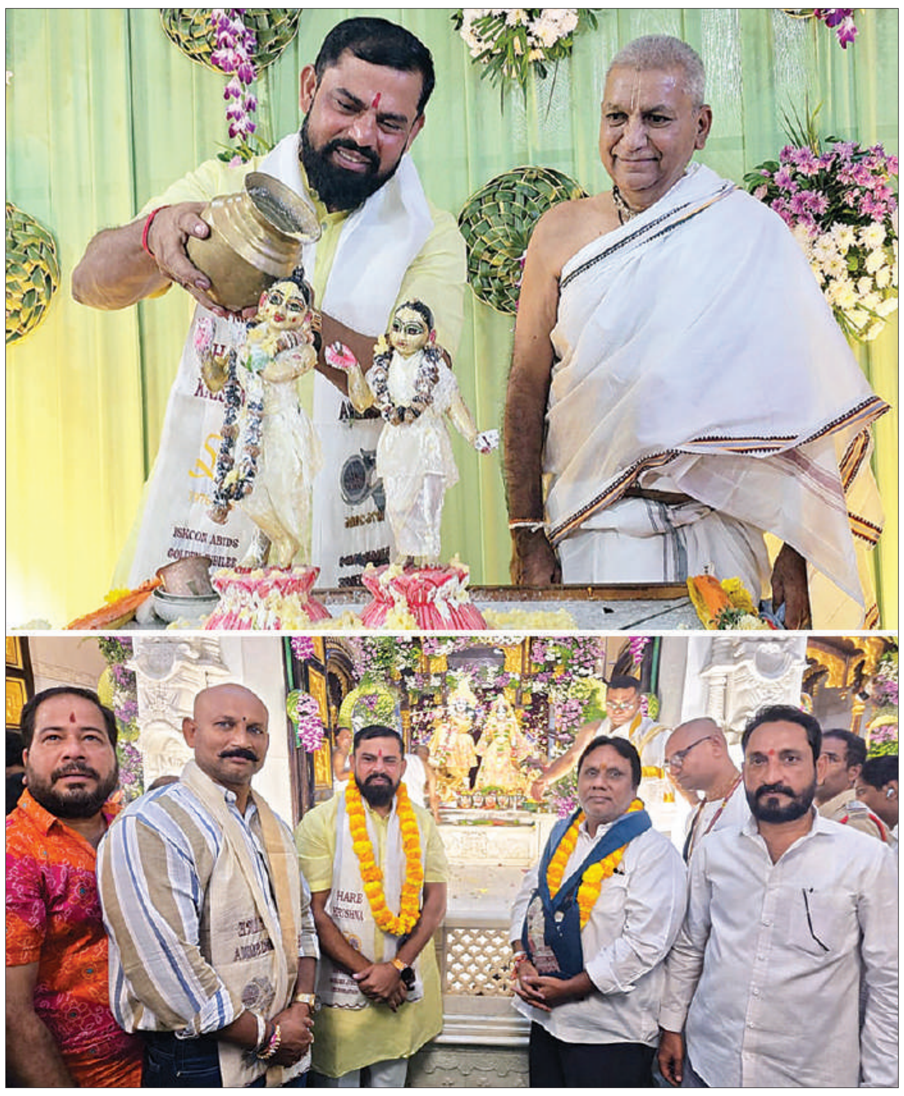

आबिड्स स्थित प्राचीन श्री इस्कॉन मंदिर में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन अवसर पर गोशामहल विधायक राजा सिंह ने भगवान श्रीकृष्ण के दिव्य दर्शन किए और अभिषेक कार्यक्रम में सम्मिलित हुए। इस अवसर पर उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से सभी पर अपनी कृपा बनाए रखने की प्रार्थना की। उन्होंने कामना की कि हमारा समाज धर्म, संस्कार एवं सद्भाव के मार्ग पर निरंतर आगे बढ़ता रहे।

सनतनगर में कृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव श्रद्धा एवं हर्षोल्लास के साथ मनाया गया। इस अवसर पर महिलाओं ने भगवान श्रीकृष्ण की पूजा-अर्चना कर सुख-समृद्धि की कामना की। कार्यक्रम में उपस्थित महिलाओं ने भक्ति एवं उत्साह के साथ जन्माष्टमी पर्व मनाया।

इस अवसर पर सुनीता, रेखा, मधु, रेनू, राम, नीता, प्रमिला, सरिता, पिंकी खेतान, भाजपा नेता सपना गुप्ता सहित अन्य गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

अग्रवाल समाज तेलंगाना की पांचवीं केंद्रीय समिति की बैठक आज

महाराजा अग्रसेन जयंती, नवरात्रि डांडिया और समाज की आगामी गतिविधियों पर होगी चर्चा

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। अग्रवाल समाज तेलंगाना की पांचवीं केंद्रीय समिति की बैठक शनिवार को शाम 7 बजे समाज के सभागृह, 10वीं मंजिल, राघवरत्ना टावर, चिराग अली लेन में आयोजित की जाएगी।

समाज के मीडिया, प्रचार एवं प्रसार चेयरमैन मुकुंद लाल अग्रवाल ने प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से जानकारी देते हुए बताया कि समाज की मंत्री डॉ. सीमा जैन के अनुसार बैठक की शुरुआत सर्वप्रथम महाराजा अग्रसेन जी की पूजा-अर्चना के साथ होगी। इसके बाद अध्यक्ष के स्वागत संबोधन के साथ सभा की कार्यवाही शुरू होगी।

बैठक में इन विषयों पर होगी चर्चा

कार्यक्रम की सूची के अनुसार पिछली सभा की कार्यवाही का अनुमोदन, वर्ष 2025-26 का लेखा-जोखा प्रस्तुत कर पारित करना तथा वर्ष 2026-27 के लिए लेखा परीक्षकों की नियुक्ति की जाएगी। इसके अलावा आगामी महाराजा अग्रसेन जयंती के आयोजन की जानकारी दी जाएगी।

आगामी नवरात्रि के अवसर पर नौ रातों तक आयोजित होने वाले डांडिया कार्यक्रम की जानकारी भी समिति के सदस्यों को दी जाएगी। जयंती के संदर्भ में महिला उत्सव एवं अन्य कार्यक्रमों के आयोजन पर भी चर्चा होगी।

बैठक में सिकंदराबाद स्थित बैंक्वेट हॉल के नवीनीकरण के लिए नए न्यासियों के गठन से संबंधित जानकारी दी जाएगी। साथ ही प्रत्येक माह की 2 तारीख को समाज के सभागृह में राशन एवं अन्य जीवनोपयोगी वस्तुओं के वितरण कार्यक्रम के बारे में भी जानकारी प्रस्तुत की जाएगी।

चुनाव आयोग द्वारा चलाए जा रहे एसआईआर प्रपत्र भरवाने के कार्य में भगवती शाखा के अध्यक्ष नीरज केडिया एवं मंत्री डॉ. सरिता गर्ग द्वारा दी गई अभूतपूर्व सेवाओं के लिए शाखा के पदाधिकारियों को सम्मानित किया जाएगा।

इसके अलावा अध्यक्ष की अनुमति से अन्य विषयों पर भी चर्चा की जाएगी। अंत में धन्यवाद प्रस्ताव के साथ सभा का समापन होगा तथा उपस्थित सदस्यों को भोजन के लिए आमंत्रित किया जाएगा।समाज की ओर से सभी केंद्रीय समिति के सदस्यों से आग्रह किया गया है कि वे समय पर उपस्थित होकर बैठक को सफल बनाएं।

जन सेवा संघ बालानगर एवं गुम्मडतला क्षेत्रीय बैठक संपन्न

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। जन सेवा संघ के महासचिव श्री प्रकाश चौधरी द्वारा जारी प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, बालानगर एवं गुम्मडतला क्षेत्रीय बैठक जन सेवा संघ के उपाध्यक्ष श्री एस.ए. खान की अध्यक्षता तथा प्रोटोकॉल समिति के संयोजक श्री श्रीकांत पांडेय के मार्गदर्शन में आयोजित की गई। बैठक की व्यवस्था बालानगर क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री अरुण पांडेय एवं गुम्मडतला क्षेत्रीय अध्यक्ष श्री आशीष कुमार की देखरेख में हुई। बैठक में सैकड़ों लोगों ने भाग लिया।

बैठक में संगठन को मजबूत करने, प्रत्येक माह अधिक से अधिक सदस्यों को जोड़ने सहित विभिन्न महत्वपूर्ण विषयों पर विस्तार से विचार-विमर्श किया गया। इस अवसर पर बालानगर एवं गुम्मडतला क्षेत्रीय समितियों का गठन भी किया गया।

बालानगर क्षेत्रीय समिति: अध्यक्ष श्री अरुण पांडेय, उपाध्यक्ष श्री चंदन, सचिव श्री मुन्ना, संयुक्त सचिव श्री धर्मेंद्र चंद्रवंशी एवं कोषाध्यक्ष श्री बिट्टू चौबे मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी सदस्य के रूप में श्री गौरव चौबे, श्री श्यामलाल यादव, श्री राकेश तिवारी, श्री सोनू तिवारी एवं श्री डब्बू राय को शामिल किया गया।

गुम्मडतला क्षेत्रीय समिति: अध्यक्ष श्री आशीष कुमार, उपाध्यक्ष श्री मुसालाल, सचिव श्री वीरेंद्र सिंह, संयुक्त सचिव श्री संजीत मेहता एवं कोषाध्यक्ष श्री शिव सागर मनोनीत किए गए। कार्यकारिणी सदस्यों में श्री सुबोध ओझा, श्री गोविंद झा, श्री धनंजय कुमार, श्री अजय सिंह, श्री विकास पांडेय एवं श्री मुन्ना शर्मा को शामिल किया गया।इस अवसर पर श्री शशि भूषण सिंह, श्री सोनू रजक, श्री मुन्ना खरवार, श्री मोहन भगत सहित अनेक पदाधिकारी एवं सदस्य उपस्थित रहे।

श्रीकृष्ण का जन्म मानवता को धर्म, प्रेम और सेवा का संदेश देने के लिए हुआ : राजकुमारी अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में जन्माष्टमी के पावन अवसर पर बेगम बाजार स्थित भू देवी माता मंदिर के पास गौशाला के सामने नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन श्रद्धा एवं भक्तिभाव के साथ किया गया। इस अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण की विधिवत पूजा-अर्चना कर जन्माष्टमी पर्व मनाया गया। कार्यक्रम में अपने विचार व्यक्त करते हुए राजकुमारी अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक धार्मिक उत्सव नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए सत्य, धर्म, प्रेम, करुणा और सेवा का महान संदेश है। श्रीकृष्ण ने अपने जीवन और गीता के उपदेशों के माध्यम से मानव समाज को यह सीख दी कि परिस्थितियां कितनी भी कठिन क्यों न हों, मनुष्य को अपने कर्तव्य और धर्म के मार्ग से कभी पीछे नहीं हटना चाहिए। उन्होंने कहा कि श्रीकृष्ण की शिक्षाएं आज भी उतनी ही प्रासंगिक हैं, जितनी द्वापर युग में थीं। हमें जन्माष्टमी को केवल पूजा-पाठ और उत्सव तक सीमित नहीं रखना चाहिए, बल्कि भगवान श्रीकृष्ण के आदर्शों को अपने जीवन में उतारकर जरूरतमंदों की सेवा, भूखों को भोजन और असहाय लोगों की सहायता के लिए आगे आना चाहिए। उन्होंने कहा कि किसी भूखे को भोजन कराना और जरूरतमंद के चेहरे पर मुस्कान लाना ही सच्ची मानव सेवा है और यही भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति का सार है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान जैसे सेवा कार्य समाज में मानवता, प्रेम और सहयोग की भावना को मजबूत करने का कार्य कर रहे हैं।

सिखवाल समाज नागौर पट्टी क्षेत्रीय की ओर से श्रीमद्भागवत कथा के दौरान कथा वाचक श्री सागर कृष्ण शास्त्री तथा तिवाड़ी परिवार के जगमोहनजी तिवाड़ी एवं चंद्रमोहनजी तिवाड़ी का शाल एवं माला पहनाकर स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर अनिल जायलवाल, रामदेव नागला, पुरुषोत्तम जायलवाल, राधेश्याम नागला, अजय पंडित, ओमनारायण पंडित, सुनील नागला तिवाड़ी, महेंद्र ओझा, दिलीप जायलवाल, अमर जायलवाल, पप्पू ओझा सहित समाज के अन्य सदस्य उपस्थित रहे।

कोडांगल की विकास परियोजनाओं पर मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी सख्त, लिफ्ट सिंचाई परियोजना को दिसंबर 2027 तक पूरा करने का निर्देश

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने शुक्रवार को अपने गृह निर्वाचन क्षेत्र कोडांगल में एक उच्च स्तरीय समीक्षा बैठक की। उन्होंने अधिकारियों को मकतल-नारायणपेट-कोडांगल लिफ्ट सिंचाई परियोजना के चरण-1 (झहरीश-ख) का काम दिसंबर 2027 तक और चरण-2 का काम अक्टूबर 2028 तक हर हाल में पूरा करने के निर्देश दिए हैं।

मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को इस प्रतिष्ठित सिंचाई परियोजना में तेजी लाने और चरण-2 के कार्यों के लिए तुरंत निविदाएं आमंत्रित करने के आदेश जारी किए। उन्होंने परियोजना के लिए वार्षिक बजट आवश्यकताओं की जानकारी ली और फंड की कोई कमी न होने देने की योजना बनाने को कहा।

एजुकेशन हब का किया निरीक्षण

इससे पहले मुख्यमंत्री ने हाकिमपेट एजुकेशन हब में चल रहे निर्माण कार्यों का निरीक्षण किया। उन्होंने यंग इंडिया इंटीग्रेटेड रेजिडेंशियल स्कूल, सरकारी मेडिकल व नर्सिंग कॉलेज, फिजियोथेरेपी और पैरामेडिकल संस्थानों तथा 430 बिस्तरों वाले अस्पताल के निर्माण कार्य की प्रगति का जायजा लिया।

वर्षा जल संचयन : मुख्यमंत्री ने एजुकेशन हब में जलभराव रोकने के लिए वाटर-हार्वेस्टिंग कुएं बनाने के सुझाव दिए, ताकि बारिश के पानी का संरक्षण कर उसका उपयोग लैंडस्केपिंग में किया जा सके।निर्माण गुणवत्ता: उन्होंने सभी विभागों को आपसी समन्वय के साथ काम करने और निर्माण गुणवत्ता व तकनीकी मानकों का कड़ाई से पालन करने के निर्देश दिए।

सड़क और बुनियादी ढांचे पर विशेष जोर

समीक्षा बैठक के दौरान कोडांगल निर्वाचन क्षेत्र में सड़कों और भवनों के कार्यों की भी समीक्षा की गई:

आदिवासी तांडों के लिए सड़कें: मुख्यमंत्री ने स्पष्ट चेतावनी दी कि निर्वाचन क्षेत्र के हर आदिवासी आवास या तांडे को बारहमासी सड़कों से जोड़ा जाए। उन्होंने कहा कि तांडों की सड़कों की उपेक्षा करने वाले अधिकारियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

पुलिया और चेक डैम: बारिश के मौसम में निर्बाध आवाजाही के लिए कमजोर स्थानों पर पुलिया और पुलों के निर्माण की योजना बनाने को कहा गया। साथ ही नालों पर ऐसे पुलों के डिजाइन का प्रस्ताव रखा गया जो चेक डैम की तरह भी काम कर सकें और जल संरक्षण में मदद करें।

मुख्यमंत्री ने सभी संबंधित विभागों को कोडांगल के सिंचाई, शिक्षा, स्वास्थ्य और बुनियादी ढांचे से जुड़े सभी प्रोजेक्ट्स को बिना किसी देरी के एक साथ आगे बढ़ाने का निर्देश दिया है।

जुक्कल के पास बड़ा सड़क हादसा, आरटीसी बस पलटी

डिवाइडर से टकराकर बस के निकले अगले दोनों टायर; चालक की मौत, परिचालक गंभीर घायल

बांसवाड़ा, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
कामारेड्डी जिले के बांसवाड़ा डिवीजन के जुक्कल मंडल में गुरुवार को बड़ा सड़क हादसा हो गया। जुक्कल चौराहे के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-161 पर एक आरटीसी बस अनियंत्रित होकर डिवाइडर से टकराने के बाद पलट गई। हादसे में बस चालक की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि परिचालक गंभीर रूप से घायल हो गया।

जानकारी के अनुसार, हैदराबाद-1 डिपो की बस संख्या टीएस34जेड0030 (एक्सप्रेस), सेवा संख्या बीसीके3, हैदराबाद से बिचकुंडा जा रही थी। दोपहर करीब 12 बजे जुक्कल एक्स-रोड पार करने के बाद कोलन चौराहे के पास अचानक बस चालक ने नियंत्रण खो दिया। बस तेज गति से डिवाइडर से टकराई और पलट गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि बस के अगले दोनों टायर निकल गए।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, यात्रियों ने हादसे से करीब 200 मीटर पहले ही बस को अनियंत्रित होकर टेढ़ा-मेढ़ा चलते देखा था। इसके बाद घबराए यात्रियों में चीख-पुकार मच गई।

अधिकारियों के अनुसार, हादसे के समय बस में करीब 13 से 15 यात्री सवार थे। राहत की बात यह रही कि सभी यात्री सुरक्षित बच गए। कुछ यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

हादसे में बस चालक अंजनेयुलु बस के नीचे फंस गए, जिससे उनकी मौके पर ही मौत हो गई। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस और राजमार्ग गश्ती दल मौके पर पहुंचे। उन्होंने बस को उठाकर चालक के शव को बाहर निकाला।

घायल परिचालक और अन्य घायलों को एंबुलेंस के माध्यम से मदनूर सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां उनका उपचार कराया जा रहा है।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, बस जुक्कल एक्स-रोड पार करने के बाद अचानक अनियंत्रित होती दिखाई दी। यात्रियों को संभलने का मौका मिलता, इससे पहले ही बस डिवाइडर से टकराकर पलट गई। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई।

पुलिस ने हादसे के कारणों की जांच शुरू कर दी है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार बस चालक के नियंत्रण खोने के बाद यह दुर्घटना हुई।

एर्रावल्ली फार्महाउस में कल होगी बीआरएस विधानमंडल दल की अहम बैठक, केसीआर करेंगे अध्यक्षता

हैदराबाद:तेलंगाना के पूर्व मुख्यमंत्री और विधानसभा में विपक्ष के नेता के. चंद्रशेखर राव (केसीआर) ने 6 सितंबर को बीआरएस विधानमंडल दल की एक महत्वपूर्ण बैठक बुलाई है। यह बैठक 7 सितंबर से शुरू होने वाले तेलंगाना विधानमंडल के मानसून सत्र की पृष्ठभूमि में आयोजित की जा रही है।

बीआरएस द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, केसीआर 6 सितंबर की दोपहर अपने एर्रावल्ली स्थित फार्महाउस में इस बैठक की अध्यक्षता करेंगे। पार्टी के सभी विधायकों (चङअी) और विधान पार्षदों (चङउी) को इस बैठक में अनिवार्य रूप से उपस्थित रहने का निर्देश दिया गया है।

यद्यपि विधानसभा सत्र से पहले विधानमंडल दल की बैठकें होना एक सामान्य प्रक्रिया है, लेकिन वर्तमान राजनीतिक परिस्थितियों के कारण इस बैठक को बेहद खास माना जा रहा है:

विपक्ष के नेता के पद को लेकर विवाद: हाल ही में मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने केसीआर द्वारा सत्रों में शामिल न होने पर उनसे नेता प्रतिपक्ष के पद से इस्तीफा देने की मांग की थी, जिसे अब कांग्रेस पार्टी लगातार मुद्दा बना रही है।

आरोप-प्रत्यारोप का दौर: दोनों दलों के बीच राजनीतिक जुबानी जंग तेज हो चुकी है। एक तरफ बीआरएस रेवंत रेड्डी सरकार के खिलाफ '1000 दिनों की विफलताओं' को लेकर हफ़्ते भर का अभियान चला रही है, तो वहीं दूसरी ओर कांग्रेस बीआरएस के पिछले शासनकाल की खामियों को उजागर करते हुए अपने जन-अनुकूल शासन का प्रचार कर रही है।

इस बैठक में आगामी विधानसभा सत्र के दौरान सरकार को घेरने और पार्टी की रणनीति तय करने को लेकर गहन चर्चा होने की संभावना है।

तेरापंथ महिला मंडल ने आयोजित किया सामूहिक आयंबिल अनुष्ठान

हैदराबाद, 05 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)।
अखिल भारतीय तेरापंथ महिला मंडल के दिशा-निर्देशन में तेरापंथ महिला मंडल, हैदराबाद द्वारा सामूहिक आयंबिल अनुष्ठान का आयोजन तेरापंथ भवन, डी.वी. कॉलोनी, सिकंदराबाद में किया गया। यह अनुष्ठान मुनि श्री दीप कुमार जी ठाणा-2 के पावन सानिध्य में संपन्न हुआ।

मुनि श्री ने आयंबिल तप के महत्व पर प्रकाश डालते हुए फरमाया कि आयंबिल तप का एक प्रकार है, जिसमें एक ही स्थान पर बैठकर विगय रहित एवं बिना नमक का एक ही धान ग्रहण किया जाता है। उन्होंने बताया कि आयंबिल तप के प्रभाव से द्वारिका नगरी दीपायन ऋषि के श्राप से जलने से बच गई थी। आयंबिल से मनुष्य की संयम भावना भी पुष्ट होती है।

मुनि श्री की प्रेरणा एवं संयोजिका बहनों के अथक श्रम से हैदराबाद क्षेत्र में कुल 106 आयंबिल संपन्न हुए। इस अनुष्ठान की संयोजिका बहनों में श्रीमती प्रभा दुगड़, सुशीला मोदी, सरला आर. भूतोड़िया, सुमन दुगड़, संतोष गुजरानी, विनय श्री सुराणा एवं सरिता डागा शामिल रहीं।

रीटा सुराणा, पायल पारख, शकुंतला बुच्चा, रजनी श्यामसुखा सहित अनेक बहनों ने भी अपनी सेवाएं प्रदान कीं। सामूहिक अनुष्ठान में पुरुषों, महिलाओं के साथ बच्चों ने भी उत्साहपूर्वक भाग लिया। कई परिवारों ने पूरे परिवार सहित इस तप यज्ञ में आहुति दी।

यह जानकारी मंडल की अध्यक्ष श्रीमती नमिता सिंघी एवं मंत्री श्रीमती निशा सेठिया ने साझा की।

कोरवी कृष्ण स्वामी मुदिराज जी की 132वीं जयंती पर भावभीनी श्रद्धांजलि

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। बेगम बाज़ार छतरी पर मुदिराज संगम समिति (गोशामहल विधानसभा) द्वारा हैदराबाद के महान सपूत श्री कोरवी कृष्ण स्वामी मुदिराज जी की 132वीं जयंती का भव्य आयोजन किया गया। इस विशेष अवसर पर मंगलहाट की पूर्व कॉर्पोरेटर एवं खैरताबाद डीसीसी उपाध्यक्ष परमेश्वरी सिंह लोध ने कार्यक्रम में भाग लेकर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की।

इस अवसर पर परमेश्वरी सिंह लोध ने कहा कि श्री कोरवी कृष्ण स्वामी मुदिराज जी हैदराबाद के पूर्व महापौर, एक प्रख्यात समाज सुधारक, शिक्षाविद, लेखक और पत्रकार थे।

हैदराबाद शहर के विकास, शिक्षा के प्रसार, सामाजिक उत्थान और कमजोर वर्गों के कल्याण के लिए दिए गए उनके अतुलनीय योगदान को आज भी पूरे सम्मान के साथ याद किया जाता है। उनका समर्पित जीवन और विचार आने वाली पीढ़ियों के लिए सदैव प्रेरणास्रोत रहेंगे।

उन्होंने कहा, श्री कोरवी कृष्ण स्वामी मुदिराज जी की महान विरासत हमें यह सिखाती है कि सच्चा नेतृत्व समाज की निस्वार्थ सेवा और भावी पीढ़ियों के प्रति हमारी प्रतिबद्धता से ही मापा जाता है।'

कार्यक्रम के दौरान नागिरेड्डी, राकेश सिंह, शशिराज सिंह, वेणु अन्ना, किरण मुदिराज, नरेश तथा समाज के अन्य गणमान्य नागरिक एवं सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे और उन्होंने भी इस महान दूरदर्शी नेता को अपने श्रद्धासुमन अर्पित किए।

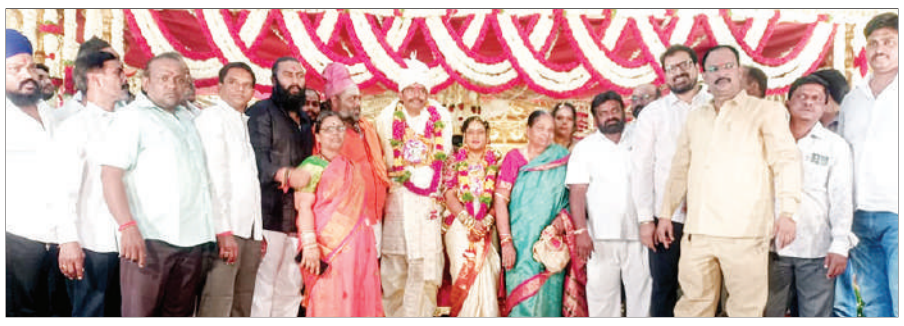

बजरंग दल से जुड़े लक्ष्मण यादव की बहन के विवाह समारोह के अवसर पर श्री काशी बुग्गा मंदिर की ओर से वर-वधू को आशीर्वाद स्वरूप वस्त्र, फल आदि भेंट किए गए। मंदिर की ओर से नवविवाहित जोड़े के सुखी एवं मंगलमय वैवाहिक जीवन की कामना की गई। इस अवसर पर श्री परशुराम सेवा मंडल के संस्थापक अध्यक्ष नवरत्न इंदौरिया, काशीपुर मंदिर के प्रधान सेवक विजय महाराज, भाजपा नेता गणेश यादव, श्रीकांत यादव, लक्ष्मण यादव, कार्तिक, श्रीनिवास यादव सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित रहे।

कर्म की राह पर चलकर मानवता की सेवा करें, यही श्रीकृष्ण का सच्चा संदेश : सुनीता अग्रवाल

हैदराबाद। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद के तत्वावधान में नामपल्ली स्थित पब्लिक गार्डन पिलर नंबर 1265 के पास नियमित अन्नदान कार्यक्रम का आयोजन किया गया। जन्माष्टमी के पावन अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण का श्रद्धापूर्वक पूजन-अर्चन कर उनके जीवन, कर्म और उपदेशों का स्मरण किया गया। इस अवसर पर सेवा कार्य के माध्यम से जरूरतमंदों को भोजन वितरित किया गया।

अपने विचार व्यक्त करते हुए सुनीता अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म केवल एक धार्मिक घटना नहीं, बल्कि संपूर्ण मानवता के लिए सत्य, धर्म, कर्म और कर्तव्य का संदेश है। श्रीकृष्ण ने अपने जीवन में अनेक कठिन परिस्थितियों का सामना किया, लेकिन कभी अपने कर्तव्य और धर्म के मार्ग से विचलित नहीं हुए। उनका जीवन हमें सिखाता है कि विपरीत परिस्थितियों में भी धैर्य, विवेक और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए।

उन्होंने कहा कि आज का युग तेजी से बदल रहा है और हमें भी समय के साथ अपने विचारों तथा कार्यशैली में सकारात्मक बदलाव लाना चाहिए। लेकिन आधुनिकता की दौड़ में हमें अपने संस्कार और मानवीय मूल्यों को नहीं भूलना चाहिए। श्रीकृष्ण के आदर्शों को जीवन में अपनाकर हम स्वयं को बेहतर बनाने के साथ समाज में भी सकारात्मक बदलाव ला सकते हैं।

सुनीता अग्रवाल ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण ने कर्म को सर्वोच्च महत्व दिया। इसलिए हमें परिणाम की चिंता किए बिना अपने कर्तव्य को ईमानदारी और निष्ठा के साथ निभाना चाहिए। जरूरतमंदों की सहायता, भूखों को भोजन, दुखियों का सहारा और समाज के प्रति जिम्मेदारी निभाना ही सच्ची मानव सेवा है। राधे-राधे ग्रुप हैदराबाद द्वारा नियमित रूप से किए जा रहे अन्नदान कार्यक्रम इसी सेवा भावना को आगे बढ़ाने का प्रयास हैं।

उन्होंने कहा कि जन्माष्टमी के अवसर पर हमें संकल्प लेना चाहिए कि हम अपने जीवन में प्रेम, करुणा, सेवा, सद्भाव और मानवता को स्थान देंगे। जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति अपने सामर्थ्य के अनुसार किसी जरूरतमंद की मदद करेगा, तभी श्रीकृष्ण के संदेश को वास्तविक अर्थों में समाज तक पहुंचाया जा सकेगा।

कार्यक्रम में राम प्रकाश अग्रवाल, सुनीता अग्रवाल, महेश गुप्ता, सुशील गुप्ता, मनीष गुप्ता, निशा गुप्ता, जगन गुप्ता, नंद किशोर अग्रवाल, दत्ता, नंद गोपाल, भगत राम गोयल, संजय गोयल, किरण गोयल, रोहित अग्रवाल, सुमन अग्रवाल, भाकर राम कुमावत, कमला कुमावत, प्रीतिका अग्रवाल, जय प्रकाश सारड़ा, कैलाश केडिया एवं निर्मला केडिया सहित राधे-राधे ग्रुप के अनेक सदस्य उपस्थित रहे। सभी ने भगवान श्रीकृष्ण का स्मरण करते हुए सेवा, सहयोग और मानवता के कार्यों को निरंतर आगे बढ़ाने का संकल्प लिया।

शिक्षक दिवस पर सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों का सम्मान आज

हैदराबाद, 04 सितंबर (शुभ लाभ ब्यूरो)। हिंदी महाविद्यालय एवं हिंदी महाविद्यालय भूतपूर्व विद्यार्थी संघ के तत्वावधान में शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर को प्रातः 11 बजे नल्लाकुंटा स्थित हिंदी महाविद्यालय परिसर के स्वर्ण जयंती सभागृह में सेवानिवृत्त वरिष्ठ शिक्षकों एवं पूर्व विद्यार्थियों का सम्मान समारोह आयोजित किया जाएगा।

कार्यक्रम की जानकारी देते हुए भूतपूर्व विद्यार्थी संघ के अध्यक्ष अशोक कुमार बंसल ने बताया कि इस अवसर पर हिंदी महाविद्यालय की पूर्व प्राध्यापिकाओं श्रीमती निर्मला पुराणिक एवं डॉ. चंपक लक्ष्मी के साथ-साथ महाविद्यालय के पूर्व छात्र-छात्राओं डॉ. रमेश जाधव, डॉ. स्नेहलता शर्मा एवं डॉ. सरोज जैन को उनकी सेवाओं के आधार पर विशेष रूप से सम्मानित किया जाएगा।

विज्ञप्ति में बताया गया कि कार्यक्रम में सुप्रसिद्ध विचारक एवं प्रेरणादायी वक्ता डॉ. अनुराधा जाजू मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होंगी। वे 'शिक्षक दिवस-उसका मूल महत्व' विषय पर सारगर्भित व्याख्यान प्रस्तुत करेंगी।

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक, सम्पादक गोपाल अग्रवाल द्वारा श्री शेषसाई इंटरप्राइजेज प्लॉट नंबर. 98/1, को-ऑपरेटिव इंडस्ट्रीयल एस्टेट, गांधी नगर, बालानगर के पास मेडचेल-मल्काजगिरि जिला. हैदराबाद 500037, तेलंगाना स्टेट से मुद्रित तथा प्लॉट नं. ए-23/5 तथा 6, दूसरा माला, ओपीआईई, बालानगर, हैदराबाद, मेडचल मलकाजगिरी जिला, तेलंगाना राज्य-500037 से प्रकाशित। आर. एन. आई रजिस्टर्ड नं. TELHIN/2019/78163, फोन नं. 040-29551811. E-mail : dailyshubhlabh@gmail.com.